@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शुक्रवार, 15 अगस्त 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 276 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

किश्तवाड़ में बादल फटा
42 लोगों की मौत

● चशोटी गांव में मचैल माता की धार्मिक यात्रा के लिए पहुंचे कई लोग बहे, 75 को बचाया

एजेंसी

किश्तवाड़ । जम्मू-कश्मीर में किश्तवाड़ के चशोटी गांव में गुरुवार दोपहर 12:30 बजे बादल फटा। कई लोग पहाड़ से आए पानी और मलबे की चपेट में आ गए। हादसे में 42 लोगों की मौत हो गई है। इनके 42 शव भी मिल गए हैं। अब तक 75 लोगों को बचाया गया है। करीब 200 लोग लापता हैं। हादसा उस समय हुआ जब हजारों श्रद्धालु मचैल माता यात्रा के लिए किश्तवाड़ में पड्डर सब-डिवीजन में चशोटी गांव पहुंचे थे। यह यात्रा का पहला पड़ाव है। बादल वहीं फटा है, जहां से यात्रा शुरू होने वाली थी। यहां श्रद्धालुओं की बसें, टेंट, लंगर और कई दुकानें थीं। सभी बाढ़ के पानी में बह गए। मचैल माता तीर्थयात्रा हर साल अगस्त में होती है। इसमें हजारों श्रद्धालु आते हैं। यह 25 जुलाई से 5 सितंबर तक चलेगी। यह रूट जम्मू से किश्तवाड़ तक 210 किमी लंबा है और इसमें पद्दर से चशोटी तक 19.5 किमी की सड़क पर गाड़ियां जा सकती हैं। उसके बाद 8.5 किमी की पैदल यात्रा होती है।

-यह आंकड़े खबर लिखे जाने तक के हैं।

हिमाचल में देर रात बादल फटा, मलबे में पेट्रोल पंप दबा

हिमाचल प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में रात भारी बारिश हुई। कोटखाई के खलटूनाला की पहाड़ियों में सुबह 3 बजे बादल फटने से नाले में मलबा आ गया। इससे तराई में बना पेट्रोल पंप और 6 से ज्यादा गाड़ियां दब गईं। पंप पर काम करने वाले कर्मचारियों ने भागकर जान बचाई।

केंद्र से हर संभव मदद मिलेगी : अमित शाह

गृहमंत्री अमित शाह ने बताया, 'किश्तवाड़ जिले में बादल फटने की घटना को लेकर जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल और मुख्यमंत्री से बातचीत की। स्थानीय प्रशासन राहत और बचाव कार्य में जुटा है। एनडीआरएफ की टीमें तुरंत मौके पर भेज दी गई हैं। हम स्थिति पर कड़ी निगरानी रखे हुए हैं और हर परिस्थिति में जम्मू-कश्मीर के लोगों के साथ मजबूती से खड़े हैं। जरूरतमंदों को हर संभव मदद दी जाएगी।

मूसलाधार बारिश का कहर,
कालकाजी में पेड़ गिरने से हादसा, एक की मौत

▶▶ जगह-जगह जलभराव- ट्रैफिक जाम

एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली और आसपास के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के कई हिस्सों में गाड़ियां क्षतिग्रस्त हुईं। पेड़ गिरने का सीसीटीवी भी सामने आया है। वहीं, हादसे के बाद आम आदमी पार्टी ने सीएम को पत्र लिखा है। पीडब्ल्यूडी

गुरुवार तड़के भारी बारिश देखने को मिली। लाजपत नगर, आर.के.पुरम, लोधी रोड और दिल्ली-हरियाणा सीमा सहित क्षेत्रों में तेज बारिश हुई। दिल्ली के कालकाजी में पेड़ गिरने से बाइक सवार की मौके पर मौत हो गई। पेड़ की चपेट करने से कई मंत्री परवेश वर्मा के इस्तीफे की मांग की है। इससे पहले, दिल्ली के कई इलाकों में भारी बारिश हुई। मिंटो ब्रिज, विजय चौक, मोती बाग फ्लाईओवर, रफी मार्ग और निजामुद्दीन फ्लाईओवर सहित कई इलाकों में तेज बारिश हुई।

राष्ट्रपति ने अमृत उद्यान के ग्रीष्मकालीन वार्षिकोत्सव का उद्घाटन किया

● अमृत उद्यान 16 अगस्त से 14 सितंबर तक जनता के लिए खुला रहेगा

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गुरुवार को राष्ट्रपति भवन में अमृत उद्यान के एक माह तक चलने वाले ग्रीष्मकालीन वार्षिकोत्सव का उद्घाटन किया। अमृत उद्यान 16 अगस्त से 14 सितंबर तक जनता के लिए खुला रहेगा। राष्ट्रपति भवन के एक बयान के अनुसार, इस दौरान अमृत उद्यान सुबह 10 बजे से शाम छह बजे तक खुला रहेगा, जबकि अंतिम प्रवेश शाम 5 :15 बजे होगा। प्रत्येक सोमवार को रखरखाव के लिए उद्यान बंद रहेगा। उद्यान में प्रवेश के लिए पंजीकरण अनिवार्य है। यह निःशुल्क है। आगंतुक राष्ट्रपति भवन की वेबसाइट (https://visit.rashtrapatibhavan.gov.in/) पर ऑनलाइन अपना स्थान बुक कर सकते हैं। बिना ऑनलाइन बुकिंग वाले दर्शक गेट संख्या 35 के बाहर लगे सेल्फ-सर्विस कियोस्क के माध्यम से अपना पंजीकरण कर सकते हैं। आगंतुकों का प्रवेश नॉर्थ एवेन्यू रोड के पास स्थित राष्ट्रपति भवन के द्वार

▶▶ इस वर्ष ग्रीष्मकालीन वार्षिकोत्सव का प्रमुख आकर्षण 'बैबलिंग बुक' है जो एक प्राकृतिक जल प्रवाह की अनुभूति देने वाला क्षेत्र है।

संख्या 35 से होगा। आगंतुक उद्यान के अंदर मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक चाबियां, पर्स, हैंडबैग, पानी की बोतलें, बच्चों की दूध की बोतलें और छाते ले जा सकते हैं। इनके अलावा, किसी अन्य वस्तु को ले जाने की अनुमति नहीं होगी। अमृत उद्यान में विशेष अवसरों पर खास वर्गों को विशेष प्रवेश प्रदान किया जाएगा। 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में खिलाड़ियों और खेल जगत से जुड़े व्यक्तियों के लिए विशेष प्रवेश की व्यवस्था की गई है। वहीं 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षकों को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है।

आंध्र प्रदेश में भारी बारिश और बाढ़ की चेतावनी, प्रशासन अलर्ट

एजेंसी

अमरावती। बंगाल की खाड़ी में कम दबाव क्षेत्र के प्रभाव से आंध्र प्रदेश के कई जिलों में भारी बारिश हो रही है। इसी बीच में मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों में राज्य के कई जिलों में भारी बारिश होने और बाढ़ आने की आशंका जताई है। इसे देखते हुए प्रशासन अलर्ट हो गया है। विशाखापत्तनम मौसम विज्ञान केंद्र के अधिकारी जगन्नाथ कुमार ने गुरुवार को बताया कि बंगाल की खाड़ी में बना निम्न दबाव का क्षेत्र शुक्रवार को और मजबूत होकर एक विशिष्ट निम्न दबाव क्षेत्र में बदल सकता है। बंगाल की खाड़ी के पश्चिम-मध्य-उत्तर-पश्चिम में बना निम्न दबाव का क्षेत्र पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में उत्तरी आंध्र प्रदेश और ओडिशा की ओर बढ़ने की संभावना है। उन्होंने कहा कि इसके कारण तटीय आंध्र में अगले सप्ताह तक बारिश होने की संभावना है। इससे राज्य के पूर्वी गोदावरी, गुंटूर, कृष्णा, पश्चिमी गोदावरी और केंद्र शासित प्रदेश में बारिश और बाढ़ की चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग ने श्रीकाकुलम, पार्वतीपुरम, मान्यम, अल्लूरी, विजयनगरम, नंद्याल और पालनाडु जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गई है। पिछले 24 घंटे में एलुरु में 22 सेमी, मुम्मीदीवरम में 18 सेमी और अमलापुरम में 13 सेमी बारिश दर्ज की गई। कलिंगपट्टनम, विशाखापट्टनम, काकीनाडा और मछलीपट्टनम बंदरगाहों पर खतरे का सूचक बढ़ा दिया गया है। भारी बारिश के मद्देनजर, राज्य आपदा प्रबंधन संगठन के प्रबंध निर्देशक प्रखर जैन ने कृष्णा नदी बेसिन और लंका गांवों के लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है।

भारतीय वायुसेना के 4 अधिकारी 'सर्वोत्तम युद्ध सेवा पदक' से होंगे सम्मानित

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्वतंत्रता दिवस से एक दिन पहले भारतीय वायुसेना के लिए गर्व का क्षण आया है। ऑपरेशन सिंदूर में अभूतपूर्व योगदान देने वाले वायुसेना के चार वरिष्ठ अधिकारियों को सरकार ने 'सर्वोत्तम युद्ध सेवा पदक' से सम्मानित करने का ऐलान किया है। यह पुरस्कार युद्धकालीन परिस्थितियों में दिए जाने वाले सर्वोच्च विशिष्ट सेवा सम्मानों में गिना जाता है। सम्मान पाने वालों में वाइस चीफ ऑफ एयर स्टाफ एयर मार्शल नरनादेश्वर तिवारी, वेस्टर्न एयर कमांडर एयर मार्शल जीतेंद्र मिश्रा और डीजी एयर ऑपरेशंस एयर मार्शल अवधेश भारती शामिल हैं। चौथे अधिकारी का नाम रक्षा मंत्रालय ने औपचारिक सूची में दर्ज किया है, उन्हें भी 15 अगस्त के अवसर पर यह पदक प्रदान किया जाएगा। गौरतलब है कि 'सर्वोत्तम युद्ध सेवा पदक' आखिरी बार कारगिल युद्ध (1999) के बाद भारतीय वायुसेना को दिया गया था। लगभग 25 वर्षों बाद इस सम्मान का मिलना वायुसेना की निर्णायक भूमिका और उसकी रणनीतिक क्षमताओं की पुनर्पुष्टि माना जा रहा है। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि यह सम्मान न केवल व्यक्तिगत स्तर पर अधिकारियों के योगदान की सराहना है, बल्कि पूरी वायुसेना की सामरिक तैयारी और पेशेवर दक्षता का प्रतीक भी है। इस बार वायुसेना के चार अधिकारियों के साथ ही दो थलसेना अधिकारी और एक नौसेना अधिकारी को भी स्वतंत्रता दिवस समारोह में विशेष सैन्य सम्मान प्रदान किए जाएंगे। इन सभी को राष्ट्र की सुरक्षा और सैन्य अभियानों में अद्वितीय योगदान के लिए चुना गया है।

सरकारी बाइक पर स्टंट करते दिखे भाजपा विधायक आशीष देशमुख

नागपुर (एजेंसी)। नागपुर के सावनेर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक आशीष देशमुख फिर सुर्खियों में हैं। इस बार वजह है 'हर घर तिरंगा यात्रा' के दौरान उनके द्वारा सरकारी बाइक पर किया गया स्टंट है। वायरल हो रहे वीडियो और तस्वीरों में देशमुख बिना हेलमेट के सरकारी विभाग की बाइक चलाते दिख रहे हैं। बात दें कि जिस समय आशीष यह स्टंट कर रहे थे, बाइक के पीछे एक सरकारी अधिकारी भी बैठे हुए थे। इससे न केवल ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन हुआ बल्कि सुरक्षा मानकों की भी अनदेखी दिखाई दी। सरकारी बाइक और पुलिस अधिकारी की मौजूदगी में इस तरह की लापरवाही और नियमों का मज़ाक उड़ाना कई सवाल खड़े करता है। बताया जा रहा है कि घटना 'हर घर तिरंगा यात्रा' के दौरान हुई, जिसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और लोग शामिल थे। यात्रा के बीच में ही देशमुख ने बाइक को एक हाथ से चलाकर स्टंट दिखाया, जो लोगों का ध्यान खींचने में कामयाब रहा, लेकिन साथ ही आलोचना का कारण भी बन गया।

अतीक अहमद को मिट्टी में मिलाकर योगी जी ने न्याय दिलाया...सपा की बागी विधायक पूजा पाल ने कहा

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी विधानसभा में 'विजन डॉक्यूमेंट 2047 को लेकर चर्चा जारी है। इस दौरान सदन में समाजवादी पार्टी की बागी विधायक पूजा पाल ने सीएम योगी को धन्यवाद को दिया। बागी विधायक पूजा पाल ने योगी सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति की सराहना करते हुए बताया कि कैसे उन्हें न्याय दिलाया गया। पूजा पाल ने कहा कि मैं देती हूं कि अतीक अहमद को मिट्टी में मिलाकर करके योगी ने मुझे न्याय दिया। मुझे ही नहीं प्रयागराज के कई पीड़ितों को न्याय दिलाया। उन्होंने कहा कि सब जानते हैं कि मेरे पति राजू पाल की हत्या किसने की। मैं मुख्यमंत्री योगी का धन्यवाद देना चाहती हूं कि उन्होंने मुझे न्याय दिलाया और मेरी बात तब सुनी जब किसी ने नहीं सुनी। सीएम योगी ने प्रयागराज में ज़ीरो टॉलरेंस जैसी नीतियां लागू करके मुझ जैसी कई महिलाओं को न्याय दिलाया। बता दें कि पूजा के पति राजू पाल की हत्या अतीक के गुर्गों ने की थी। पूजा के पति राजू पाल की हत्या उनकी शादी के कुछ दिन बाद ही कर दी गई थी। दरअसल, हत्या के पीछे की वजह चुनावी रंजिश थी। राजू पाल ने अतीक अहमद के भाई अशरफ को चुनाव में हराया था। इसके बाद फरवरी 2023 में राजू हत्या के एक प्रमुख गवाह उमेश पाल की सुलेम सराय इलाके में गोली मारकर हत्या कर दी गई। उमेश और उनके गनरों पर कई राउंड फायरिंग और बम फेंके गए। अतीक और उनके भाई अशरफ अहमद मुख्य आरोपी थे और उन्हें पुलिस ने गिरफ्तार किया था। 15 अप्रैल, 2023 की रात को प्रयागराज में मेडिकल जाँच के लिए ले जाते समय, पत्रकारों के भेष में आए लोगों ने उनकी गोली मारकर हत्या कर दी।

शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा पर 60 करोड़ की ठगी का मामला दर्ज

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा पर मुंबई के एक कारोबारी ने 60 करोड़ की ठगी का मामला दर्ज कराया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह मामला उनकी बंद हो चुकी कंपनी बेस्ट डील टीवी प्राइवेट लिमिटेड से जुड़ा है, जिसे शिल्पा और कुंद्रा ने बिजनेस बढ़ाने के नाम पर लिया और कथित तौर पर निजी खर्चों में इस्तेमाल किया। रिपोर्ट के मुताबिक शिकायतकर्ता का आरोप है कि 2015 से 2023 के बीच उन्होंने कपल को 60.48 करोड़ दिए। शिकायतकर्ता के मुताबिक वह 2015 में एजेंट राजेश आर्या के जरिए शिल्पा और कुंद्रा से मिले थे। उस समय ये दोनों ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफॉर्म बेस्ट डील टीवी के डायरेक्टर थे और शिल्पा के पास कंपनी के 87 फीसदी से ज्यादा शेयर थे। उन्होंने बताया कि एजेंट राजेश ने कंपनी के लिए 75 करोड़ का लोन 12 फीसदी सालाना ब्याज पर मांगा था, लेकिन ज्यादा टैक्स से बचने के लिए राजेश ने सलाह दी कि इस रकम को 卐निवेश卐 के रूप में दिया जाए। इसके बाद एक बैठक हुई और समय पर पैसा लौटाने के वादे के साथ डील फाइनल हो गई। अप्रैल 2015 में शिकायतकर्ता दीपक कोठारी ने पहली किस्त के तौर पर 31.95 करोड़ ट्रांसफर किए, लेकिन टैक्स से जुड़ी समस्या बनी रही। इसके बाद सितंबर में दूसरी डील हुई। शिकायतकर्ता का दावा है कि जुलाई 2015 से मार्च 2016 के बीच उन्होंने 28.54 करोड़ और ट्रांसफर किए। 3.19 लाख स्टांप ड्यूटी समेत उन्होंने कुल 60.48 करोड़ शिल्पा-कुंद्रा को दिए।

राहुल गांधी के वकील ने लिया यू-टर्न, जान को खतरा का दावा करने वाली अर्जी वापस लेंगे

मुंबई (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के वकील ने जान को खतरा का दावा करने वाली अर्जी पर यू-टर्न लेते हुए कहा है कि वह इसे वापस लेंगे। आपको बता दें कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी के वकील ने महाराष्ट्र के पुणे की एक अदालत में अर्जी दायर कर दावा किया था कि राहुल गांधी को सात्यकि सावरकर से जान का खतरा है। हालांकि, कुछ ही घंटों के भीतर उन्होंने यू-टर्न लेते हुए कहा कि अर्जी राहुल गांधी की सहमति के बिना दायर की गई थी। जैसे ही राहुल गांधी ने अर्जी पर कड़ी नाराजगी जताई, इसके बाद वे अदालत में अर्जी वापस ले लेंगे। स्वातंत्र्यवीर सावरकर के पोते सात्यकि सावरकर ने पुणे की विशेष एमपी/एमएलए अदालत में राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया है। बुधवार को एडवोकेट मिलिंद दत्तात्रेय पवार ने राहुल गांधी की ओर से अदालत में अर्जी दायर कर कहा था कि गांधी को उनके वंश के कारण सात्यकि सावरकर से खतरा है। आवेदन में कहा गया है कि सात्यकि सावरकर के मातृ परिवार में महात्मा गांधी की हत्या के मुख्य आरोपी नाथूराम गोडसे और गोपाल गोडसे, और उनके पैतृक परिवार में विनायक दामोदर सावरकर शामिल हैं। सात्यकि की मां हिमानी सावरकर, गोपाल गोडसे की बेटी हैं और उनका विवाह सावरकर के भतीजे से हुआ था। याचिका में यह भी उल्लेख किया गया है कि महात्मा गांधी की हत्या एक तात्कालिक प्रतिक्रिया नहीं थी, बल्कि एक विचारधारा से जुड़ी एक सुनियोजित साजिश थी। याचिका में उस राजनीतिक आंदोलन का भी उल्लेख किया गया है जिसे राहुल गांधी वर्तमान में चला रहे हैं। 11 अगस्त को, उन्होंने संसद में वोट चोर सरकार कहा था और मतदाता सूची में अनियमितताओं को उजागर किया था। याचिका में राहुल गांधी को मिली दो धमकियों का भी उल्लेख है- एक केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू द्वारा, जिसमें उन्हें देश का नंबर एक आतंकवादी कहा गया था, और दूसरी भाजपा नेता तरविंदर सिंह मारवाह द्वारा। वहीं सात्यकि सावरकर ने राहुल गांधी के खिलाफ 2023 में लंदन यात्रा के दौरान दिए गए एक भाषण को लेकर मानहानि का मुकदमा दायर किया है। उस भाषण में, गांधी ने सावरकर के लेख में एक घटना का उल्लेख किया था, जहाँ उन्होंने कथित तौर पर कहा था कि उन्हें एक मुस्लिम व्यक्ति पर हमला करने में खुशी मिलती है। सात्यकि ने गांधी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 500 के तहत मामला दर्ज किया है और दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 357 के तहत मुआवजे की मांग की है। मामले की अगली सुनवाई 10 सितंबर को निर्धारित है। अब राहुल गांधी के वकील मिलिंद पवार ने एक विज्ञप्ति जारी कर जानकारी दी है कि वह शिकायत वापस ले लेंगे। उन्होंने इस प्रेस विज्ञप्ति में कहा है कि राहुल गांधी हमारे द्वारा व्यक्त किए गए विचार से सहमत नहीं हैं। हमने इस संबंध में उनकी सहमति के बिना अदालत को अर्जी सौंपा था। राहुल गांधी इससे पूरी तरह असहमत हैं। इसलिए, हम यह अर्जी वापस ले रहे हैं।

चुनाव आयोग से 'मृत' घोषित लोगों संग राहुल गांधी ने पी चाय, बिहार मतदाता सूची पर गरमा रही सियासत

नई दिल्ली। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर सियासी घमासान तेज हो गया है। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एक वीडियो साझा कर चुनाव आयोग पर तीखा कटाक्ष किया। वीडियो में राहुल गांधी कथित तौर पर उन लोगों के साथ चाय पीते दिख रहे हैं, जिन्हें निर्वाचन आयोग की सूची में 'मृत' घोषित कर दिया गया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वीडियो शेयर करते हुए लिखा, जीवन में कई दिलचस्प अनुभव हुए, लेकिन 'मृत लोगों' के साथ चाय पीने का मौका पहली बार मिला। इस अनोखे अनुभव के लिए धन्यवाद, चुनाव आयोग! कांग्रेस नेता का यह व्यंग्यात्मक हमला विपक्ष के आरोपों को बल देता है कि मतदाता सूची में गड़बड़ियां कर लोगों को वोट देने से रोका जा रहा है।

रॉबर्ट वाड्रा की लोगों से अपील, राहुल गांधी की मेहनत को समझें

नई दिल्ली(एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के जीजा रॉबर्ट वाड्रा ने लोगों से राहुल गांधी की मेहनत को समझने का आग्रह किया है। वाड्रा का मानना है कि यदि लोग जागरूक नहीं होते हैं, तब भाजपा गलत तरीके से चुनाव जीतती रहेगी। यह बयान उन्होंने पंचकूला के गुरुद्वारा नाडा साहिब में मत्था टेकने के बाद दिया। प्रियंका गांधी वाड्रा के पति वाड्रा ने केंद्र पर गलत काम करने का आरोप लगाकर कहा कि इस काम को रोका जाना चाहिए। उन्होंने राहुल और प्रियंका गांधी की मेहनत की सराहना कर कहा कि लोगों को उनकी मेहनत को समझना चाहिए, क्योंकि इसका सबूत सबके सामने है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि लोग जागरूक नहीं हुए, तब केंद्र सरकार लोगों को बांटती रहेगी और उन्हें मुश्किल में डालेगी। सोनिया गांधी के दामाद वाड्रा का यह बयान राहुल गांधी के वोट चोरी के आरोपों के बाद आया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि चुनाव आयोग मामले में चुप है। राहुल ने पहले आरोप लगाया था कि उनकी पार्टी के शोध में कर्नाटक की एक विधानसभा सीट पर एक लाख से ज़्यादा वोट फर्जी मिले हैं। बात दें कि वाड्रा ने हरियाणा भूमि सौदे से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले पर भी बात की। उन्होंने कहा कि वह 24 बार प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) जा चुके हैं और उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया है। उन्होंने ईडी से सबूत दिखाने की बात कही और कहा कि उनके पास छिपाने के लिए कुछ भी नहीं है।

अगर आपके भी हैं दो वोटर कार्ड तो तुरंत कराएं रद्द, नहीं तो खड़ी हो सकती है परेशानी

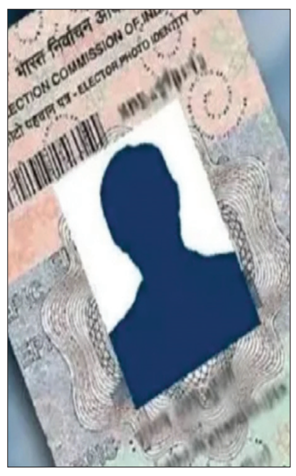

नई दिल्ली, (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) के दौरान दो बड़े नेताओं पूर्व उपमुख्यमंत्री और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव और उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा के नाम पर दो-दो वोटर कार्ड मिलने का मामला सामने आया है। चुनाव आयोग ने दोनों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। भारत में जन प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत, एक ही चुनाव क्षेत्र या अलग-अलग क्षेत्रों में एक से ज्यादा वोटर कार्ड रखना गैरकानूनी है। दोषी पाए जाने पर जुर्माना या जेल हो सकती है।

ऐसे मामलों से चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता और निष्पक्षता पर सवाल उठते हैं। डुप्लीकेट कार्ड के जरिए एक व्यक्ति एक से ज्यादा बार मतदान कर सकता है, जिससे नतीजों पर असर पड़ सकता है। इसके अलावा अलग-अलग क्षेत्रों में पंजीकरण से चुनावी रिकॉर्ड में भ्रम पैदा होता है। चुनाव आयोग की वेबसाइट या वोटर हेल्पलाइन ऐप पर जाएं। अपना नाम, पिता का नाम, जन्मतिथि और राज्य डालकर सर्च करें। अगर आपके नाम पर एक से ज्यादा कार्ड हैं, तो उनकी डिटेल स्क्रीन पर दिख जाएगी। अपने क्षेत्र के बीएलओ से संपर्क करें। उनके पास आपके इलाके के मतदाताओं की पूरी सूची होती है और वे जांच कर सकते हैं।

अगर आपके नाम पर एक से ज्यादा कार्ड दर्ज हैं, तो फॉर्म-7 भरकर उनमें से एक को रद्द करवाएं। यह फॉर्म चुनाव आयोग की वेबसाइट से डाउनलोड किया जा सकता है या बीएलओ के पास रहता है। तेजस्वी यादव और विजय कुमार सिन्हा की तरह अगर आपका नाम डुप्लीकेट सूची में पाया गया तो आयोग का नोटिस मिल सकता है। जवाब न देने पर कानूनी कार्रवाई हो सकती है। अपनी वोटर आईडी की जानकारी समय-समय पर जांचें और गड़बड़ी मिलने पर तुरंत सुधार कराएं। लोकतंत्र में वोट का अधिकार केवल अधिकार ही नहीं, बल्कि जिम्मेदारी भी है और इसका सही इस्तेमाल तभी संभव है जब आपका रिकॉर्ड साफ और अद्यतन हो।

कबूतरखाना विवाद पर बोले राज ठाकरे- मंत्री हों या धार्मिक हस्तियां, कोई भी कानून से ऊपर नहीं

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई में कबूतरों को दाना खिलाने पर लगे प्रतिबंध को लेकर जारी विवाद ने अब सियासी रंग ले लिया है। बॉम्बे हाईकोर्ट के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद दादर के कबूतरखाना में दाना खिलाने का विरोध और आंदोलन तेज़ हो गया है। इसी बीच महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रमुख राज ठाकरे ने इस मामले में कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि कानून से ऊपर कोई नहीं है, चाहे वह मंत्री हों या फिर धार्मिक हस्तियां।

गुरुवार को मुंबई में पार्टी पदाधिकारियों की बैठक के बाद राज ठाकरे ने कहा कि बॉम्बे हाईकोर्ट ने सार्वजनिक स्थलों पर कबूतरों को दाना खिलाने पर रोक स्वास्थ्य कारणों से लगाई थी। डॉक्टरों ने पहले ही चेतावनी दी है कि कबूतरों से कई गंभीर बीमारियां फैल सकती हैं। इसके बावजूद अदालत के आदेश की अवहेलना हो रही है। ठाकरे ने कहा कि यदि जैन मुनि या कोई अन्य व्यक्ति इस आदेश का उल्लंघन करता है, तो प्रशासन को कार्रवाई करनी चाहिए।

उन्होंने आश्चर्य जताया कि राज्य मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा भी विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। ठाकरे ने सवाल उठाते हुए कहा, कि क्या उन्हें अदालत के आदेश की जानकारी नहीं है या वे इसे नज़रअंदाज कर रहे हैं? लोढ़ा परिवार को यह नहीं भूलना चाहिए कि वे राज्य के मंत्री हैं, किसी धर्म के नहीं। मनसे प्रमुख ने आगे कहा कि जब मराठी समाज ने विरोध प्रदर्शन किया, तो पुलिस ने उन्हें गिरफ़्तार किया और पत्रकारों के साथ भी मारपीट हुई। लेकिन अदालत के आदेश का उल्लंघन करने वालों पर ठोस कार्रवाई नहीं हुई। ठाकरे ने इस पर नाराज़गी जताई और कहा कि यह सरकार की दोहरी नीति है।

राज ठाकरे ने आरोप लगाया कि चुनाव नजदीक आते ही सरकार समाज में दरार डालने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा, पहले हिंदी थोपने की कोशिश की, अब कबूतरों का मुद्दा खड़ा किया जा रहा है। सरकार को तभी कार्रवाई करनी चाहिए थी जब आंदोलन शुरू हुआ था।

गौरतलब है कि बीएमसी ने हाल ही में दादर के कबूतरखाने को ढक दिया था और हाईकोर्ट ने साफ कहा था कि विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट आने के बाद ही इस मामले में कोई नया फैसला होगा। इसके बावजूद जैन समुदाय ने आदेश मानने से इंकार कर दिया और लोग दाना डालना जारी रखे हुए हैं।

यमन में नर्स निमिषा की जान को खतरा नहीं, सुप्रीम कोर्ट को दी जानकारी

नई दिल्ली(एजेंसी)। यमन में नर्स निमिषा प्रिया की जान को कोई खतरा नहीं है। गुरुवार को इसकी जानकारी सुप्रीम कोर्ट को दी गई। साथ ही निमिषा की मदद कर रही संस्था के वकील ने मामले को स्थगित करने की मांग की। कोर्ट ने सुनवाई आठ हफ्ते के लिए टाल दी है। यमन की कोर्ट ने निमिषा को मौत की सजा देने के लिए 16 जुलाई की तारीख तय की थी, लेकिन धर्मगुरुओं और सरकार ने यमन सरकार से बातचीत कर इसे सजा को टाल दिया गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच मामले की सुनवाई कर रही थी। वहीं सेव निमिषा प्रिया इंटरनेशनल काउंसिल की तरफ से कोर्ट पहुंचे वकील ने मामले को स्थगित करने की मांग की। उन्होंने कोर्ट को बताया कि बातचीत चल रही है। फिलहाल निमिषा को कोई खतरा नहीं है। कृपया इसे चार सप्ताह के लिए स्थगित कर दें। उम्मीद है कि तब तक सब कुछ ठीक हो जाएगा। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि कुछ अर्जेंट होता है, तो वह इस मामले को कोर्ट के सामने पेश करते। बीते महीने कोर्ट को जानकारी दी गई थी कि निमिषा की सजा-ए-मौत को फिलहाल टाल दिया गया है। 18 जुलाई को केंद्र सरकार ने भी कोर्ट को बताया था कि निमिषा को बचाने की पूरी कोशिश की जा रही है। बता दें केरल के पलक्कड़ जिले के कोल्लेंगोडे की रहने वाली नर्स को जुलाई 2017 में एक यमनी नागरिक की हत्या का दोषी ठहराया गया है। भारतीय नागरिक निमिषा को 16 जुलाई को मौत की सजा दी जानी थी, लेकिन धर्मगुरूओं और भारतीय अधिकारियों के हस्तक्षेप के बाद इसे स्थगित कर दिया गया था। निमिषा यमन की राजधानी सना की एक जेल में बंद है, जो ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के नियंत्रण में है। रिपोर्ट के मुताबिक यह पता चला है कि यमन में भारत की कोई राजनयिक मौजूदगी नहीं है और सऊदी अरब में भारतीय मिशन के राजनयिक इस मामले को देख रहे हैं।

मतदाता सूची से हटाए गए 65 लाख लोगों के नाम चुनाव आयोग करेगा जारी, खत्म होने को एसआईआर विवाद

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में मतदाता सूची से हटाए गए 65 लाख लोगों के नाम चुनाव आयोग अब जारी करेगा। सुप्रीम कोर्ट ने बिहार में वोटर लिस्ट के एसआईआर के खिलाफ दर्ज याचिकाओं पर सुनवाई कर यह आदेश दिया। बेंच ने कहा कि आयोग 19 अगस्त तक उन 65 लाख लोगों के नाम उजागर करे, जिन्हें वोटर लिस्ट से हटाया गया है। इसके अलावा 22 अगस्त तक आदेश के पालन की रिपोर्ट भी सौंपे। सुनवाई के दौरान निर्वाचन आयोग ने मृत, जिला स्तर पर पलायन कर चुके या दूसरे स्थानों पर जा चुके मतदाताओं की सूची साझा करने पर सहमति जाहिर की।

अगली सुनवाई अदालत में अब 23 अगस्त को होगी। बेंच ने कहा कि जिन लोगों के नाम गलत तरीके से हटे हैं, उन्हें सुनवाई के लिए 30 दिन का मौका मिलेगा। इसके अलावा आयोग बताएगा कि इन लोगों के नाम क्यों लिस्ट से हटाने का फैसला हुआ है। यदि किसी को आपत्ति होगी, तब वह संपर्क करेगा और जरूरी दस्तावेज देने के बाद उनके नामों को शामिल किया जा सकेगा।

अदालत ने कहा कि आप वेबसाइट और स्थान के विवरण के लिए सार्वजनिक नोटिस जारी करने पर विचार करें, जहां लोगों (मृत, पलायन कर चुके या दूसरे स्थानों पर चल गए) की जानकारी साझा की जा सके। इस पर चुनाव आयोग ने बताया कि हमारे द्वारा राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं को मृत, पलायन कर चुके या दूसरे स्थानों पर चले गये लोगों के नामों की सूची दी थी। इस पर अदालत ने सख्त रुख अपनाया। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉय बागची की बेंच ने कहा कि हम नहीं चाहते कि नागरिकों के अधिकार राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं पर निर्भर रहें।

बेंच ने कहा कि मृत, पलायन कर चुके या दूसरे स्थानों पर गए मतदाताओं के नामों को नोटिस बोर्ड या वेबसाइट पर प्रदर्शित करने से अनजाने में हुई त्रुटियों को सुधारने का मौका मिलेगा। आयोग ने कहा कि राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं को मृत, पलायन कर चुके या दूसरे स्थानों पर चले गये लोगों के नामों की सूची दी गई है। बेंच ने कहा कि आप इन नामों को नोटिस बोर्ड या वेबसाइट पर क्यों नहीं डाल सकते? जिन्हें दिक्कत है वह लोग 30 दिन के भीतर सुधारात्मक उपाय कर सकते हैं। इस पर आयोग ने कहा कि बिहार में एक मोटे अनुमान के मुताबिक करीब 6.5 करोड़ लोगों को एसआईआर के लिए कोई दस्तावेज जमा करने की आवश्यकता नहीं है।

बाहुबली विधायक राजा भैया का सुझाव... मंदिरों से सरकारी नियंत्रण हटना चाहिए

प्रयागराज महाकुंभ की तारीफ देश विदेश में हुई

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र में नॉनस्टॉप चर्चा में जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के अध्यक्ष और कुंडा विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया ने कहा कि मंदिरों से सरकारी नियंत्रण हटना चाहिए। किसी भी मस्जिद और चर्च से पैसा सरकार नहीं लेती लेकिन 4 लाख मंदिरों से लेती है। राष्ट्र निर्माण के लिए सुझाव देना चाहिए, लेकिन कुछ लोग 2027 की बात कर रहे है। भारत के संविधान की प्रस्तावना एक झटके में बदल दी गई। आज जनता को जागरूक करना है। मैकाले की शिक्षा प्रणाली ने हम लोगों को हीन भावना से भर दिया। प्रयागराज महाकुंभ की तारीफ देश विदेश में हुई। भारत इसलिए धर्म निरपेक्ष देश है क्योंकि यह देश हिंदू बाहुल्य है। विकसित भारत, आत्मनिर्भर भारत यूपी के बिना नहीं हो सकता।

राजा भैया ने कहा कि कल से देख रहे हैं कई सदस्य बोल रहे हैं जैसे बजट पर बोल रहे हैं। हमें अपनी राय देनी है और सुझाव देने हैं। हमें तकनीक के साथ खड़े रहना है। कैसे सुधार लाकर विश्व गुरु बनें इस विषय में सुझाव की जगह 1947 की बात छोड़ दीजिए 2027 में हम आ रहे हैं। अरे मोदी ने नहीं कहा 2047 में हमारी सरकार होगी। ये देश की उन्नति के लिए लॉन्ग टर्म योजना है। आतंकवाद बाहर और अंदर से खतरा है। अमरनाथ के लिए 80 हजार सैन्य बल लगते हैं सुरक्षा के लिए। बिना सुरक्षा दर्शन नहीं हो सकते।

पहलगाम और पुलवामा पर राजा भैया ने कहा कि हिंदू देखकर मारा जाति नहीं पूछी। घर, संपत्ति, व्यापार का बंटवारा कर खुद को कमजोर कर रहे हो। सबसे बड़ा लोकतंत्र है भारत, क्योंकि बहुसंख्यक हिंदू समाज रहता है। जहां सुल्तान है या तानाशाह है वहां की बात नहीं है। जहां संविधान लागू है वहां संशोधन है। लेकिन प्रस्तावना नहीं बदली किसी देश की। राजा भैया ने कहा कि शिक्षा प्रणाली ने हीन भावना सिखा दी है। गुरुकुल बंद हो गए हैं। किसी देश ने अपनी आस्तीन में सांप नहीं पाले हैं। लेकिन हम लोगों ने कई सांप पाले हुए हैं। राजा भैया ने कुंभ पर चर्चा की। कुंभ में अद्भुत व्यवस्था। योगी गोरखपुर जितनी बार गोरखपुर नहीं गए उतनी बार प्रयाग गए। किसी मजहब के लोगों को नहीं रोका न धर्म की जगह को नुकसान पहुंचाया।

पहले लूला और फिर ज़ेलेंस्की ने पीएम मोदी को फोन लगाया, दुनिया में भारत की बढ़ती ताकत का एहसास

नई दिल्ली (एजेंसी)। ब्राजील के राष्ट्रपति लूला और यूक्रेन के राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फोन करने के पीछे कई अहम वजहें हैं। ये दोनों नेता अलग-अलग कारणों से पीएम मोदी से संपर्क कर रहे हैं, लेकिन उनकी रणनीति का मूल एक ही है। अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत के बढ़ते प्रभाव का लाभ उठाना और अपनी समस्याओं के समाधान में भारत की मदद लेना।

ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा ने पीएम मोदी को उस समय में फोन किया है, जब अमेरिका ने कई देशों पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने की बात कही है। इस टैरिफ से भारत और ब्राजील, दोनों ही प्रभावित हैं। ब्राजील चाहता है कि भारत ब्रिक्स जैसे मंचों का इस्तेमाल करके अमेरिका की एकतरफा नीतियों का मुकाबला करे। ब्राजील और भारत दोनों ही ब्रिक्स के संस्थापक सदस्य हैं। लूला को उम्मीद है कि भारत अपनी राजनयिक ताकत और वैश्विक प्रभाव का उपयोग करके टैरिफ युद्ध को संतुलित कर सकता है।

दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने के नाते, भारत में ट्रंप की नीतियों को प्रभावित करने की क्षमता है। ब्राजील चाहता है कि जब भारत अपने केस की पैरवी करे, तब वह ब्राजील के हितों का भी ध्यान रखे। यूक्रेन के राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की का पीएम मोदी को फोन करना, एक अलग लेकिन उतना ही महत्वपूर्ण मुद्दा है। ज़ेलेंस्की को डर है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और पुतिन के बीच होने वाली बैठक में यूक्रेन को दरकिनार किया जा सकता है। भारत के रूस और पश्चिमी देशों, दोनों के साथ अच्छे संबंध हैं। ज़ेलेंस्की को उम्मीद है कि पीएम मोदी युद्धविराम वार्ता में यूक्रेन की स्थिति को मजबूत करने में मदद कर सकते हैं। जेलेंस्की चाहते हैं कि कोई भी समझौता यूक्रेन की भागीदारी के बिना न हो। वह पीएम मोदी से आग्रह कर रहे हैं कि वे उनकी चिंताओं को वैश्विक मंच पर रखें, ताकि यूक्रेन के हितों की अनदेखी न की जाए।

ब्राजील और यूक्रेन, दोनों के नेताओं को पता है कि ट्रंप की आक्रामक और अप्रत्याशित विदेश नीति से अंतरराष्ट्रीय संबंध अनिश्चित हो गए हैं। इसके बाद भारत की वैश्विक विश्वसनीयता और संतुलित विदेश नीति उसे एक महत्वपूर्ण डीलब्रेकिंग स्थिति में ले आती है। इसकारण ये नेता अपनी समस्याओं के समाधान के लिए लगातार पीएम मोदी से संपर्क साध रहे हैं। वे भारत के बढ़ते प्रभाव का उपयोग करके अपनी चुनौतियों का सामना करना चाहते हैं।

सीरीफोर्ट ऑडिटोरियम में तीन दिन देशभक्ति फिल्म महोत्सव

नई दिल्ली। सीरीफोर्ट ऑडिटोरियम में तीन तक देशभक्ति फिल्म महोत्सव चलेगा। इसमें शहादत, क्रांति, आरआरआर जैसी चर्चित देशभक्ति फिल्में जाएंगी। दिल्ली के कला, संस्कृति, पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने इसका उद्घाटन किया। कार्यक्रम में देशभर से फिल्म प्रेमी, छात्र, सांस्कृतिक संगठन के लोग और सामाजिक कार्यकर्ता हिस्सा ले रहे हैं। आयोजन स्थल पर हर ओर तिरंगे अलग शोभा बढ़ा रहे हैं। देशभक्ति से सराबोर संगीत माहौल को और भी प्रेरणादायक और आकर्षक बना रहा है। कपिल मिश्रा ने बताया, केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय और एनएफडीसी ने ये दिल्ली में अनूठा आयोजन किया है, जिसमें सिनेमा से राष्ट्रप्रेम का संदेश देने की कोशिश हो रही है। उन्होंने कहा, फिल्में केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि विचारों, आदर्शों और राष्ट्रीय एकता का सशक्त माध्यम हैं। ये महोत्सव न केवल अतीत के बलिदानों की याद दिलाता है, बल्कि नौजवानों में देश के प्रति जिम्मेदारी का भाव भी जगाता है। कपिल मिश्रा ने कहा, अमेरिका और कोरिया ने सिनेमा और वेब सीरीज के माध्यम से अपनी संस्कृति को दुनिया तक पहुंचाया है। भारत के फिल्मकार, लेखक और कलाकार भी अपनी रचनात्मकता को राष्ट्र निर्माण का सशक्त माध्यम बना सकते हैं। पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत विकसित राष्ट्र की ओर बढ़ रहा है। आत्मविश्वास के साथ विश्व पटल पर खड़ा है। ये हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है कि हम अपनी कलम, कैमरा और विचार से भारत की कहानी पूरी दुनिया को सुनाएं। महोत्सव के पहले दिन स्वतंत्रता संग्राम से लेकर आधुनिक भारत की उपलब्धियों और प्रेरणादायक कहानियों पर आधारित फिल्में दिखाई गईं। दर्शकों ने फिल्मों के बाद चर्चा सत्रों में भी भाग लिया, कलाकारों, निर्देशकों और फिल्म समीक्षकों से संवाद किया। अगले दो दिन कई महत्वपूर्ण फिल्में दिखाई जाएंगी, जिनमें ऐतिहासिक गाथाओं, वीरता की कहानियों और सामाजिक बदलाव की प्रेरक कथाओं पर आधारित फिल्में होंगी।

भलस्वा में युवक की चाकू घोंपकर हत्या

कौमी पत्रिका

दिल्ली। भलस्वा डेयरी में सोमवार रात एक युवक की चाकू से वार कर हत्या कर दी गई। झील किनारे बनी झोपड़ी में खून से लथपथ युवक का शव मिला। फिलहाल मृतक की शिनाख्त नहीं हो पाई है। उसके सीने, गर्दन और हाथों पर चाकू से वार करने के कई निशान मिले हैं। मामला दर्ज कर भलस्वा डेयरी थाना पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से पड़ताल कर रही है। बाहरी-उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त हरेश्वर वी स्वामी ने बताया कि सोमवार देर रात करीब 11:49 बजे उनकी टीम को कॉल मिली कि गोल्फ कोर्स के सामने भलस्वा झील किनारे बनी झोपड़ी में एक युवक का शव खून से लथपथ शव पड़ा है। सूचना मिलते ही जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए। क्राइम टीम और एफएसएल को मौके पर बुला लिया गया। पुलिस ने छानबीन के बाद युवक का शव एंबुलेंस की मदद से बीजेआरएम अस्पताल की मोर्चरी भेजा। शुरुआती जांच के बाद पुलिस आशंका जता रही है कि आपसी रंजिश की वजह से युवक की हत्या की गई। मृतक कौन है और उसको किसने मारा इसका पता किया जा रहा है। झोपड़ी में रहने वाले शख्स की तलाश की जा रही है। दयालपुर में एक युवक की हत्या कर दी गई। उसका शव न्यू चौहानपुर स्थित एक मकान की रसोई से बरामद हुआ। फिलहाल न तो युवक की पहचान हो पाई है न ही यह पता चल पाया है कि उसकी हत्या कैसे की गई। उत्तर-पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त आशीष मिश्रा ने बताया कि मंगलवार दोपहर 1:42 बजे सूचना मिली थी कि एक बंद कमरे से खून बहकर आ रहा है। दयालपुर थाने की टीम मौके पर पहुंची। रसोई का ताला तोड़ा गया। अंदर युवक का चार-पांच दिन पुराना सड़ चुका शव बरामद हुआ। बिल्डिंग मालिक ने बताया कि रसोई को राजबीर नामक युवक ने पीओपी का सामान रखने के लिए किराये पर लिया था। पुलिस ने उससे संपर्क करने का प्रयास किया तो वह गायब मिला। छानबीन के बाद पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया। जाफरपुर कलां में एक मकान के केयरटेकर ने खाना बनाने से इन्कार करने पर बुआ की वाइपर से जमकर पिटाई की। सिर में गंभीर चोट लगने से महिला की मौत हो गई। शव की शिनाख्त सुमंती के रूप में हुई है। आरोपी ने नशे में होने की वजह बताकर पहले घटना को अंजाम देने से इन्कार किया और महिला के सीढ़ियों से गिरने से मौत की बात कही, लेकिन कड़ाई से पूछताछ करने पर उसने गुनाह कबूल कर लिया। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। उसकी पहचान झारखंड निवासी मनीष के रूप में हुई है। मनीष व सुमंती रावता मोड़ स्थित एक इमारत में केयरटेकर का काम करते थे। मकान मालिक अमेरिका में रहते हैं। पांच अगस्त की सुबह इनके पड़ोसी सोमवीर ने पुलिस को सूचना दी कि मनीष दरवाजा नहीं खोल रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। मनीष ने दरवाजा खोला। पुलिस ने घर की तलाशी ली तो कमरे में एक महिला मृत अवस्था में मिली जिसके सिर से खून निकल रहा था। मकान मालिक से बात करने पर पता चला कि मनीष ने सुबह फोन पर बताया कि वह सीढ़ी से गिर गई है। तलाशी के दौरान एक वाइपर मिला, जिसपर खून लगा हुआ था। मनीष ने पूछताछ में बताया कि वह 2023 से इस घर में केयरटेकर था। अकेलेपन से परेशान होकर उसने मालिक से कहकर सुमंती को झारखंड से बुला लिया। उसके बाद से दोनों साथ रह रहे थे। चार अगस्त रात को वह शराब पीकर आया। उसने सुमंती को खाना बनाने के लिए कहा। इंकार करने पर दोनों के बीच झगड़ा हो गया। गुस्से में उसने घर में रखा वाइपर उसके सिर पर मार दिया। इसके बाद सो गया। सराय रोहिल्ला में सोमवार शाम एक युवक का शव पेड़ पर फंदे से लटका मिला। मृतक की शिनाख्त गांव करीमपुर, आजमगढ़, यूपी निवासी मनोज (43) के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सब्जी मंडी मोर्चरी में सुरक्षित रखवा दिया है। शुरुआती जांच में पता चला कि शव चार-पांच दिन पुराना है। उसने आत्महत्या की या उसकी हत्या की, इस बात की पड़ताल की जा रही है। उत्तरी जिला के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सोमवार शाम करीब 6.00 बजे किसी राहगीर ने पुलिस को सूचना मिली कि कचरा पार्क, शाहजादा बाग, इंद्रलोक के पास जंगल में एक युवक का शव पेड़ से लटका हुआ है। मामले की सूचना मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए। क्राइम टीम और एफएसएल को मौके पर बुला लिया गया। शव बुरी तरह सड़ी-गली हालत में था। ऐसा लग रहा था कि युवक का शव फंदे पर चार से पांच दिन से लटक रहा है। पुलिस ने आसपास उसकी पहचान के प्रयास किए तो एक रिक्शा चालक सुशील ने मंगलवार को उसकी पहचान मनोज के रूप में की। हालांकि पुलिस मोबाइल व आधार कार्ड से उसकी पहचान पहले ही कर चुकी थी। सुशील ने बताया कि मनोज एरिया में रिक्शा चलाता था। पिछले कई दिनों से वह गायब था।

कुत्ते के हमले का सबसे ज्यादा शिकार बच्चे और युवा

नई दिल्ली। दिल्ली में कुत्ते के हमले का सबसे ज्यादा शिकार बच्चे और युवा होते हैं। अस्पतालों में कुत्तों के काटने पर रोजाना औसतन 1500 से अधिक लोग उपचार के लिए पहुंच रहे हैं। इसमें अकेले सफदरजंग अस्पताल में 700-800 लोग कुत्ते के काटने पर टीकाकरण के लिए आते हैं। जबकि दिल्ली के दूसरे अस्पतालों में प्रतिदिन 100-150 की तादाद में लोग कुत्ते के काटने पर उपचार के लिए आते हैं। इसमें नए और पुराने मामले भी शामिल हैं। डॉ. राम मनोहर लोहिया (आरएमएल) अस्पताल के एंटी रेबीज वैक्सीनेशन सेंटर के प्रभारी डॉ. देबाशीष परमार ने बताया, अस्पताल में रोजाना 150-200 लोग कुत्ते के काटने के बाद टीकाकरण के लिए आते हैं। इनमें ज्यादातर 14 साल से कम उम्र के बच्चे और युवा शामिल होते हैं। उन्होंने कहा, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कुत्ते के काटने पर एंटी रेबीज वैक्सीनेशन लगाने के लिए तीन पैमाने बनाए हैं। इसमें पहले चरण में अगर सिर्फ कुत्ते ने जीभ से चाटा है तो उस स्थिति में कोई वैक्सीनेशन नहीं होगा। दूसरी स्थिति में कुत्ते के काटने पर त्वचा पर खरोंच या काटे जाने का निशान है तो उस स्थिति में एंटी रेबीज वैक्सीनेशन लगेगा। तीसरी स्थिति में अगर कुत्ते के काटने से संबंधित जगह पर खून का रिसाव और जख्म हो गया है तो उसमें एंटी रेबीज वैक्सीनेशन और एंटी रेबीज सीरम लगाया जाएगा। वैक्सीनेशन देने के बाद संक्रमण से बचाव के लिए एंटीबॉडी बनती है। इसमें आठ से दस दिन लगते है। एंटी रेबीज सीरम घाव में डाला और लगाया जाता है। इसका तुरंत प्रभाव होता है। सीरम सिर्फ एक बार लगता है। जबकि एंटी रेबीज वैक्सीनेशन की चार डोज लगती है। पहली डोज शून्य से एक दिन के बीच में, दूसरे डोज शून्य से तीन दिन में, तीसरी डोज शून्य से सात दिन के अंदर और आखिरी डोज शून्य से 28 दिन की अवधि में लगती है। रेबीज से बचाव के लिए, सभी डोज जरूरी है। वरना वैक्सीनेशन अधूरा माना जाएगा और रेबीज होने की संभावना बनी रहेगी। अगर किसी को रेबीज होता है तो उसकी मौत निश्चित है। उन्होंने कहा कि अगर किसी को कोई पालतू कुत्ता भी काट ले तो उस स्थिति में भी एंटी रेबीज वैक्सीनेशन जरूरी है। इस संबंध में दिशा-निर्देश हैं। अक्सर लोग मानते हैं कि पालतू कुत्ते का टीकाकरण हो रखा है। लेकिन उस टीकाकरण की प्रतिरोधक क्षमता कितनी असरदार और किस गुणवत्ता का टीकाकरण कुत्ते का कराया गया वह जरूरी है। ऐसे में पालतू कुत्ते के काटने पर भी सौ फीसदी टीकाकरण सुनिश्चित करें। स्वामी दयानंद अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. ग्लैडबिन त्यागी ने बताया कि टीकाकरण के लिए अस्पताल में डॉग बाइट क्लीनिक बना है। इसमें रोजाना 150 के आसपास लोग टीकाकरण के लिए आते है। ज्यादातर लावारिस कुत्ते के काटने का शिकार होते हैं। कुत्ता काटने के 24 घंटे के अंदर टीकाकरण जरूरी है। कुत्ते के काटने पर हुए जख्म पर मिर्च और तेल बिल्कुल न लगाएं। लोकनायक अस्पताल की उप चिकित्सा अधीक्षक डॉ. रितु सक्सेना ने बताया, उनके यहां पर रोजाना 100-120 लोग एंटी रेबीज वैक्सीनेशन के लिए पहुंचते हैं। इसमें कुत्ते काटने के नए और पुराने मामले शामिल हैं। वैक्सीनेशन के लिए आने वालों में ज्यादातर बच्चे हैं। इसके अलावा युवा और बुजुर्ग भी आते हैं। अस्पताल में एंटी रेबीज सीरम लगाने की भी व्यवस्था है। वहीं रेबीज कुत्ता, बिल्ली, बंदर, लोमड़ी, शेर, चमगादड़, नेवला सहित दूसरे जंगली जीवों के काटने से भी होता है। सफदरजंग अस्पताल के एक अधिकारी ने बताया कि उनके अस्पताल में अगस्त महीने के पहले छह दिन में कुत्ते के काटने के करीब 4,659 लोग पहुंचे। इस वर्ष जनवरी से जुलाई के बीच में एंटी रेबीज वैक्सीन की लगभग 1,33,010 वैक्सीन डोज लगाई गई।

सच्ची स्वतंत्रता पाएं–संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

संपूर्ण भारत में स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त को मनाया जाता है। कई अन्य देश भी विभिन्न तिथियों पर स्वतंत्रता दिवस मनाते हैं। जहाँ सांसारिक अर्थ में स्वतंत्रता का मतलब होता है, वह दिन जब एक देश किसी दूसरे देश के नियंत्रण से आज़ाद हुआ था। इसी प्रकार जब हम आध्यात्मिक स्वतंत्रता की ओर ध्यान देते हैं तो हमें अपने धर्मग्रंथों में इसका जिक्र मिलता है। इस दुनिया में आए सभी संतों-महापुरुषों ने हमें सिखाया है कि जब से हमारी आत्मा पिता-परमेश्वर से अलग हुई है, तब से वह इस माया की दुनिया में बंधक बनी हुई है। जब हम इस संसार में आते हैं तो हम अपने आपको केवल शरीर ही समझते हैं और मन-इंद्रियों के घाट पर ही अपना जीवन जीते हैं। हमें कभी यह ख्याल ही नहीं आता कि हम यह शरीर नहीं बल्कि एक आत्मा हैं, जोकि पिता-परमेश्वर का अंश है। जब हम किसी पूर्ण सतगुरु के चरण-कमलों में पहुँचते हैं तो वो हमें समझाते हैं कि हमारी आत्मा, जोकि प्रकाश, प्रेम, और शांति से भरपूर है लेकिन हमारा ध्यान अंदरूनी संसार के बजाय हर वक़्त बाहरी संसार में ही लगा रहता है। हम अपने मन की इच्छाओं के ज़रिये अपने ऊपर पड़े मन-माया के पर्दों को बढ़ाते रहते हैं, जिससे हम दिन-ब-दिन काम, क्रोध, लोभ, मोह, और अहंकार में फंसते चले जाते हैं। युगों-युगों से संत-महापुरुष इन मन-माया के पर्दों को उतारकर ध्यान-अभ्यास के द्वारा स्वयं को जानने और पिता-परमेश्वर का अनुभव करने में सफल रहे हैं। जिसे आज के आधुनिक युग में मेडिटेशन, मौन प्रार्थना, या अंतर्मुख होना भी कहा जाता है। वे हमें बताते हैं कि हमारी आत्मा को सच्ची आज़ादी तभी मिलती है, जब हम शांत अवस्था में बैठते हैं, अपनी आँखें बंद करते हैं, और अपने ध्यान को अंतर में केंद्रित कर प्रभु की ज्योति का अनुभव प्राप्त करते हैं। यदि हम अपनी आत्मा को ढकने वाली मन-माया की पर्तों को हटाने में सफल हो जाएं, तो हम अपने सच्चे आत्मिक स्वरूप को अवश्य देख पाएंगे जोकि प्रभु की दिव्य-ज्योति से भरपूर है। जब हमारी आत्मा शरीर और मन की क़ैद से मुक्त हो जाती है, तो वो इस बाहरी संसार की समय व स्थान की सीमाओं से ऊपर उठकर अपने सच्चे अनंत अस्तित्व को पहचानने लगती है, तथा इस भौतिक मंडल से परे के आध्यात्मिक मंडलों की खुशियों व आनंद का अनुभव करने लगती है। यह आध्यात्मिक यात्रा तब शुरू होती है जब हम अपने अंतर में पिता-परमेश्वर की ज्योति और श्रुति के साथ जुड़ते हैं। धीरे-धीरे हमारी आत्मा पिंड, अंड, ब्रह्मंड, और पारब्रह्म के रूहानी मंडलों से गुज़रते हुए अपने निजधाम सचखंड वापिस पहुँच जाती है। वहाँ हम अपनी आत्मा को उसकी निरोल अवस्था में देख पाते हैं और अनुभव करते हैं कि वो परमात्मा का ही अंश है। वहाँ हमारी आत्मा फिर से अपने स्रोत परमात्मा में लीन हो जाती है तथा कभी न खत्म होने वाली खुशियों, परमानंद, और प्रेम से भरपूर हो जाती है। तो बाहरी स्वतंत्रता दिवस मनाने के साथ-साथ हमें आत्मिक स्वतंत्रता प्राप्त करने की भी कोशिश करनी चाहिए। उसके लिए हमें ध्यान-अभ्यास के द्वारा अपने अंतर में पिता-परमेश्वर के आंतरिक प्रकाश और ध्वनि पर ध्यान केंद्रित करना होगा। हमारे भीतर आत्मा की अपार शक्ति और ऊर्जा मौजूद है। आत्मा के अंदर विवेक, निर्भयता, अमरता, अनंत प्रेम और परमानंद के महान गुण हैं। एक पूर्ण सतगुरु की सहायता से जब हमारी आत्मा पिता-परमेश्वर की अनंत शक्ति के साथ जुड़ती है तो वह मन-माया के बंधनों से आजाद होकर सच्ची स्वतंत्रता प्राप्त करती है।

डूसू चुनाव लड़ने के लिए एक लाख के बॉन्ड का आदेश तुगलकी

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) चुनाव लड़ने के लिए उम्मीदवारों को एक लाख बॉन्ड भरने के प्रावधान का विरोध बढ़ता जा रहा है। एनएसयूआई और एबीवीपी के विरोध के बाद अब आम आदमी पार्टी की छात्र इकाई एसोसिएशन ऑफ स्टूडेंट्स फॉर अल्टरनेटिव पॉलिटिक्स (एसैप) ने इस आदेश पर विरोध जताया है। एसैप का कहना है कि डीयू प्रशासन का यह आदेश तुगलकी है। प्रशासन इस फरमान के जरिये मिडिल क्लास छात्रों को चुनाव से दूर रखने की साजिश कर रहा है। वहीं, छात्र संगठन इनसो ने भी डूसू चुनाव समिति अधिकारियों से मुलाकात पर इस प्रावधान के विरोध में ज्ञापन दिया। एसैप ने डीयू प्रशासन और वाइस चांसलर से इस आदेश पर विचार करने की मांग की। साथ ही कहा है कि अगर यह आदेश वापस नहीं लिया जाता है तो एसैप छात्रों के साथ विरोध प्रदर्शन करेगा। एसैप के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष कुलदीप बिधुड़ी ने पार्टी मुख्यालय पर प्रेसवार्ता कर कहा कि यह फरमान सीधे तौर पर मध्यम वर्ग के छात्रों को चुनाव लड़ने से रोकने की एक साजिश है। बिधुड़ी ने कहा कि इस फरमान से वही छात्र चुनाव लड़ पाएंगे जिनके पास पैसा होगा। एसैप के दिल्ली प्रदेश उपाध्यक्ष पाश शेरवानी ने कहा कि हम छात्रों के साथ खड़े हैं। ए वहीं, इनसो के प्रदेश अध्यक्ष अंकुर धामा ने डूसू चुनाव अधिकारी से मुलाकात कर एक लाख के बांड भर कर चुनाव लड़ने वाले प्रावधान के विरोध में ज्ञापन दिया। उन्होंने कहा कि इस प्रावधान से गरीब किसान का बच्चा चुनाव लड़ने से वंचित रह जाएगा। एबीवीपी ने भी बुधवार को एक लाख रुपये बॉन्ड भरने के प्रावधान को तत्काल वापस लेने के संदर्भ में ज्ञापन सौंपा और इसे तत्काल वापस लेने की मांग की। एबीवीपी दिल्ली प्रदेश मंत्री सार्थक शर्मा ने कहा कि चुनाव लड़ने के लिए एक लाख रुपये का बॉन्ड भरवाना ना केवल अलोकतांत्रिक है बल्कि चुनाव को केवल अमीर वर्ग के छात्रों तक सीमित करने का एक प्रयास है।

56 वर्षीय महिला के गर्भाशय से निकाला 18.5 किलोग्राम का ट्यूमर

नई दिल्ली। दिल्ली के नामी निजी अस्पताल में 56 वर्षीय महिला के गर्भाशय से सफलतापूर्वक 18.5 किलोग्राम ट्यूमर निकाला गया। इस ट्यूमर के कारण महिला को कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। ट्यूमर के कारण आसपास के अंगों पर दबाव पड़ रहा था। इससे महिला को चलने-फिरने में भी मुश्किल थी। महिला को फाइब्रॉइड (गर्भाशय में होने वाली गैर-कैंसरकारी गांठे) की समस्या था। महिला की सर्जरी अस्पताल के प्रसूति एवं स्त्री रोग एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जरी विभाग प्रमुख डॉ. दिनेश कंसल के नेतृत्व में की गई। डॉ. दिनेश कंसल ने कहा कि मरीज के गर्भाशय में बहुत बड़ा ट्यूमर था। इस कारण गर्भाशय बढ़कर आंतों, ब्लैडर व यूरेटर जैसे आसपास के अन्य अंगों को दबाने लगा था। इंटर्नल एनाटॉमी गंभीर रूप से प्रभावित हो गई थी। महत्वपूर्ण अंग फाइब्रॉइड से चिपके हुए थे। पहले हुई सर्जरी के कारण मरीज के शरीर के अंदर कुछ घाव भी थे। जिससे यह सर्जरी और भी जटिल हो गई थी। यह ऑपरेशन कई घंटों तक चला। ऑपरेशन के बाद चौथे दिन महिला को छुट्टी दे दी गई। अस्पताल की प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग की डॉ. सुप्रिया महिपाल ने कहा कि इस मामले में सिर्फ तकनीकी कौशल की नहीं बल्कि लगातार स्थिति के अनुरूप निर्णय लेने की भी जरूरत थी। न्यूनतम मुश्किलों के साथ सभी चुनौतियों को सफलतापूर्वक पार करना ही इस सर्जरी को सही मायनों में खास बनाता है।

निर्माण और विध्वंस से निकलने वाला मलबा बन रहा है गंभीर चुनौती

नई दिल्ली। राजधानी में कूड़े की तरह ही निर्माण और विध्वंस से निकलने वाला मलबा भी गंभीर चुनौती बनता जा रहा है। एमसीडी के पास फिलहाल इतनी क्षमता नहीं है कि वह प्रतिदिन निकलने वाले पूरे मलबे का निपटान कर सके। परिणामस्वरूप, सड़कों के किनारे, नालों और खाली जमीनों पर मलबे के ढेर आम नजारा बन चुके हैं। आंकड़े बताते हैं कि राजधानी में रोजाना करीब 6000 टन कंस्ट्रक्शन एंड डिमोलिशन (सीएंडडी) वेस्ट यानी मलबा निकलता है लेकिन एमसीडी की निस्तारण की क्षमता 5000 टन प्रति दिन तक ही सीमित है। इससे करीब 20 प्रतिशत मलबा बिना प्रोसेस हुए रह जाता है। आलम यह है कि मलबा नालों को जाम करता है। धूल प्रदूषण बढ़ाकर निर्माण स्थलों के आसपास सफाई को प्रभावित करता है। इस समस्या को देखते हुए एमसीडी ने क्षमता विस्तार का रोडमैप तैयार किया है। इसके तहत ओखला के सेनेटरी लैंडफिल पर आठ एकड़ भूमि में 1,000 टन प्रतिदिन क्षमता का नया सीएंडडी प्लांट प्रस्तावित है। इसके दिसंबर 2026 तक इसके शुरू होने की संभावना है। इसके चालू होने के बाद कुल प्रोसेसिंग क्षमता 6,000 टन प्रतिदिन हो जाएगी जो मौजूदा जरूरत के बराबर होगी। एमसीडी ने 106 सीएंडडी डंपिंग साइट जनता के लिए निर्धारित हैं। वहीं, 300 टन प्रतिदिन से अधिक कचरा उत्पन्न करने वाले बड़े उत्पादकों को सीधे प्रोसेसिंग प्लांट पर कचरा पहुंचाने का निर्देश है लेकिन कई ठेकेदार निर्धारित साइटों की जगह मलबा खुले में डाल देते हैं जिससे सड़क किनारे गंदगी और वायु प्रदूषण बढ़ता है। एमसीडी के अधिकारियों का कहना है कि नया संयंत्र समय पर शुरू होने और डंपिंग साइटों का सही इस्तेमाल होने पर दिल्ली में मलबा प्रबंधन की स्थिति में बड़ा बदलाव संभव है। रिसाइकल उत्पादों के व्यापक इस्तेमाल से न केवल पर्यावरण को फायदा होगा बल्कि निर्माण लागत में भी कमी आएगी।

अधिवक्ता ने चार मंजिला ऊंची इमारत से कूद कर दी जान

नई दिल्ली। लाजपत नगर में मंगलवार दोपहर अधिवक्ता फागुन कालरा (33) ने चार मंजिला इमारत की छत से कूदकर आत्महत्या कर ली। लाजपत नगर में ही रहने वाले अधिवक्ता विवाहित थे। मूलरूप से वह चंडीगढ़ के रहने वाले थे। पुलिस को उनकी जेब से एक सुसाइड नोट बरामद हुआ है जिसमें किसी को जिम्मेदार नहीं ठहराया है। शुरुआती जांच में पता लगा है कि अवसाद (डिप्रेशन) में होने की वजह से उन्होंने खुदकुशी जैसा कदम उठाया है। दक्षिण-पश्चिमी जिला पुलिस उपायुक्त डॉ. हेमंत तिवारी ने बताया कि मंगलवार दोपहर करीब 1:20 बजे लाजपत नगर थाने में पीसीआर कॉल मिली कि कोई व्यक्ति छत से गिर गया है। लाजपत नगर थानाध्यक्ष पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। वहां पर फागुन कालरा सड़क पर खून से लथपथ हालत में मिले। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि चौथी मंजिल से कूदने से उनकी मौत पर ही मौत हो गई थी। उनकी पत्नी ने नोट में लिखावट को प्रारंभिक तौर पर पहचान लिया है। पुलिस ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए एम्स ट्रॉमा सेंटर भेजा गया है। मौके पर क्राइम टीम और फॉरेंसिक विशेषज्ञों ने जांच की और मामले में संबंधित धाराओं के तहत कानूनी कार्यवाही की जा रही है।

देश में एशियाई शेरों की संख्या बढ़ी, पांच साल में 32 प्रतिशत बढ़े

नई दिल्ली। भारत में एशियाई शेरों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। सरकार ने रविवार को विश्व शेर दिवस पर 16वीं शेर जनसंख्या रिपोर्ट जारी की। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि बीते पांच वर्षों में देश में एशियाई शेरों की संख्या में 32 प्रतिशत की तेजी आई है। जिसके बाद देश में एशियाई शेरों की संख्या बढ़कर 891 हो गई है। रिपोर्ट के अनुसार, बारदा वाइल्डलाइफ सेंचुरी, जेतपुर और आसपास के इलाकों में, बाबरा जसदान और आसपास के इलाकों समेत कुल नौ स्थानों पर एशियाई शेरों की संख्या 497 पाई गई है। वहीं पहली बार कॉरिडोर इलाके में 22 एशियाई शेर पाए गए हैं। सैटेलाइट की मदद से यह गिनती की गई है। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि भारत को एशियाई शेरों का घर होने में बेहद गर्व है। बीते कुछ वर्षों में देश में शेरों की संख्या में इजाफा हुआ है। साल 2015 में जहां 523 शेर थे, वहीं 2025 में इनकी संख्या बढ़कर 891 हो गई है। हमें इस मामले में जबरदस्त सफलता मिली है। वर्ल्ड लायन डे पर हम अपने शेरों को बचाने का प्रण लेते हैं। बीते एक दशक में देश में शेरों की संख्या 70 प्रतिशत बढ़ी है। गुजरात के अमरेली में अभी सबसे एशियाई शेर हैं, जिनमें करीब 82 व्यस्क नर और 117 व्यस्क मादा शेर और 79 शावक शामिल हैं। मितियाला वाइल्डलाइफ सेंचुरी में शेरों की संख्या में सबसे ज्यादा तेजी आई है, उसके बाद भावनगर मेनलैंड और दक्षिणी पूर्वी तट शामिल हैं। हालांकि कुछ इलाकों में शेरों की संख्या में कमी भी आई है, जिनमें गिरनार वाइल्ड लाइफ सेंचुरी और भावनगर तट के इलाके शामिल हैं।

ठगी का नया तरीका- माई बॉस स्कैम, सीए और एकाउंटेंट निशाने पर

नई दिल्ली। किसी कंपनी का मालिक अपने सीनियर कर्मचारी, सीए व एकाउटेंट को संदेश भेजता है कि उसे अचानक एक डील के लिए पैसे की जरूरत है। सीए या एकाउटेंट मालिक के संदेश को देखकर उसे मोटी रकम भेज देता है लेकिन जब वह मालिक से बात करता है तो पता लगा है कि मालिक ने ऐसा कोई संदेश ही नहीं भेजा। जालसाज ठगी कर चुका है। ये कोई फिल्मी कहानी नहीं बल्कि जालसाजों ने ठगी का नया तरीका ईजाद किया है। डिजिटल अरेस्ट व शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर ठगी के बाद अब माई बॉस स्कैम ठगी का नया तरीका है। हाल ही में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की इंटेलिजेंस फ्यूजन एंड स्ट्रैटेजिक ऑपरेशंस (आईएफएसओ) यूनिट में माई बॉस स्कैम के कई मामले दर्ज किए गए हैं। इसी तरह के मामले में एक एफआईआर 142/25 दर्ज की गई है। एफआईआर के मुताबिक विज्ञापनों को रेटिंग देने वाली एक बड़ी कंपनी जिसका सालाना टर्नओवर 200 से 250 रुपये करोड़ है। कंपनी के सीए राजीव के पास निदेशक सूरज कुमार मलिक बनकर किसी का संदेश आया कि ये मेरा मोबाइल नंबर है, इसे सेव कर लो। सीए राजीव कुमार ने नंबर अपने मोबाइल में सेव कर लिया। अगले दिन राजीव के पास फिर उस कथित सूरज कुमार मलिक ने संदेश भेजकर राजीव से पूछा कि तुम कहां हो। सीए ने कहा कि वह ऑफिस जा रहा है। इसके बाद निदेशक मलिक ने सीए से कहा कि वह जल्द ही ऑफिस पहुंचे। कुछ देर बाद राजीव के पास कथित निदेशक का फिर मैसेज आया कि वह एक बैठक में है और एक डील होने वाली है। उसे तुरंत 98 लाख से एक करोड़ रुपये की जरूरत है। सीए ने तुरंत 98 लाख रुपये सूरज मलिक को भेज दी। कुछ देर बाद सूरज मलिक ने दूसरी डील के लिए फिर दो करोड़ मांगे। इस पर सीए राजीव को कुछ संदेह हुआ और मालिक सीईओ बीके बजाज से बात की तो पता लगा कि उनके साथ ठगी की जा रही है। किसी ने उनके साथ निदेशक सूरज कुमार मलिक बनकर जालसाजी की। आईएफएसओ के एक अधिकारी ने बताया कि आईएफएसओ ने जब इस मामले की जांच की तो पता लगा कि मोबाइल की आईपी एड्रेस कंबोडिया का था। ठगी के 98 लाख रुपये 40 बैंक खातों में गए थे। पुलिस एक खाते की जांच करते हुए नांगलोई पहुंची तो एक बैंक खाता फर्जी आईडी व पते पर नौकरानी का काम करने वाली महिला के नाम था। महिला के बैंक खाते में चार लाख रुपये गए थे। महिला को पाबंद किया गया। उसने बताया कि उसका बैंक खाता गाजियाबाद के अनिल ने खुलवाया था। पुलिस ने अनिल का पता किया तो पता लगा कि पंजाब पुलिस ठगी के मामले में उसे पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस ने एक असम के रहने वाले एक बैंक खाता धारक की पहचान कर चुकी है। इस मामले की जांच की जा रही है। जालसाजों ने माई बॉस स्कैम ठगी का नया तरीका ईजाद किया है। इस तरह के अभी ज्यादा केस तो नहीं है पर केस आने लगे हैं। आईएफएसओ में ठगी की बड़ी रकम के मामले दर्ज होते हैं। कई मामले हाल ही में माई बॉस स्कैम के दर्ज हुए हैं।

PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that our client Mrs. Seema W/o Mr. Manoj Kumar is the owner of Freehold Residential Built up First floor & Second Floor area measuring 50 Sq. Yds., Built on Property Bearing No. 156-A, Out of Khasra No. 549, Situated at Village Sultanpur Lal Dora Abadi, Tehsil Hauz Khas, Mehrauli, New Delhi-110030. by virtue of Sale Deed dated 11.07.2011 duly registered in the office of SR V, New Delhi, as Doc No. 10608, Book No. 01, Vol No. 11293, Page Nos. 74-82, Dated 11.07.2011., initially Relinquishment Deed dated 03.12.2008 title flow not mentioned. now our client is declaring that that any other Person does not have any right over the said property, and Second Floor sold too be Mr. Nagender Kumar Ojha and same has been finance by ICICI Home Finance Co. Ltd. Branch: Karol Bagh, Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, VINOD KUMAR S/o BHULLAN SINGH R/o 1/5850/2, Gali No-2 Near Tikona Park East Rohtash Nagar Shahdara North East Delhi, Delhi-110032, declare that name of mine and my father have been wrongly written as SHRI VINOD and SHRI BHULLAN in my service record. The actual name of mine and my father are VINOD KUMAR and BHULLAN SINGH respectively, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, SUNIL KUMAR S/o RAJESH KUMAR R/o H. No-D-49 New Light Colony, Road No-64, Near Mother Dairy, Tahir Pur, East Delhi, Delhi-110095, declare that name of mine and my father have been wrongly written as SHRI SUNIL and SHRI RAJESH in my service record. The actual name of mine and my father are SUNIL KUMAR and RAJESH KUMAR respectively, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, MAHENDER SINGH S/o JAGDISH R/o E-4/218, Nand Nagri, North East Delhi, Delhi-110093, declare that name of mine and my father have been wrongly written as SHRI MAHENDER and SHRI JAGDISH in my service record. The actual name of mine and my father are MAHENDER SINGH and JAGDISH respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, NO-14838060W Rank-HAV/MT Name ANAND KUMAR SINGH residing at VILL-BARZI, PO-NAYEPUR CHOUMUHANI, TEHSIL-PINDRA, DIST-VARANASI, UTTAR PRADESH-221207 have changed my minor daughter's name from ADITY SINGH to ADITI SINGH for all future purposes vide affidavit dated 14/08/2025 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, YAKUTA LUKMANI W/O SHABBIR CHUDIWALA residing at H NO-199, 2ND FLOOR, BANK ENCLAVE, LAXMI NAGAR, DELHI-110092 have changed my name to YAKUTA CHUDIWALA for all future purpose.

NAME CHANGE

I, ULLA SETHI Father of No-14448963N Rank-HAV Name-ROHITA SETHI Presently residing at GOUTAMI, GANJAM, ODISHA-761054, have changed my name from ULLA SETHI to ULA SETHI for all future purposes vide Affidavit dated 14/08/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, AVTAR SINGH BHATIA / AVTAR S/O GURCHARN SINGH BHATIA residing at H NO.2E/111, WARD NO-11, NH-2, FARIDABAD, HARYANA-121001 have changed my name to AVTAR SINGH for all future purpose.

NAME CHANGE

I BHURA KHAN S/O CHIMAN KHAN R/O HOUSE NO.51 GALI NO 1 NEW AZZI COLONY BALLABGARH FARIDABAD HARYANA -121004 HAVE CHANGED MY NAME TO BHURE KHAN

PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that our client Smt. Bimla Devi Sharma is the owner of Freehold Residential Third Floor with roof rights, admeasuring 113 sq. yds. of Property No. WZ-153A/1 (WZ-153A), built on Plot No. VS-17/1 & AVS-21/1, out of Khasra No. 789, Situated in the area of Village Tihar, Colony Known as Virender Nagar, New Delhi. by virtue of Gift Deed dated 05.08.2024 vide Doc No. 2024/25/I/21244, in Book No. I, Vol No. 12223, on Pages No. 153 to 176, on this dated 05.08.2024, SR-West Janakpuri, in the chain Document below mentioned document not available i.e. (1) Death Certificate & SMC of Late Sh. Sat Narain died on 20.06.1992, (2) Death Certificate & SMC of Late Smt. Shanta Sharma died on 11.10.2008, (3) Death Certificate & SMC of Late Sh. Narinder Kumar Sharma died on 13.07.2009 now our client is declaring that that any other Person does not have any right over the said property, and same property sold too be Ashima Arora and same has been finance by Piramal Capital & Housing Finance Ltd. Branch: Pitampura Delhi. . If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

NAME CHANGE

I, JC-783779K Rank-NB SUB Name-GAWALE RAKESH HILAL residing at VILL-AKLAD, PO-MORANE PR-NER, TEHSIL& DIST-DHULE, MAHARASHTRA-424302, have changed my mother's name from GAWALE MANJULA to MANJULA HILAL MALI for all future purposes vide affidavit dated 14/08/2025 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

JC-783779K Rank-NB SUB Name-GAWALE RAKESH HILAL residing at VILL-AKLAD, PO-MORANE PR-NER, TEHSIL& DIST-DHULE, MAHARASHTRA-424302, have changed my father's name from GAWALE HILAL BHANJI to HILAL BHANJI MALI for all future purposes vide affidavit dated 14/08/2025 before Notary Public Delhi.

DATE OF BIRTH CHANGE

I, JC-783779K Rank-NB SUB Name-GAWALE RAKESH HILAL residing at VILL-AKLAD, PO-MORANE PR-NER, TEHSIL& DIST-DHULE, MAHARASHTRA-424302, in my service records my mother's (MANJULA HILAL MALI) date of birth wrongly mentioned as 01/07/1954 instead of her correct date of birth as 01/01/1955 vide Affidavit dated 26/06/2025 before Notary Public, Delhi.

DATE OF BIRTH CHANGE

I, JC-783779K Rank-NB SUB Name-GAWALE RAKESH HILAL residing at VILL-AKLAD, PO-MORANE PR-NER, TEHSIL& DIST-DHULE, MAHARASHTRA-424302, in my service records my father's (HILAL BHANJI MALI) date of birth wrongly mentioned as 01/07/1943 instead of his correct date of birth as 01/06/1945 vide Affidavit dated 26/06/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, YUNUS S/O MOHD JAMIL residing at B-7/53 DDA FLATS INDER LOK DELHI - 110035 have changed my name to MOHD YUNUS for all future purpose.

NAME CHANGE

I, MD NAEEM S/O MOHAMMAD IBRAHIM residing at 416 SHAHZADA BAGH PH-1 INDER LOK DELHI - 110035 have changed my name to MOHAMMAD NAEEM for all future purpose.

NAME CHANGE

I, DEEPIKA BHANDARI W/o ROSHAN SINGH R/o H N. 1201, Tower-N8, Royal Nest, Greater Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201308, have changed the name of my minor son VANSH BHANDARI aged 13 years and he shall hereafter be known as DARSHIT BHANDARI.

NAME CHANGE

I, AMRITA W/o AMIT KUMAR R/o H.No- H-160, H-Block Gali No-3, Sunder Nagri, Nand Nagri, North Delhi-110093, have changed my name and shall hereafter be known as AMRAWATI SAROJ.

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

स्वतंत्रता दिवस समारोह को लेकर हुई फुल ड्रेस रिहर्सल

एजेंसी

सिरसा। स्वतंत्रता दिवस समारोह को लेकर सिरसा के शहीद भगत सिंह स्टेडियम में फुल ड्रेस रिहर्सल का आयोजन किया गया। उपायुक्त शांतनु शर्मा ने बताया कि जिला में स्वतंत्रता दिवस समारोह धूमधाम से मनाने के लिए तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। जिला व उपमंडल स्तर पर आयोजित किए जाने वाले स्वतंत्रता दिवस समारोह में मार्च पास्ट, पीटी शो, डंबल-लेजियम, देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले राज्यमंत्री राजेश नागर बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे। इसके अलावा उपमंडल स्तर पर संबंधित एसडीएम ध्वजारोहण करेंगे। हुई फुल ड्रेस रिहर्सल में अतिरिक्त उपायुक्त विरेंद्र सहरावत ने मार्च पास्ट की सलामी ली। इससे पहले एडीसी व एसपी डा. मयंक गुप्ता ने शहीदी स्मारक व स्वतंत्रता सेनानी स्मारक पर पहुंच कर शहीदों को नमन किया। इस दौरान उनके साथ एसडीएम राजेंद्र कुमार व अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। इसके अलावा उपमंडल स्तर पर फुल ड्रेस रिहर्सल का आयोजन किया गया, जिनमें देश भक्ति और विभिन्न राज्यों की संस्कृति की झलक देखने को मिली। उपमंडल स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह डबवाली में गुरु गोबिंद सिंह खेल स्टेडियम, ऐलनाबाद में राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय व कालांवाली में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में मनाया जाएगा।

नागरिक अस्पताल में लोगों को मिली अल्ट्रासाउंड की सुविधा

जींद। नागरिक अस्पताल में बुधवार से अल्ट्रासाउंड की सुविधा शुरू हो गई है। इस मशीन नई बिल्डिंग के प्रथम तल पर रखवाया गया है और गर्भवती महिलाओं के लिए ही सुविधा उपलब्ध होगी। बाद में इसे सभी जरूरतमंदों के लिए शुरू किया जाएगा। नागरिक अस्पताल की सीएमओ डा. सुमन कोहली ने बताया कि रेडियोलॉजिस्ट डेपुटेशन पर मिला है और बुधवार से यह अल्ट्रासाउंड शुरू कर दिए गए हैं। गौरतलब है कि नागरिक अस्पताल में रेडियोलॉजिस्ट न होने के चलते अल्ट्रासाउंड मशीन पिछले दस साल से बंद है। इसका कारण है कि नागरिक अस्पताल में रेडियोलॉजिस्ट नहीं होना रहा। जिसके चलते मरीजों को परेशानी होती थी। लोगों को बाहर निजी रेडियोलॉजिस्ट से महंगे दामों पर अल्ट्रासाउंड करवाना पड़ रहा है। इस पद को भरने के लिए स्वास्थ्य विभाग लगातार उच्च अधिकारियों से रेडियोलॉजिस्ट के लिए पत्राचार कर रहा था लेकिन ऐसा संभव नही हो पा रहा था। 14 लाख की आबादी के जिले में किसी भी सरकारी अस्पताल में 10 साल से मरीजों के अल्ट्रासाउंड करने की सुविधा नही है। वर्ष 2016 में यहां से रेडियोलॉजी विशेषज्ञ का पद खाली पड़ा है।इससे पहले रेडियोलाजिस्ट डा. मजुला डिप्टी सिविल सर्जन के पद पर कार्यरत थी लेकिन प्रशासनिक कार्य होने के चलते वह अल्ट्रासाउंड करने के लिए समय नहीं दे पाती थी।

विकसित भारत के सपने को साकार करेगा प्रजापत समाज:सांसद नवीन जिंदल

सोनीपत। सोनीपत में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में कुम्हार/प्रजापत समाज के 4208 लाभार्थियों को पात्रता-प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस पहल का उद्देश्य पारंपरिक मिट्टी के बर्तन उद्योग को पुनर्जीवित कर आर्थिक मजबूती देना है। मुरथल स्थित दीनबंधु छोटूराम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में जिला स्तरीय पात्रता-प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे कुरुक्षेत्र से सांसद नवीन जिंदल ने कुम्हार/प्रजापत समाज को उनकी कला, परिश्रम और रचनात्मकता के लिए सराहा। उन्होंने कहा कि यह प्रमाण पत्र सिर्फ कागज का टुकड़ा नहीं, बल्कि सशक्तिकरण, पहचान और सम्मान का प्रतीक है। सांसद जिंदल ने बताया कि हरियाणा सरकार ने इस समाज के ठप पड़े कार्य को दोबारा शुरू कर उन्हें मजबूती देने का काम किया है। उन्होंने कहा कि हाथों के कौशल से मिट्टी को सोना बनाने का हुनर इस समाज के पास है और यह आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि सरकार ने पंचायती जमीन पर मिट्टी के बर्तन बनाने और पकाने के लिए पात्रता-प्रमाण पत्र जारी करने का निर्णय लिया है।

छात्राओं ने निकाली नशा मुक्ति और देशभक्ति की चेतना रैली

सोनीपत। जैन गर्ल्स पीजी कॉलेज गन्नौर की छात्राओं ने नशा मुक्त भारत अभियान के तहत देश भक्ति और जागरूकता का संदेश देने के लिए विशाल चेतना रैली निकाली। तिरंगा यात्रा के साथ हुई इस रैली में 650 से अधिक छात्राओं और शिक्षकों ने जोश और उत्साह के साथ भाग लिया। गन्नौर में नशा मुक्त भारत अभियान के तहत चेतना रैली और तिरंगा यात्रा कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं और आमजन में देशभक्ति की भावना जगाना और नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाना था। रैली को गन्नौर बस स्टैंड से ट्रैफिक इंचार्ज व पूर्व भारत केसरी पहलवान इंस्पेक्टर सोहन बांध, कॉलेज प्राचार्य डॉ. मनोज कुमार और डायरेक्टर भूषण भाटिया ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में शामिल सभी प्रतिभागियों ने नशा न करने की शपथ ली। अपने संबोधन में इंस्पेक्टर सोहन बांध ने कहा कि राष्ट्र निर्माण में युवाओं की अहम भूमिका होती है और नशामुक्त युवा ही सशक्त भारत का निर्माण कर सकता है।

हरियाणा में प्रजापति समाज को मिली नई पहचान व कानूनी मजबूती

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रजापति समाज से आह्वान किया कि वे अपनी पारंपरिक कला को आधुनिक तकनीक से जोड़ते हुए उसे और सशक्त बनाएं। साथ ही सरकारी योजनाओं का लाभ उठाते हुए नई तकनीकों को अपनाकर एवं अपने उत्पादों की गुणवत्ता एवं आकर्षण बढ़ाकर बाजार की मांग के अनुरूप कार्य करते हुए आगे बढ़ें। मुख्यमंत्री कुरुक्षेत्र में प्रजापति समाज के परिवारों को पात्रता प्रमाण पत्र वितरण हेतु आयोजित एक राज्य स्तरीय समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने योजना के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र सौंपे। यह कार्यक्रम प्रदेश के सभी 22 जिलों में एक साथ आयोजित किया गया, जिसमें लगभग 1,00,000 परिवारों को भूमि पात्रता प्रमाण पत्र प्रदान

किए गए। योजना के तहत लगभग 1,700 गांवों में प्रजापति समाज को मिट्टी खुदाई का सामूहिक अधिकार देने हेतु पात्रता प्रमाण पत्र जारी किए गए। यह प्रमाण पत्र ग्राम शामलात भूमि नियमावली 1964 के अंतर्गत प्रदान किए गए हैं। यह न केवल भूमि के उपयोग का अधिकार देते हैं, बल्कि प्रजापति समाज के लोगों को अपने कार्य को निर्बाध रूप से संचालित करने की कानूनी शक्ति भी प्रदान करते हैं। इन प्रमाण पत्रों के माध्यम से प्रजापति समाज के लोगों को अपनी कला को नई दिशा देने का अवसर मिलेगा, उनके सपनों को नए पंख लगेंगे और अब उन्हें अपने उत्पाद निर्माण के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। उल्लेखनीय है कि गत 13 जुलाई को भिवानी में आयोजित दक्ष प्रजापति जयंती समारोह में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रजापति समाज को भूमि पात्रता प्रमाण पत्र प्रदान करने का संकल्प लिया था, जिसे मात्र एक माह के भीतर पूरा किया गया है। यह राज्य सरकार की कार्यशैली का प्रमाण है, जिसमें कथनी और करनी में कोई अंतर नहीं है। उन्होंने कहा कि पहले प्रत्येक गांव में प्रजापति समाज के लिए मिट्टी लेने हेतु पर्याप्त भूमि उपलब्ध होती थी, लेकिन पूर्ववर्ती सरकारों ने इस ओर ध्यान नहीं दिया। कांग्रेस शासनकाल में तो प्रजापति समाज के कार्यस्थलों पर कब्जे तक कर लिए गए।

नारनौल आईटीआई में सैंकड़ों लोगों ने ली नशे से दूर रहने की शपथ

एजेंसी

नारनौल। 'नशा मुक्त भारत अभियान' के पांच साल पूरे होने के उपलक्ष्य में नारनौल के स्थानीय आईटीआई मैदान में एक विशाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर सैंकड़ों नागरिकों ने एक साथ नशा मुक्त जीवन जीने की शपथ ली। उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने बताया कि यह अभियान 31 अगस्त तक जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि जिले के सभी सामाजिक संगठन, संस्थाएं और सरकारी विभाग अपने-अपने

स्तर पर विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं ताकि अधिक से अधिक लोगों को इस अभियान से जोड़ा जा सके। जिला समाज कल्याण अधिकारी अमित शर्मा ने सभी नागरिकों से अपील की कि वे इस मुहिम का हिस्सा बनें। उन्होंने बताया कि कोई भी नागरिक सेवा विभाग की वेबसाइट पर दिए गए लिंक पर क्लिक करके अपना शपथ पत्र आसानी से डाउनलोड कर सकता है। यह शपथ पत्र लोगों को नशे से दूर रहने के उनके संकल्प की याद दिलाएगा। इस पहल का उद्देश्य युवाओं और समाज के अन्य वर्गों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करना और उन्हें एक स्वस्थ तथा नशामुक्त जीवन जीने के लिए प्रेरित करना है। इस तरह के कार्यक्रम समाज में सकारात्मक बदलाव लाने और एक मजबूत राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस मौके पर अतिरिक्त उपायुक्त सुशील कुमार, एसडीएम अनिरुद्ध यादव तथा नगराधीश डॉ मंगलसेन के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

शहीदों की शहादत की बदौलत ले रहे खुली हवा में सांस : नायब सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि तिरंगा यात्रा के माध्यम से उन शहीदों को नमन करने का दिन है, जिनके बलिदान की बदोलत हम सब खुली हवा में सांस ले रहे हैं।

ऐसे मौके पर क्रांतिकारी वीरों और उन शहीदों को याद करें और साथ ही उनके परिवारों की चिंता करें। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कुरुक्षेत्र मे निकाली गई तिरंगा यात्रा की अगवाई की। भारी संख्या में युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों ने तिरंगा यात्रा में भाग लिया। हाथों में तिरंगा झंडा लिए यात्रा में शामिल लोगों ने भारत माता की जय के जयकारे लगाए। तिरंगा यात्रा अनाज मंडी पिपली से शुरू होकर नेशनल हाईवे को क्रॉस करते हुए कुरुक्षेत्र के पूजा मॉडल स्कूल तक निकाली गई। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज का यह दिन केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि राष्ट्रभक्ति के जज्बे और बलिदान की भावना को सच्ची श्रद्धांजलि देने का अवसर है। हम यहां तिरंगा यात्रा के माध्यम से उन महान सपूतों को नमन करने के लिए एकत्रित हुए हैं, जिन्होंने देश की रक्षा की और उन्हीं की बदौलत आज हम खुली हवा में सांस ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज उपस्थित सभी लोग इस तिरंगा यात्रा के माध्यम से संकल्प लें कि वे देश की एकता और अखंडता के लिए हमेशा

एकजुट खड़े रहेंगे। उन्होंने कहा कि हरियाणा की वीर भूमि से लाखों जवान भारत माता की सेवा के लिए तत्पर रहते हैं।

हरियाणा को नशा मुक्त बनाना सरकार की प्राथमिकताः सीएम

ज्योति दर्पण

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि नशा मुक्त भारत अभियान केवल एक सरकारी पहल नहीं, बल्कि एक जन आंदोलन है, जिसमें युवाओं, महिलाओं, बच्चों, शिक्षण संस्थानों, स्वयंसेवी संगठनों, संत-महात्माओं और सामाजिक संस्थाओं की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। मुख्यमंत्री पंचकूला में नशा मुक्त भारत अभियान की पांचवीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित राज्य स्तरीय समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। नायब सिंह सैनी ने कहा कि सरकार ने हरियाणा को भी नशा मुक्त करने का संकल्प लिया है, जिसके तहत पिछले दिनों साइक्लोथॉन का भी आयोजन किया गया, जिसमें लाखों की संख्या में युवाओं ने भाग लिया और नशे से दूर रहने का संकल्प लिया।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि नशा केवल एक व्यक्ति को नहीं, बल्कि पूरे परिवार और

समाज को खोखला करता है। हम सबकी जिम्मेदारी है कि युवा पीढ़ी को मादक पदार्थों के सेवन से होने वाले नुकसान के प्रति जागरूक करें। जिन युवाओं को नशे की लत लग गई है, उनसे दूरी बनाने की बजाये उन्हें नशा छोड़ने के लिए सहयोग दें और प्रेरित करें। इसके लिए सबसे बड़ी जिम्मेदारी समाज व अभिभावक और माता-पिता की है। यह बहुत आवश्यक है कि माता-पिता अपने बच्चों को समय दें और उनकी बात सुनें। उन्हें सही मार्गदर्शन दें ताकि वे रास्ता न भटकें। इस दौरान मुख्यमंत्री ने उपस्थितजनों को नशा न करने और दूसरों का नशा छुड़वाने की शपथ दिलवाई।

हमारा अभिमान व हमारी शान है तिरंगा : गौरव गौतम

एजेंसी

पलवल। प्रदेश सरकार में खेल, युवा अधिकारिता एवं उद्यमिता तथा कानून एवं विधायी राज्य मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि हमारा अभिमान है तिरंगा, हमारी शान है तिरंगा और अखंड भारत का प्रतीक है तिरंगा। यह तिरंगा मां भारती के सच्चे सपूत जो दिन-रात माइन्स तापमान में रहकर हमारी हिफाजत कर रहे जवानों की शान है तिरंगा।

खेल मंत्री गौरव गौतम ने पलवल के नेताजी सुभाष चंद्र बोस इंडोर स्टेडियम में हर घर तिरंगा अभियान के तहत आयोजित जिला स्तरीय तिरंगा महोत्सव में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत कर उपस्थित लोगों खासतौर पर युवा शक्ति को संबोधित करते हुए उनमें देशभक्ति का जोश भरने का काम किया। इस अवसर पर मंत्री ने कार्यक्रम में स्वयं द्वारा तैयार किए उत्पादों की स्टॉल लगा रही महिला स्वयं सहायता समूह की सदस्यों को आत्मनिर्भर भारत को सशक्त और मजबूती देने वाली बताते हुए सराहना की। खेल मंत्री गौरव गौतम ने संबोधित करते हुए कहा कि आज दुनिया का सबसे युवा और मजबूत देश कोई है तो वह हमारा देश भारत है। जब हमारा देश 2047 में आजादी की 100 वी

वर्षगांठ मना रहा होगा तो उसमें युवा पीढ़ी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विजन विकसित भारत की नींव होगी। दुनिया में भारत शक्तिशाली देश होगा तो उसकी जिम्मेदारी युवाओं के कंधों पर होगी। मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का सपना है कि हरियाणा नशा मुक्त हो और खेल युक्त हो। उन्होंने युवाओं से आह्वान करते हुए कहा वे खेल के क्षेत्र में आगे बढ़े। इससे वे स्वस्थ और मानसिक तौर पर मजूबत रहने के साथ-साथ मेडल लाकर देश-प्रदेश और जिले का नाम रोशन करेंगे। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष विपिन बैंसला, एसडीएम ज्योति, जिला परिषद के सीईओ जितेंद्र कुमार, नगराधीश अप्रतिम सिंह, जिला राजस्व अधिकारी बलराज सिंह दांगी व जिला शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार बघेल, दिनेश शर्मा सहित विभागीय अधिकारी, स्कूली बच्चे सहित काफी संख्या में गणमान्य मौजूद रहे। इस अवसर पर कार्यक्रम में खुद के द्वारा तैयार किए गए उत्पादों की स्टॉल लगा रही स्वयं सहायता समूह की सदस्यों की सरहाना करते हुए मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि प्रधानमंत्री का लोकल फोर वोकल को स्वयं सहायता समूह की महिलाएं बखूबी बढ़ावा दे रही हैं। उन्होंने स्थानीय उत्पाद की अधिक से अधिक खरीद करने के लिए भी आमजन को प्रेरित किया। वहीं स्टॉल पर जाकर इन महिलाओं द्वारा तैयार किए गए उत्पादों की प्रशंसा की। खेल मंत्री ने युवाओं से कहा वे आज इस कार्यक्रम से संकल्प लेकर जाएं कि वे अपने-अपने घरों में जरूर तिरंगा लगाएंगे। इसके अलावा कम से कम अपने पांच पड़ोसियों को भी तिरंगा लगवाने का कार्य करेंगे।

कुम्हार समाज ने अपनी कला से परंपराओं को रखा जीवित : डीसी

एजेंसी

जींद। प्रदेशभर मेंप्रजापति समाज के परिवारों को उनके पात्रता प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। जिला कुरुक्षेत्र में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कार्यक्रम का शुभारंभ कर लाभार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए और उनके

उज्ज्वल भविष्य की कामना की। जिला स्तरीय कार्यक्रम में डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने लघु सचिवालय के सभागार में कुम्हारान भूमि के प्रमाण पत्र वितरण कर ग्रामवासियों को लाभांवित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि कुम्हार समाज अपनी कला और परिश्रम के माध्यम से समाज में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। वे मिट्टी के बर्तन, दीपक और अन्य उपयोगी एवं सजावटी सामग्री बना कर हमारी परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को जीवित रखते हैं। उनकी यह कारीगरी स्थानीय अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करती है और साथ ही रोजगार के अवसर भी पैदा करती है। डीडीपीओ संदीप भारद्वाज ने बताया कि सर्वेक्षण के उपरांत योग्य लाभार्थियों की सूची के अनुसार जिले के कुल 78 गांवों से 1939 लाभार्थी चयनित किए गए हैं, जिनमें 1426 पुरुष और 513 महिलाएं शामिल हैं। जिला स्तरीय इस कार्यक्रम में जिले के विभिन्न ब्लॉकों के 11 गांवों से चयनित 56 लाभार्थी उपस्थित थे, जिनमें 41 पुरुष और 15 महिलाएं शामिल हैं।

आनन्दशाला में शिक्षा नेतृत्व और प्रशासन पर मंथन, भारतीय जीवन मूल्यों के समावेश पर जोर

एजेंसी

पलवल। श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय और भारतीय शिक्षण मंडल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित एक दिवसीय आनन्दशाला में देशभर से आए कुलगुरु, शिक्षाविद और अकादमिक विद्वानों ने 'शैक्षणिक नेतृत्व और प्रशासन की पुनर्कल्पना के संबंध में भारतीयता से प्रेरित व्यावहारिक दृष्टिकोण' विषय पर विचार-विमर्श किया। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में युवा सशक्तिकरण एवं उद्यमिता राज्य मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि आनन्दशाला से निकले निष्कर्षों और संस्तुतियों पर राज्य और केंद्र सरकारें राष्ट्रीय शिक्षा नीति के साथ समन्वय कर विचार करेंगी। उन्होंने कहा कि बदलती दुनिया में ज्ञान ही युवाओं को चुनौतियों से पार पाने में सहायक होगा और कौशल व चरित्र के बल पर युवा देश का गौरव बढ़ाएंगे। मुख्य वक्ता भारतीय शिक्षण मंडल के राष्ट्रीय संगठन मंत्री बी. आर. शंकरानन्द ने कहा कि भारत में विश्व को जोड़ने की क्षमता है, लेकिन शिक्षा क्षेत्र को मजबूत किए बिना यह संभव नहीं है। उन्होंने भारतीय ज्ञान परंपरा और मूल्यों को जीवन में उतारने की आवश्यकता

बताई। विशिष्ट अतिथि नैक के चेयरमैन प्रो. अनिल डी. सहस्त्रबुद्धे ने शिक्षा में भारतीय जीवन मूल्यों के समावेश को आवश्यक बताते हुए मैकाले मॉडल को समाप्त कर भारतीय ज्ञान पद्धति अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि शिक्षा और प्रशासनिक नेतृत्व में भारतीयता का समावेश समय की मांग है। उन्होंने कहा कि आनन्दशाला की संस्तुतियां विश्वविद्यालयों के वातावरण में सकारात्मक बदलाव लाएंगी।प्रख्यात वक्ता मुख्यमंत्री के विशेष कर्तव्य अधिकारी डॉ. राज नेहरू ने नेतृत्व में सर्वधर्म की समझ को सबसे बड़ा गुण बताया। प्रो. राजेंद्र अनायत ने प्रशासनिक नेतृत्व और भारतीयता के दार्शनिक पहलुओं पर अपने विचार रखे। आनन्दशाला में तकनीकी सत्रों का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रो. ज्योति राणा और डॉ. तेजेंद्र शर्मा ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में कई विश्वविद्यालयों के कुलगुरु, कुलसचिव, अधिष्ठाता, शिक्षाविद और अकादमिक अधिकारी मौजूद रहे।

एसपी, डीसी ने पीस कमेटी के साथ बैठक कर की शांति बनाए रखने की अपील

अफवाह फैलाने वालों पर होगी सख्त कार्रवाईः उपायुक्त

एजेंसी

नूंह। फिरोजुर झिरका के गांव मुंडाका में मंगलवार को हुई हिंसक झड़प जिला प्रशासन और पुलिस अलर्ट है। क्षेत्र में शांति बनाए रखने के लिए एसडीएम और डीएसपी लगातार नजर बनाए हुए हैं। फिरोजपुर झिरका में पीस कमेटी की बैठक हुई, जिसमें सभी समुदायों के लोगों को शामिल कर शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने की अपील की गई है। नूंह जिला उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने भी क्षेत्र में स्थिति सामान्य होने का दावा किया है।

जिला उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि समय रहते स्थिति सामान्य कर दी गई थी। इस घटना के बाद से क्षेत्र में पूर्ण रूप से शांति का माहौल है। उपायुक्त ने लोगों से अफवाहों पर भरोसा ना करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि यह दो युवकों के बीच का झगड़ा था इसे सामुदायिक दंगे के रूप में ना देखा जाए। विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि फिरोजपुर झिरका के गांव मुंडाका में 2 युवकों के बीच मामूली कहासुनी का जो मामला हुआ था, वहां समय रहते स्थिति सामान्य कर दी गई थी। इस घटना के बाद से क्षेत्र में पूर्ण रूप से शांति का माहौल है।

उन्होंने बताया कि फिरोजपुर झिरका एसडीम लक्ष्मी नारायण और डीएसपी अजायब सिंह पूरी स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं तथा मौके पर दौरा भी कर रहे हैं। उपायुक्त ने कहा कि इस घटना से संबंधित मामले में दोनों पक्षों से बातचीत की जा रही है और इसका उचित समाधान निकाला जाएगा। इस मामूली झगड़े के संबंध में किसी भी प्रकार की अफवाह न फैलाएं और केवल आधिकारिक संदेश पर ही भरोसा करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि कोई भी असामाजिक तत्व अगर सोशल मीडिया या अन्य माध्यमों से अफवाह फैलाने का प्रयास करेगा, तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

प्रजापति समाज के 1861 लोगों को मिला पंचायती भूमि पर अधिकार का प्रमाण पत्र

एजेंसी

झज्जर। राज्य सरकार द्वारा प्रजापति कुम्हार समाज को पंचायती भूमि पर कानूनी और स्थायी तौर पर काम करने का अधिकार देने की ऐतिहासिक योजना के तहत जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजित यहां लघु सचिवालय स्थित संवाद भवन में किया गया। कार्यक्रम में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामलों के राज्य मंत्री राजेश नागर ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के संबोधन का लाइव प्रसारण किया गया। इस उपरांत मुख्य अतिथि द्वारा जिले के प्रजापति समाज के पात्र लोगों को लाभ पत्र वितरित किए गए और सरकार की इस पहल को समाज के सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा कदम बताया। राज्य मंत्री नागर ने कहा कि यह योजना ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के साथ.साथ पारंपरिक कुटीर उद्योगों को भी पुनर्जीवित करेगी। उन्होंने कहा कि जिले में प्रजापति समाज के 1861 लोगों को इस योजना का लाभ मिला है। पहले मिट्टी के बर्तन बनाने के कार्य करने वाले कुम्हार समुदाय के परिवार पंचायती भूमि पर अपना पारंपरिक व्यवसाय करते थे, लेकिन पंचायत

बदलने पर उनका काम रुक जाता था। अब प्रदेश सरकार ने एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए राज्य के गांवों में जमीन चिह्नित पात्र परिवारों को संयुक्त रूप से काम करने का कानूनी व स्थायी अधिकार दे दिया है। इससे न सिर्फ रोजगार मिलेगा बल्कि प्रजापति समाज के लोगों को सामाजिक व आर्थिक विकास भी होगा। चेयरमैन कप्तान सिंह बिरधाना ने कहा कि प्रदेश सरकार की यह पहल सराहनीय है और कुम्हार प्रजापति समाज के जीवन में नई रोशनी लेकर आएगी। जिला अध्यक्ष विकास वाल्मीकि ने कहा कि हाथों का हुनर रखने वाले प्रजापति समाज का समाज के उत्थान में अहम योगदान है और प्रदेश सरकार सभी वर्गों के उत्थान के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। कार्यक्रम में जिला परिषद चेयरमैन कप्तान सिंह बिरधाना, जिला अध्यक्ष विकास वाल्मीकि के अलावा जिला प्रशासन की तरफ से डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल, डीसीपी लोगेश कुमार, सीईओ जिला परिषद मनीष फोगाट, डीडीपीओ निशा तंवर सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

पुलिस लाइन जींद में हुई स्वतंत्रता दिवस समारोह की फुल ड्रेस फाइनल रिहर्सल

एजेंसी

जींद । अतिरिक्त उपायुक्त विवेक आर्य ने स्थानीय पुलिस लाइन में स्वतंत्रता दिवस समारोह की फुल ड्रेस रिहर्सल में राष्ट्रीय ध्वज फहराया, भव्य परेड का निरीक्षण किया और मार्च पास्ट की सलामी ली। अतिरिक्त उपायुक्त विवेक आर्य ने विभिन्न परेड की टुकडियों के प्रदर्शन और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का फाइनल अवलोकन किया तथा जरूरी दिशा-निर्देश भी दिए। इस अवसर पर एएसपी सोनाक्षी सिंह भी मौजूद रही। इस मौके पर अतिरिक्त उपायुक्त विवेक आर्य ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में 15 अगस्त को आयोजित होने वाले समारोह की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस समारोह में प्रस्तुत किए जाने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों और मार्च पास्ट का फाइनल फुल ड्रैस अभ्यास पुलिस लाइन मैदान में किया गया। उन्होंने बताया कि जिला स्तरीय स्वतंत्रता समारोह 15 अगस्त को राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराएंगी और मार्च पास्ट की सलामी लेगी। इससे पहले राज्य सभा सांसद गोहाना रोड स्थित शहीदी स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर शहीदों को श्रद्धांजलि देंगी। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन की ओर से जिला के स्वतंत्रता सेनानियों, युद्ध वीरांगनाओं, शहीदों के परिजनों तथा विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले व्यक्तियों को इस अवसर पर सम्मानित किया जाएगा। स्वतंत्रता दिवस समारोह में परेड का नेतृत्व डीएसपी संदीप कर रहे है। इस मौके पर विभिन्न स्कूलों के सैंकड़ों विद्यार्थियों द्वारा मास पीटी एवं डम्बल की भी बेहतर प्रस्तुति दी जाएगी। जिला स्तरीय कार्यक्रम में देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए जाएंगे। कार्यक्रमों में डीएन मॉडल स्कूल, हर्ष इंटरनेशनल स्कूल रामराये, यदुवंशी शिक्षा निकेतन, मोतीलाल पब्लिक स्कूल तथा डीएवी स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएगी। अतिरिक्त उपायुक्त विवेक आर्य ने जिला वासियों से आह्वान किया कि 15 अगस्त को जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में बढ़चढ़कर भाग लें और शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करें। 15 अगस्त का दिन हम सभी के लिए गर्व और गौरव का दिन है।

टाटा टी प्रीमियम इस स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मध्य प्रदेश की गोंड कला को सम्मानित कर रहा है

भोपाल। टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स का प्रमुख चाय ब्रांड, टाटा टी प्रीमियम, ने देश का गर्व इस मशहूर और प्रशंसित अभियान के 2025 संस्करण का शुभारंभ किया है। भारत की महान सांस्कृतिक विरासत का सम्मान करने की अपनी अटूट प्रतिबद्धता टाटा टी प्रीमियम ने इस अभियान में भी जारी रखी है। पिछले कई सालों से टाटा टी प्रीमियम हर दिन की चाय और हर क्षेत्र के अलग-अलग, कला-रूपों के अनूठे मिलाप के साथ स्वतंत्रता दिवस मनाता आ रहा

है। इस बार भारत की कुछ प्रतिष्ठित कला-रूपों से प्रेरित हाथ से पेंट की गई कलात्मक केतली को देश का गर्व कलेक्शन में प्रस्तुत की गयी है। टाटा टी प्रीमियम ने हर दिन की चाय की रस्मों से गहराई से जुड़ी हुई वस्तुओं के ज़रिए भारत की अलग-अलग क्षेत्रों की समृद्ध लोक कला को लगातार उजागर किया है — चाहे वह साधारण कुल्हड़ हो, चाय का पारंपरिक कप हो, या इस साल की बहुत ही सुंदर केतली हो। हर एडिशन खूबसूरती से परे जाकर, भारत की कलात्मक विरासत को आधुनिक और सार्थक तरीकों से संरक्षित, प्रचारित और आगे बढ़ाने के एक गहन मिशन को लेकर चलता है। जहां दुनिया अभी भारतीय शिल्प कौशल की सुंदरता को नए सिरे से समझना शुरू कर रही है, वहीं देश की चाय टाटा टी प्रीमियम ने पिछले कई सालों से देशवासियों की रोजमर्रा की ज़िन्दगी में अपना विशेष स्थान बनाया है।

श्रीजी शिपिंग ग्लोबल लिमिटेड का आईपीओ 19 अगस्त को खुलेगा

मुंबई, एजेंसी। श्रीजी शिपिंग ग्लोबल लिमिटेड ने घोषणा की है कि वह मंगलवार, 19 अगस्त, 2025 को अपने इक्विटी शेयरों के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम के लिए बोलियाँ/निर्गम खोलेगी। बोलियाँ/निर्गम गुरुवार, 21 अगस्त, 2025 को बंद होंगे। एंकर निवेशक बोली की तिथि सोमवार, 18 अगस्त, 2025 होगी। न्यूनतम 58 इक्विटी शेयरों के लिए और उसके बाद 58 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोलियाँ लगाई जा सकती हैं। निर्गम का मूल्य बैंड 240 से 252 प्रति इक्विटी शेयर निर्धारित किया गया

है। कुल निर्गम आकार 10 अंकित मूल्य वाले 16,298,000 इक्विटी शेयरों का 100 प्रतिशत ताज़ा निर्गम है (नया निर्गम)। कंपनी नए निर्गम से प्राप्त शुद्ध आय का उपयोग जहाजों (द्वितीयक बाजार से सुपरमैक्स श्रेणी के ड्राई बल्क कैरियर) के अधिग्रहण के लिए करेगी, जिसकी अनुमानित राशि 2,511.79 मिलियन [251.18 करोड़] है। कंपनी का इरादा 230 मिलियन [23 करोड़] के कुछ बकाया उधारों का आंशिक या पूर्ण रूप से पूर्व-भुगतान/चुकाना और शेष राशि सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए चुकाना है।(निर्गम का उद्देश्य)। भारत या विश्व स्तर पर कोई सूचीबद्ध समकक्ष समूह कंपनियाँ (अर्थात, समान उद्योग में तुलनीय आकार की कंपनियाँ) नहीं हैं जो कंपनी के समान व्यवसाय में लगी हों।

द वेल्थ कंपनी म्यूचुअल फंड ने मिलिए आपके म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर से कैंपेन शुरू किया

भरोसेमंद म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर्स की भूमिका पर जोर

इसमें नए दौर के निवेशकों से आग्रह किया गया कि वे अपने वित्तीय भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए सलाह-आधारित निवेश को प्राथमिकता दें

मुंबई, एजेंसी। ऐसे समय में जब निवेश तेजी से खुद करें प्लेटफॉर्म की ओर बढ़ रहा है, पैंटोमैथ ग्रुप की एक परिसंपत्ति प्रबंधन शाखा, द वेल्थ कंपनी म्यूचुअल फंड ने निर्देशित निवेश के महत्व को फिर से स्थापित करने के लिए एक निर्णायक कदम उठाया है। आज, एएमसी ने अपना नया 6 महीने लंबा अभियान मिलिए आपके म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर से लॉन्च किया, जो पूरे भारत में निवेशकों को मार्गदर्शन देने में म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर्स द्वारा निभाई जाने वाली अक्सर अनदेखी की जाने वाली, लेकिन अपरिहार्य भूमिका को एक श्रद्धांजलि है।

निर्देशित निवेश ने नए दौर के निवेशकों के लिए, विशेष रूप से उन लोगों के लिए जो पहली बार बाजार में आ रहे हैं, ठोस लाभ दिखाए हैं। जबकि डायरेक्ट म्यूचुअल फंड प्लान में कम व्यय अनुपात होता है—जो आमतौर पर रेगुलर प्लान की तुलना में 0.5 से 1 प्रतिशत कम होता है—संरचित सिफारिशों की अनुपस्थिति के कारण अक्सर उप-इष्टतम फंड चयन, बाजार की अस्थिरता के दौरान भावनात्मक प्रतिक्रियाएं और असमय निकासी होती है। मॉर्निंगस्टार इंडिया और एएमएफआई द्वारा उद्धृत उद्योग के आंकड़े बताते हैं कि पंजीकृत बिचौलियों—जैसे म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर्स या सलाहकारों—के साथ काम करने वाले निवेशक डायरेक्ट निवेशकों की तुलना में औसतन 1-1.5 प्रतिशत अधिक वार्षिक रिटर्न कमाते हैं। यह मुख्य रूप से बेहतर परिसंपत्ति आवंटन, कम घबराहट-प्रेरित व्यवहार और अनुशासित निवेश रणनीतियों के कारण है। जबकि डायरेक्ट प्लान उच्च वित्तीय साक्षरता वाले अनुभवी निवेशकों के लिए उपयुक्त हो सकते हैं, निर्देशित निवेश व्यवहारिक अनुशासन और संरचित पोर्टफोलियो निगरानी प्रदान करता है—जो दीर्घकालिक वित्तीय लक्ष्यों के साथ बेहतर संरेखण की ओर ले जाता है।

बाणगंगा पेपर इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड ने वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही में 21.17 करोड़ की आय की घोषणा की साथ ही

सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई

मुंबई, एजेंसी। बाणगंगा पेपर इंडस्ट्रीज लिमिटेड जो विविध प्रकार के क्राफ्ट पेपर के अग्रणी निर्माता और आपूर्तिकर्ता में से एक है, ने वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही के अपने अनऑडिटेड परिणाम घोषित किए हैं। वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही (कंसोलिडेटेड) में कुल आय 21.17 करोड़ रही, जबकि एबिटा 1.57 करोड़ दर्ज किया गया। एबिटा मार्जिन 7.42 प्रतिशत रहा, वहीं शुद्ध लाभ 0.65 करोड़ और नेट प्रॉफिट मार्जिन 3.08 प्रतिशत रहा। प्रति शेयर आय 0.05 रही। वित्तीय प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए कंपनी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री करभरी धात्रक ने कहा, हम वित्त वर्ष 26 की एक अच्छी शुरुआत करते हुए पहले तिमाही में 21.17 करोड़ की कुल आय दर्ज करने पर प्रसन्न हैं। यह प्रदर्शन बाजार की परिस्थितियों में हमारी मजबूती, परिचालन दक्षता और सतत विकास के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। पर्यावरण के अनुकूल प्रथाओं—जैसे रिफ्यूज़-डिराइव्ड फ्यूल का उपयोग, ज़ीरो लिक्विड डिस्चार्ज और वेस्ट से रिसोर्स रिकवरी में हमारे लगातार निवेश न केवल हमारी लागत प्रतिस्पर्धा को मजबूत करते हैं, बल्कि हमारे दीर्घकालिक पर्यावरण संरक्षण के संकल्प को भी सुदृढ़ करते हैं।

फटी हुई ब्रेन एन्यूरिज़्म का शालिनीताई मेघे हॉस्पिटल में आधुनिक मिनिमली इनवेसिव तकनीक से सफल इलाज

छिंदवाड़ा। हाल ही में मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा की 60 वर्षीय महिला को अचानक तेज सिरदर्द, फिर उनींदापन और चिड़चिड़ापन महसूस होने पर डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर सुपरस्पेशलिटी इंस्टीट्यूट (डीबीएएसआई) के सुपरस्पेशलिटी विंग, 1,020 बेड्स वाले शालिनीताई मेघे हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर (एसएमएचआरसी), वानाडोंगरी में भर्ती कराया गया। भर्ती करने के बाद तुरंत किए गए सीटी स्कैन में ब्रेन हैमरेज का पता चला और बिना देरी किए मरीज को आईसीयू में भर्ती कर लिया गया। आगे की जांच में पता चला कि मरीज के मस्तिष्क की बाईं एंटीरियर सेरेब्रल आर्टरी (ष्ट्र) में एन्यूरिज़्म फट गया है। यह एक गंभीर और जानलेवा स्थिति होती है, जिसमें मस्तिष्क की कमजोर रक्त वाहिका फट जाती है और अंदर खून बहने लगता है। इंटरवेंशनल न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. जीवन किंकर ने बताया, ब्रेन एन्यूरिज़्म तब तक छुपा हुआ रहता है, जब तक वह फट न जाए। समय पर इलाज बहुत जरूरी है। डीबीएएसआई में हमारे पास ऐसी आपात स्थितियों का सही तरीके से पता लगाने और सुरक्षित इलाज करने की पूरी सुविधा है।

पोको एम7 प्लस 5जी 6.9-इंच के डिस्प्ले और 7,000 एमएएच बैटरी के साथ भारत में लॉन्च

मुंबई, एजेंसी। भारत के अग्रणी कंज्यूमर टेक्नोलॉजी ब्रांड्स में से एक, पोको ने किफायती स्मार्टफोन सेगमेंट में अपने नए स्मार्टफोन - पोको एम7 प्लस 5जी को लॉन्च किया है। नॉन-स्टॉप मनोरंजन और लंबे समय तक चलने वाले प्रदर्शन के लिए डिज़ाइन किया गया, एम7 प्लस 5जी इस सेगमेंट में 7000एमएएच की सिलिकॉन कार्बन बैटरी और 144एच5 रिफ्रेश रेट के साथ 6.9-इंच एफएचडी+ डिस्प्ले के साथ उतारा गया है। केवल 12,999 रुपये में यह फोन पूरे दिन आपके मनोरंजन का साथी बनेगा।

पोको एम7 प्लस 5जी स्नैपड्रैगन0 6एस जेन 3 के साथ बिना रुकावट मल्टीटास्किंग के लिए शानदार प्रदर्शन देता है, जिसमें 16जीबी तक टर्बो रैम शामिल है। 144एच5 का एडैप्टिव रिफ्रेश रेट आसानी से स्क्रॉलिंग करने, शानदार गेमिंग और बिना रुकावट सोशल मीडिया ब्राउज़िंग सुनिश्चित करता है। इसकी 7000 सिलिकॉन कार्बन बैटरी, इस सेगमेंट में सबसे बड़ी है जिसे 1600 चार्ज साइकिल के लिए बनाया गया है। यह चार साल के उपयोग के बाद भी 80 प्रतिशत तक क्षमता बनाए रखती है। 18डब्लू रिवर्स चार्जिंग के साथ, एम7 प्लस 5जी न केवल आपके फोन को, बल्कि आपके अन्य डिवाइसेस को भी पूरे दिन चालू रखने के लिए पावर बैंक के रूप में काम करता है।

हैरियर और सफारी का ऑल-न्यू एडवेंचर एक्स पर्सोना लॉन्च

कीमत 18.99 लाख से शुरू

भोपाल। भारत की प्रमुख एसयूवी निर्माता कंपनी, टाटा मोटर्स ने आज अपनी लोकप्रिय एसयूवी - टाटा हैरियर और टाटा सफारी में ऑल-न्यू एडवेंचर एक्स पर्सोना लॉन्च किया। इस नए पर्सोना में एडवेंचर, शानदार प्रदर्शन और ढेर सारे फीचर्स हैं, जो ग्राहकों को बेहतरीन अनुभव और रोमांच से भरपूर लाइफस्टाइल जीने का मौका देते हैं। एडवेंचर एक्स पर्सोना में इस कीमत पर पहली बार कई खास फीचर्स दिए गए हैं, जिनमें एडाप्टिव क्रूज कंट्रोल के साथ एडीएएस, 360ए ‖एचडी सराउंड व्यू, ऑटो होल्ड के साथ ट्रेल होल्ड इलेक्ट्रॉनिक पार्किंग ब्रेक ट्रेल रिस्पॉन्स मोड्स (नॉर्मल, रफ, वेट), लैंड रोवर से प्रेरित कमांड शिफ्टर, और अन्य शानदार फीचर्स जैसे मेमोरी और वेलकम फंक्शन वाली एर्गो लक्स ड्राइवर सीट, 26.03 सेमी अल्ट्रा व्यू ट्विन स्क्रीन सिस्टम, ट्रेल सेंस ऑटो हेडलैंप्स, एक्वा सेंस वाइपर्स और मल्टी ड्राइव मोड्स (सिटी, स्पोर्ट, इको) शामिल हैं। ये वैरिएंट आज से उपलब्ध हैं, जिनकी शुरुआती कीमत हैरियर एडवेंचर एक्स पर्सोना के लिए 18.99 लाख रुपए और सफारी एडवेंचर एक्स+ पर्सोना के लिए 19.99 लाख रुपए है। इस नए वैरिएंट के लॉन्च के साथ, टाटा मोटर्स ने हैरियर और सफारी लाइनअप को और अधिक आकर्षक

बनाया है, जिससे यह रेंज हाई एसयूवी सेगमेंट में पहले से कहीं अधिक स्मार्ट, एकजुट और कई फीचर्स से भरपूर हो गई है। एक सुव्यवस्थित पर्सोना स्ट्रक्चर, फीचर से भरपूर वैरिएंट्स और नए रंग विकल्पों के साथ, लाइनअप में नया प्योर एक्स पर्सोना भी शामिल है, जो ग्राहकों को बेहतरीन कीमत पर बढ़िया मूल्य प्रदान करेगा। कीमतें 14,99,990, पर्सोना प्योरएक्स, शुरुआती कीमत लाख रुपये में (ईएसपी, नई दिल्ली) 17,99,000,एडवेंचर एक्स 18,99,000,एडवेंचर एक्स+ 19,34,000, फियरलेस एक्स 22,34,000, फियरलेस ङ्ग+ 24,44,000. इस नए पर्सोना - एडवेंचर ङ्ग के लॉन्च के मौके पर, टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड के चीफ कॉमर्शियल ऑफीसर श्री विवेक श्रीवत्स ने कहा, हैरियर और सफारी हमेशा से सिर्फ़ गाड़ियाँ नहीं रहीं - ये ग्राहकों के रुतबे, मकसद और

टोयोटा अर्बन क्रूज़र टाइज़र अब सभी वैरिएंट्स में बेहतर सुरक्षा के साथ नए आकर्षक ब्लूइश ब्लैक रंग में उपलब्ध

बेंगलुरु, एजेंसी। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने आज अपनी लोकप्रिय कॉम्पैक्ट एसयूवी अर्बन क्रूज़र टाइज़र के लिए दो अहम अपग्रेड की घोषणा की। कंपनी ने नया ब्लूइश ब्लैक एक्सटीरियर कलर पेश किया है और सभी वैरिएंट्स में स्टैंडर्ड तौर पर छह एयरबैग्स शामिल किए हैं। टोयोटा हमेशा ग्राहकों को सबसे अधिक महत्व देता है और उसकी सोच बेहतर से बेहतर कारें प्रदान करने पर केंद्रित रहती है।

एक नया आकर्षक लुक- ब्लूइश ब्लैक की पेशकश– टाइज़र के डायनैमिक और युवा आकर्षण को बढ़ाते हुए, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने चुनिंदा वैरिएंट्स में नया ब्लूइश ब्लैक एक्सटीरियर कलर जोड़ा है। यह प्रीमियम शेड एसयूवी की सड़क पर उपस्थिति को और निखारता है, ग्राहकों को एक ताज़ा विकल्प देता है, जिसमें शालीनता और स्पोर्टी लुक का बेहतरीन मिश्रण है। यह नया रंग दर्शाता है कि टोयोटा ग्राहकों की बदलती जीवनशैली और कॉम्पैक्ट एसयूवी खरीदारों में पर्सनलाइजेशन की बढ़ती मांग को भली-भांति समझता है।

सिट्रोएन इंडिया ने बेहतर फीचर्स के साथ नई सिट्रोएन सीउएक्स लॉन्च की

मुंबई, एजेंसी। सिट्रोएन 2.0-शिफ्ट इन टू द न्यू स्ट्रेटिजक प्लान के अंतर्गत, सिट्रोएन इंडिया ने आज नई सिट्रोएन सीउएक्स रेंज लॉन्च की। यह इसकी लोकप्रिय एसयूवी-स्टाईल की कार का बोल्ड रूपांतरण है। इसमें 15 नए इंटेलिजेंट फीचर्स दिए गए हैं। सिट्रोएन सी3 हर सफर में बेहतर कम्फर्ट, टेक्नोलॉजी पर केंद्रित सुविधाएं और सुरक्षा प्रदान करती है। यह अपने सेगमेंट में सबसे किफायती मूल्य में होने के कारण आसानी से खरीदी जा सकती है, जिससे इसे प्रतिस्पर्धी बढ़त मिलती है। स्टेलैंटिस इंडिया के एमडी एवं सीईओ, शैलेष हजेला ने कहा सिट्रोएन सी3 रेंज 5.25 लाख रुपये के आकर्षक शुरुआती मूल्य में पेश करके हम इस सेगमेंट को और ज्यादा किफायती बना रहे हैं।

मोतीलाल ओसवाल फाउंडेशन ने आईआईएम रायपुर और एनआईटी रायपुर को 172 करोड़ का अनुदान दिया

रायपुर, एजेंसी। एक ऐतिहासिक परोपकारी पहल के तहत, मोतीलाल ओसवाल फाउंडेशन ने छत्तीसगढ़ के दो प्रमुख शिक्षण संस्थानों, भारतीय प्रबंधन संस्थान रायपुर को 101 करोड़ और राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान रायपुर को 71 करोड़ का अनुदान देने का संकल्प लिया है। मोतीलाल ओसवाल फाउंडेशन (एमओएफ) ने छत्तीसगढ़ की दो प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थाओं - इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट रायपुर और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी रायपुर - को कुल 172करोड़ की सहायता प्रदान करने की घोषणा की है। इसमें 101 करोड़ आईआईएम रायपुर और 71 करोड़ एनआईटी रायपुर को दिए जाएंगे। इस सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन पर आज रायपुर स्थित डीडीयू ऑडिटोरियम में हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय, उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा, सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल, विधायक श्री

छत्तीसगढ़ शिक्षा और इनोवेशन का हब बनेगा

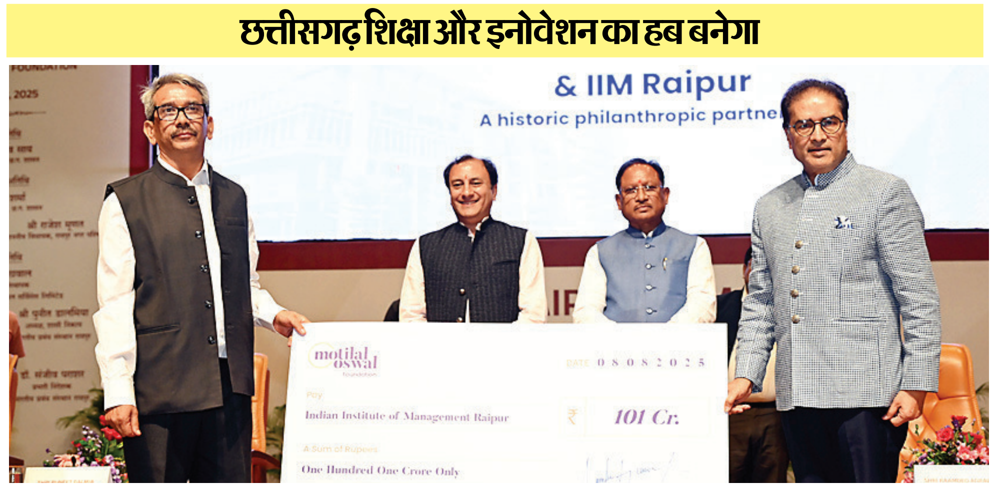

राजेश मूणत, एनआईटी रायपुर के चेयरमैन डॉ. सुरेश हावरे, आईआईएम रायपुर के चेयरमैन श्री पुनीत डालमिया, एनआईटी के निदेशक डॉ. एन. वी. रमना राव, आईआईएम रायपुर के प्रभारी निदेशक डॉ. संजीव प्रशार, स्किल डेवेलपमेंट विभाग के सचिव डॉ. एस. भारतीदासन (आईएएस) और श्री रामदेव अग्रवाल सहित संस्थानों और सरकार के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

यह पहल, मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के चेयरमैन और सह-संस्थापक तथा मोतीलाल ओसवाल फाउंडेशन के ट्रस्टी श्री रामदेव अग्रवाल के लिए व्यक्तिगत तौर पर बेहद खास है। रायपुर के पास, नागपुरा गांव के मूल निवासी, श्री अग्रवाल अपनी जन्मभूमि और शुरुआती शिक्षा की इस भूमि को कुछ लौटाने का संकल्प लेकर यह योगदान दे रहे हैं। उनका यह निवेश ऐसे संस्थानों में हो रहा है, जो इस क्षेत्र के भविष्य को परिभाषित करेंगे।

गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप ने नोएडा में स्मार्ट सोलर कारपोर्ट के साथ ग्रीन इनोवेशन को बढ़ावा दिया

- 31,984 वर्ग मीटर में फैला और 1,031 सौर पैनलों से संचालित, यह इंस्टॉलेशन मेट्रो शहरों में स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन के लिए एक स्पेस-स्मार्ट समाधान प्रस्तुत करता है

मुंबई, एजेंसी। गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप के एनर्जी सॉल्यूशंस बिजनेस ने आज नोएडा में एक प्रमुख आईटी कंपनी में अपने पहले सोलर कारपोर्ट इंस्टॉलेशन के सफल संचालन की घोषणा की। यह महत्वपूर्ण परियोजना अभिनव, टिकाऊ बुनियादी ढांचे के लिए ग्रुप की प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जो भारत की नवीकरणीय ऊर्जा महत्वाकांक्षाओं और 2047 तक विकसित भारत के दृष्टिकोण का समर्थन करती है। 31,984 वर्ग मीटर में फैला और 1,031 से अधिक उच्च-दक्षता वाले सौर पैनलों से लैस, यह कारपोर्ट सालाना लगभग 7,31,900 किलोवाट-घंटा (यूनिट) बिजली उत्पन्न करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह हर साल लगभग 6,00,158 किलोग्राम कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन की भरपाई करेगा, जो 27,568 से अधिक पेड़ लगाने के बराबर है। यह दोहरे-उद्देश्यीय संरचना न केवल 400 वाहनों के लिए छायादार पार्किंग सुविधा प्रदान करती है, बल्कि शहरी इलाकों की अनुपयोगी जगहों को नवीकरणीय ऊर्जा केंद्रों में बदल देता है। राघवेंद्र मिरजी, कार्यकारी उपाध्यक्ष एवं बिजनेस हेड, एनर्जी सॉल्यूशन्स, गोडरेज एंटरप्राइजेज ने कहा, जैसे-जैसे शहर की आबादी बढ़ रही है, और जगह कम होती जा रही है, ऐसे में ढांचागत विकास को स्मार्ट और टिकाऊ दोनों होना चाहिए। यह सोलर कारपोर्ट हमारी उस सोच का उदाहरण है, जिसमें हम शहरी भारत की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करते हुए जलवायु लचीलापन भी मजबूत करते हैं। वाणिज्यिक और औद्योगिक केंद्रों में नवीकरणीय ऊर्जा अपनाने के लिए नवाचार के ज़रिए, हम भारत की ऊर्जा आत्मनिर्भरता और लो-कार्बन इकोनॉमी की दिशा में योगदान दे रहे हैं। इस यात्रा में योगदान करने पर हमें गर्व है।यह पहल भारत के 2030 तक 500 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता के लक्ष्य और इसके राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदानों (एनडीसी) के तहत कार्बन तीव्रता में कमी के संकल्प में सीधा योगदान देती है। यह सरकार के उस दृष्टिकोण के साथ भी मेल खाती है, जो लचीले, ऊर्जा-सकारात्मक शहरों के निर्माण पर केंद्रित है, जो समावेशी आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के साथ-साथ जलवायु जोखिमों को भी कम करें।

डीएसपी म्यूचुअल फंड ने लॉन्च किया भारत का पहला फ्लेक्सीकैप इंडेक्स फंड

यह गुणवत्ता-आधारित फंड, जो एसआईपी निवेश ट्ट के लिए अनुशंसित है, लचीलेपन को ध्यान में रखकर बनाया गया है

मुंबई, एजेंसी। डीएसपी म्यूचुअल फंड ने निवेशकों के लिए डीएसपी निफ्टी 500 फ्लेक्सीकैप क्वालिटी 30 इंडेक्स नामक एक नया फंड लॉन्च किया है। यह फंड कम लागत वाली पहली फ्लेक्सीकैप निवेश रणनीति है। यह रणनीति केवल उच्च-गुणवत्ता वाले शेयरों में निवेश और गतिशील संकेतों (ट्रिगर) पर आधारित तेज़ गति वाले निवेश इन दोनों को जोड़ती है। भारत में पहली बार बनाए गए फ्लेक्सीकैप इंडेक्स का प्रदर्शन इस फंड की प्रगति में परिलक्षित होगा। इसे निवेशकों को लगातार बदलते शेयर बाजार में आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने में मदद करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। डीएसपी निवेशकों को एसआईपी के माध्यम से निवेश करने की सलाह देता है, क्योंकि मौजूदा समय में (खासतौर पर उच्च गुणवत्ता वाले स्मॉल और मिड-कैप शेयरों में) मूल्यांकन ऊंचे और अनिश्चित हो सकते हैं। एसआईपी से निवेशकों को समय के साथ औसत खरीद मूल्य पाने में मदद मिलती है, बाजार के उच्चतम स्तर पर खरीदारी के जोखिम को कम करती है, और इस फंड की निवेश फिलॉसफी—उच्च गुणवत्ता वाले व्यवसायों में अनुशासित, दीर्घकालिक निवेश—के अनुरूप रहती है।

एयरटेल पेमेंट्स बैंक का वार्षिक राजस्व बढ़कर 3,000 करोड़ रुपये से अधिक हुआ

- वित्तवर्ष 2026 की पहली तिमाही में 777.4 करोड़ रुपये का राजस्व दर्ज किया
- शुद्ध लाभ साल-दर-साल 44.4 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 10.4 करोड़ रुपये तक पहुँचा

नई दिल्ली, एजेंसी। एयरटेल पेमेंट्स बैंक ने 30 जून, 2025 को समाप्त हुई तिमाही के लिए अपने वित्तीय परिणाम जारी कर दिए। इस तिमाही में भी बैंक का प्रदर्शन काफी मजबूत रहा। बैंक का वार्षिक राजस्व 3,000 करोड़ रुपये को पार कर गया, जिससे यह देश में सबसे ज्यादा तेजी से विकसित होते हुए डिजिटल बैंकों की कतार में आ गया। वित्तवर्ष 2026 की पहली तिमाही के लिए एयरटेल पेमेंट्स बैंक ने 27.5 प्रतिशत की साल-दर-साल वृद्धि के साथ 777.4 करोड़ रुपये का राजस्व दर्ज किया, वहीं शुद्ध लाभ 44.4 प्रतिशत बढ़कर 10.4 करोड़ रुपये तक पहुँच गया। मजबूत ऑपरेटिंग परफॉर्मेंस और ग्राहकों के बीच तेज एडॉप्शन के चलते इबीआइटीडीए 30 प्रतिशत साल-दर-साल वृद्धि दर्ज करते हुए बढ़कर 81.8 करोड़ रुपये हो गया।

ग्राहक जमा राशि में साल-दर-साल 27.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह बढ़कर 3,743 करोड़ रुपये तक पहुँच गई। बैंक की वार्षिक ग्रॉस मर्चेंडाईज़ वैल्यू 4,260 बिलियन डॉलर हो गई। एयरटेल पेमेंट्स बैंक ने यूज़र बेस के आधार पर भारत में तीसरे सबसे बड़े मोबाईल बैंक के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत कर ली है, जिससे शहरी और ग्रामीण सेगमेंट्स में ग्राहकों की गहरी सहभागिता प्रदर्शित होती है।

एयरटेल पेमेंट्स बैंक के एमडी एवं सीईओ, बिस्वास ने कहा, ''हमें वित्तवर्ष 2026 की मजबूत शुरुआत करने की खुशी है। हमने सभी मुख्य प्रदर्शन के क्षेत्रों में स्थिर वृद्धि दर्ज की है। 3,000 करोड़ रुपये से अधिक वार्षिक राजस्व प्राप्त करने की उपलब्धि हमारे बिज़नेस मॉडल की शक्ति और हमारे ऊपर ग्राहकों के भरोसे का प्रमाण है।

हवा-पानी की आजादी के बिना आजादी अधूरी

ललित गर्ग

आजादी केवल तिथि नहीं, एक निरंतर संघर्ष है। यह सिर्फ. झंडा फहराने का अधिकार नहीं, बल्कि हर नागरिक को मूलभूत सुविधाएं, समान अवसर और सम्मान देने की जिम्मेदारी है। हवा, पानी और धरती- इनके बिना जीवन संभव नहीं।

देश एवं दुनिया के सामने स्वच्छ जल एवं बढ़ते प्रदूषण की समस्या गंभीर से गंभीरतर होती जा रही है। शुद्ध हवा एवं पीने के स्वच्छ जल की निरन्तर घटती मात्रा को लेकर बड़े खतरे खड़े हैं। धरती पर जीवन के लिये जल एवं हवा सबसे जरूरी वस्तु है, जल एवं हवा है तो जीवन है। जल एवं हवा ही किसी भी प्रकार के जीवन और उसके अस्तित्व को संभव बनाता है। जीवन के तीन आधार तत्व हैं-हवा, पानी और धरती है। इनकी संरक्षा न केवल हमारी अस्तित्व-निर्भरता से जुड़ी है, बल्कि मानवता की नैतिक जिम्मेदारी भी है। आज का युग, जिस तेजी से विकसित हो रहा है, उसी भागदौड़ में हवा और पानी को परम स्वाधीनता से वंचित कर रहा है। रूस-यूक्रेन युद्ध, दिल्ली का उच्च प्रदूषण सूचकांक, अमेरिका के जंगलों की धुएं से गंदली हवा, बढ़ता वाहन प्रदूषण-ये सब संकेत देते हैं कि हवा से आजादी मतलब ह्यस्वस्थ हवाह्न पाना है। हमारे ह्लआजादीह्व को नया अर्थ चाहिए तो यह प्राकृतिक संसाधनों यानी हवा एवं पानी की आजादी पर भी निर्भर है, जो मानव व पर्यावरण-जगत दोनों के लिए जीवनदायिनी है। स्वतंत्रता का अर्थ केवल राजनीतिक बंधनों से मुक्ति नहीं है, बल्कि जीवन के हर पहलू में सुरक्षित, स्वस्थ और सम्मानजनक अस्तित्व का अधिकार है। 78वें स्वतंत्रता दिवस पर जब हम आजादी का जश्न मना रहे हैं, तब यह सवाल भी उठाना जरूरी है कि क्या हमें हवा और पानी की सच्ची आजादी मिली है?

आजादी केवल तिथि नहीं, एक निरंतर संघर्ष है। यह सिर्फ. झंडा फहराने का अधिकार नहीं, बल्कि हर नागरिक को मूलभूत सुविधाएं, समान अवसर और सम्मान देने की जिम्मेदारी है। हवा, पानी और धरती- इनके बिना जीवन संभव नहीं। पर दुर्भाग्य से आज इन मूलभूत संसाधनों पर गहरा संकट है। स्वच्छ हवा में सांस लेना और शुद्ध पानी पीना अब विलासिता जैसी चीज बनती जा रही है। ह्यहवा-पानी की आजादीह्न का मतलब है कि हर व्यक्ति को स्वच्छ हवा और शुद्ध पानी तक सहज पहुंच हो। यह केवल स्वास्थ्य का ही नहीं, बल्कि मानवता का मूल अधिकार है। परंतु शहरीकरण, औद्योगीकरण और संसाधनों के दुरुपयोग ने हवा और पानी दोनों को विषाक्त बना दिया है। विश्व में 2.2 अरब लोगों के पास सुरक्षित पेयजल की सुविधा नहीं है। भारत में करोड़ों लोग अभी भी दूषित या अपर्याप्त पानी पर निर्भर हैं। रसायनयुक्त कृषि, औद्योगिक अपशिष्ट, प्लास्टिक प्रदूषण और भूजल के अंधाधुंध दोहन ने जल की गुणवत्ता को लगातार गिराया है।

जल संकट भविष्य में सबसे बड़ा युद्ध का कारण बन सकता है। भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ती युद्ध की संभावनाओं का कारण भी जल ही बनता हुआ दिख रहा है। ऑपरेशन सिंधूर के बाद भारत ने पाक पर सिंधु जल समझौते को रद्द कर देने से पाक में जल संकट खड़ा हो गया है, पाक की ओर से परमाणु बम की धमकी दी जा रही है, वहीं भारत भी युद्ध की संभावनाओं को देखते हुए तैयार में जुट गया है। जल संकट केवल भारत और पाक में ही नहीं, दुनिया में एक बड़ी समस्या है। क्योंकि ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, नदियों का प्रवाह घट रहा है, भूजल का स्तर गिर रहा है। जलवायु परिवर्तन के कारण बाढ़, सूखा और भूस्खलन की घटनाएं बढ़ी हैं। आंकड़े बताते हैं कि 2000 से अब तक बाढ़ की घटनाओं में 134 प्रतिशत और सूखे की अवधि में 29 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। धरती का 70 प्रतिशत भाग पानी से भरा है, लेकिन पीने योग्य पानी केवल 3 प्रतिशत है, जिसमें से उपयोगी मीठा जल 1 प्रतिशत से भी कम है। बढ़ती जनसंख्या और बबार्दी ने इस अमूल्य संसाधन को गंभीर संकट में डाल दिया है।

दिल्ली और अन्य महानगरों में वायु गुणवत्ता सूचकांक लगातार ह्यबहुत खराबह्न या ह्यखतरनाकह्न श्रेणी में पहुंचता है। प्रदूषित हवा श्वसन रोग, हृदय रोग और कैंसर तक का कारण बन रही है। बच्चों और बुजुर्गों पर इसका सबसे अधिक दुष्प्रभाव पड़ता है। रिसर्च बताती है कि दिल्ली के 75 प्रतिशत से अधिक बच्चों को सांस लेने में कठिनाई होती है, आंखों में जलन और खांसी की शिकायत रहती है। वाहन प्रदूषण, औद्योगिक धुआं, निर्माण गतिविधियों की धूल और फसल अवशेष जलाना-ये सब मिलकर हवा को जहरीला बना रहे हैं।

भारत के पास जल प्रबंधन की प्राचीन परंपरा रही है-तालाब, कुएं, बावड़ियां, जोहड़ और सरोवर जल संरक्षण के अद्भुत उदाहरण हैं। राजस्थान के किलों और गांवों में जल संचयन व्यवस्था आज भी दुनिया के लिए प्रेरणा है। पर्यावरणविद अनुपम मिश्र कहते थे-ह्लअब भी खरे हैं तालाबह्व आज आवश्यकता है कि हम इन परंपराओं को आधुनिक तकनीक के साथ जोड़कर जल संकट का समाधान करें। सरकार ने ह्यअटल भूजल योजनाह्न, ह्यनल से जलह्न और ह्यनदी पुनर्जीवनह्न जैसी योजनाएं शुरू की हैं। लेकिन केवल सरकारी प्रयास काफी नहीं, जनभागीदारी आवश्यक है। गांव-गांव में वर्षा जल संचयन, नदियों की सफाई, औद्योगिक अपशिष्ट का प्रबंधन और भूजल संग्रहण की व्यवस्था अनिवार्य होनी चाहिए। हवा की शुद्धता के लिए जरूरी है कि सार्वजनिक परिवहन को विश्वसनीय और सुलभ बनाया जाये, इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा दिया जाये, औद्योगिक उत्सर्जन पर सख्त नियंत्रण हो, हरित क्षेत्र और वृक्षारोपण को बढ़ाना अत्यंत जरूरी कदम हैं। आजादी का असली मतलब यह है कि सत्ता का केंद्र नागरिक हो, उसकी मूलभूत सुविधाएं हो और उसकी आवाज सिर्फ. चुनावी भाषणों में नहीं, नीतियों और फैसलों में भी सुनी जाए।

आजादी के अमृतकाल में 78वां स्वतंत्रता दिवस मनाते हुए हमें हवा एवं पानी की आजादी के लिये संकल्प लेना होगा। वायु-जल संसाधनों पर गहराते संकट को खत्म करने के लिए अपनी जीवन-शैली में परिवर्तन करना होगा। इसके लिए सभी लोगों को बच्चे-बूढ़े, स्त्री-पुरूष, किसान, उद्यमियों सभी को पहल करनी है। पानी को बचाने एवं हवा की शुद्धि की आदत को व्यवहार में ढालना होगा। हवा में घूल रहा प्रदूषण भी खतरनाक होता जा रहा है। भू-विज्ञान मंत्रालय के एक रिसर्च के अनुसार वायु निर्माण में 41 प्रतिशत हिस्सेदारी वाहनों की रहती है। भवन निर्माण आदि से उड़नेवाली धूल 21.5 प्रतिशत के दूसरे स्थान पर है। दिल्ली परिवहन विभाग के आंकड़े के मुताबिक पिछले 30 साल में वाहन और उनसे होने वाला प्रदूषण तीन गुणा बढ़ गया है। फिर भी सार्वजनिक यातायात व्यवस्था को बेहतर और विश्वसनीय बनाने की दिशा में कुछ खास नहीं किया गया। इस विषम एवं ज्वलंत समस्या से मुक्ति के लिये हर राजनीतिक दल एवं सरकारों को संवेदनशील एवं अन्तर्दृष्टि-सम्पन्न बनना होगा। खेती में प्रदूषकों की रोकथाम से जल संसाधनों के संकट और पारिस्थिकी तंत्र में बदलाव के संकट को कम किया जा सकता है। नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को नियमित करके समस्या को काफी हद तक सुलझाया जा सकता है। उपलब्ध जल संसाधनों तक उपभोग को सीमित करके, संसाधन पर दवाब कम किया जा सकता है।

आज हम दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र हैं, हमारी अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है, विज्ञान और तकनीक में नए मुकाम हासिल हो रहे हैं। मेट्रो ट्रेन, डिजिटल पेमेंट, सैटेलाइट मिशन और वैश्विक मंच पर बढ़ता प्रभाव हमें गर्व से भर देता है। लेकिन इस चमक के पीछे एक सच छुपा है-हमारी आजादी अब भी अधूरी है। यह अधूरापन केवल गरीबी या बेरोजगारी का नहीं, बल्कि शुद्ध हवा-पानी जैसी मूलभूत जरूरतों से जुड़ी सोच, व्यवस्था और व्यवहार में गहरे बैठी असमानताओं का है। हमने अंग्रेजी शासन से मुक्ति पाई, लेकिन अगर हमारे बच्चे दूषित हवा में सांस लें और जहरीला पानी पिएं, तो यह कैसी आजादी है? आजादी का वास्तविक अर्थ तभी होगा जब हर नागरिक को स्वच्छ हवा और शुद्ध पानी मिले। 78वां स्वतंत्रता दिवस केवल झंडा फहराने और भाषण देने का नहीं, बल्कि जीवनदायिनी संसाधनों की रक्षा का संकल्प लेने का अवसर है। अपने घर, मोहल्ले और कार्यस्थल पर पानी बचाने की आदत डालें। प्लास्टिक का उपयोग कम करें। वर्षा जल संचयन करें। प्रदूषण फैलाने वाली गतिविधियों का विरोध करें। वृक्षारोपण को जीवन का हिस्सा बनाएं। क्योंकि हवा और पानी की आजादी ही जीवन की सच्ची आजादी है।

संपादकीय

करे कोई, भरे कोई

पुराने वाहन मालिकों के लिए सुप्रीम कोर्ट ने राहत भरा आदेश दिया है। दिल्ली-एनसीआर में दस साल पुराने ड़ीजल व पंद्रह साल पुराने पेट्रोल वाहनों पर प्रतिबंध लगाने वाले आदेश पर रोक लगा दी है। आदेश है कि चार हफ्ते बाद होने वाली सुनवाई से पहले किसी भी वाहन मालिक के खिलाफ सिर्फ वाहन के पुराना होने के कारण दंड़ात्मक कार्रवाई नहीं की जाए। अक्टूबर, 2018 में एनजीटी यानी नैशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के आदेशानुसार पुराने वाहनों को सड़कों पर चलने की अनुमति न देने व अनुपालन न करने की स्थिति में वाहनों की जब्ती पर रोक लगाने के फैसले को वापस लेने वाली याचिका पर सुनवाई हुई। नवम्बर, 2014 में ट्रिब्यूनल ने कहा था कि यह निर्देश बिना किसी अपवाद के सभी वाहनों, यानी दो पहिया, तीन/चार पहिया व हल्के-भारी वाहनों वाणिज्य व अन्य सभी पर लागू होगा। 2023-24 के एक सर्वे के अनुसार दिल्ली में तकरीबन अस्सी लाख गाड़ियां हैं जो न सिर्फ हानिकारक गैस उत्सर्जित करती हैं, बल्कि धूल भी बड़ी मात्रा में उड़ाती हैं। दिल्ली में 12प्र. वायु प्रदूषण के लिए वाहनों को दोषी माना जा रहा है। इस प्रतिबंध को शीर्ष अदालत में चुनौती दी गई। बीती जुलाई में दिल्ली सरकार ने अचानक पुराने वाहनों को ईंधन न देने का निर्देश जारी कर दिया था जिसका न सिर्फ दिल्ली/एनसीआर, बल्कि देश भर में भारी विरोध हुआ। लोगों ने इसे वाहन निमार्ता कंपनियों का दबाव तक कहा तथा इसे जनता के साथ अन्याय बताया। एक लाठी से सबको हांकने वाला यह प्रतिबंध विवेकपूर्ण नहीं कहा जा सकता। प्रति दस साल के दरम्यान गाड़ी बदलना, आम भारतीय नागरिक के लिए असंभव है। बेशक, प्रदूषण का मसला हर किसी के लिए महत्त्वपूर्ण है मगर वाहन प्रदूषण पर पाबंदी लगाने के तरीके वैज्ञानिक और तकनीकी होने चाहिए। प्रदूषक वाहनों की सटीक जांच, निर्धारित तंत्रों की उचित भूमिका व उत्सर्जन का पैमाना आदि को केंद्रीय मोटर वाहन अधिनियम के तहत सख्त बनाया जाए। प्रौद्योगिकीय स्तर पर बदलाव की संभावनाओं पर विचार हो, वाहन निमार्ताओं को उत्सर्जन मानकों के प्रति अधिक जिम्मेदार बनाने संबंधी कदम उठाए जाएं ताकि वाहन मालिकों को प्रताड़ित करने की बजाय संतुलित नीति बना कर सामूहिक तौर पर जिम्मेदारी वहन की जा सके। लापरवाह सरकारों व सिस्टम को अपनी असफलताओं व कोताहियों का सारा दारोमदार नागरिकों पर लादने का खमियाजा भुगतने के लिए भी तैयार होना चाहिए।

चिंतन-मनन

निष्ठा और सत्य

निष्ठा अविभाजित मन, अविभाजित चेतना का स्वभाव है। ईश्वर में तुम्हारी निष्ठा है, उसे जानने का प्रयत्न मत करो। आत्मा में तुम्हारी निष्ठा है, उसे जानने का प्रयत्न मत करो। जिसमें भी तुम्हारी निष्ठा है, उसे जानने की कोशिश न करो। बच्चे को मां में विश्वास है। बच्चा मां को जानने का प्रयत्न नहीं करता, उसे केवल मां में विश्वास है। जब तुममें निष्ठा है, जानने की क्या आवश्यकता है? यदि तुम प्रेम को जानने का विषय बनाते हो, प्रेम लुप्त हो जाता है। ईश्वर, प्रेम, आत्मा और निद्रा समझ के परे हैं।

यदि तुम केवल विश्लेषण करते हो, संशय उत्पन्न होता है और निष्ठा खत्म होती है। जिसमें तुम्हारी निष्ठा है, उसे जानने की या विश्लेषण करने की चेष्टा न करो। विश्लेषण दूरी पैदा करता है, संश्लेषण (संकलन) जोड़ता है। निष्ठा संकलन है, जानना विभाजन। निष्ठा और विश्वास में फर्क है, विश्वास हल्का होता है, निष्ठा ठोस, अधिक सबल। हमारे विश्वास बदल सकते हैं मगर निष्ठा अटल होती है। निष्ठा के बिना चेतना नहीं। यह दिये की लौ के समान है। निष्ठा है चेतना की शान्त, स्थायी प्रकृति। निष्ठा चेतना का स्वभाव है। सत्य वह है जो बदलता नहीं। अपने जीवन को देखो और पहचानो कि वह सब जो बदल रहा है, सत्य नहीं। इस दृष्टि से देखने पर तुम पाओगे कि तुम केवल असत्य से घिरे हुए हो। असत्य को पहचानने पर तुम उससे मुक्त होते हो। जब तक तुम असत्य को पहचानोगे नहीं, उससे मुक्त नहीं हो सकते। स्वयं के जीवन के अनुभव तुम्हें तुम्हारे असत्यों की पहचान कराते हैं। जैसे-जैसे जीवन में परिपक्वता आती है, तुम पाते हो कि सभी कुछ असत्य है- घटनाएं, परिस्थितियां, लोग, भावनाएं, विचार, मत-धारणाएं, तुम्हारा शरीर-सभी असत्य है। और तभी सच्चे अर्थ में सत्संग (सत्य का संग) होता है। मां के लिए बच्चा तब तक असत्य नहीं है जब तक बालिग नहीं हो जाता। बच्चे के लिए मिठास असत्य नहीं और किशोर के लिए सैक्स असत्य नहीं। ज्ञान यदि शब्दों तक सीमित है, तो वह असत्य है। परंतु अस्तित्व के रूप में यह सत्य है। प्रेम भावना के रूप में सत्य नहीं, अस्तित्व के रूप में यह सत्य है।

निष्काम कर्म योगी अटल बिहारी वाजपेई की पुण्यतिथिःसाधारण सा दिखने वाला असाधारण महापुरुष

मुकेश तिवारी

पाठशाला से लेकर कॉलेज तक ओजस्वी और चुटीले भाषण व वाद विवाद प्रतियोगिता में निरंतर भागीदारी ने अटल जी के व्यक्तित्व के उस पहलू को सबसे ज्यादा निखारा जो उनकी लोकप्रियता का सबसे बड़ा आधार था ।अटल जी ने वाणी की ओजस्वता के साथ कलम की तेजस्विता का बखूबी समन्वय किया,अटल जी ने पांचजन्य व राष्ट्रधर्म का संपादन भी किया। दिलचस्प बात यह है कि अटल जी सिर्फ संपादकीय ही नहीं लिखते थे ,बल्कि लखनऊ में आमीनाबाद की मारवाड़ी गली में पंडित दीनदयाल उपाध्याय के साथ राष्ट्रधर्म के बंडल भी बाधते थे।वे संयुक्त राष्ट्र में हिंदी में भाषण देने वाले पहले भारतीय नेता थे, इतना ही नहीं उन्होंने 1998में परमाणु विस्फोट का निर्णय कर भारत को नई पहचान दी,

25दिसम्बर2014को अटल जी को भारत रत्न से सम्मानित किए जाने का केन्द्र सरकार द्वारा फैसला किया गया और 27 मार्च 2015को तत्कालीन राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने स्वयं उनके दिल्ली स्थित आवास पर पहुंचकर भारत रत्न से सम्मानित किया था,

राजनीति और लोकप्रियता में हर समकालीन से काफी ऊंचे भारत रत्न से सम्मानित और तीन बार देश के प्रधानमंत्री रहे अटल बिहारी वाजपेई ने देश के आजाद होने से पूर्व और आजाद होने के पश्चात अपना संपूर्ण जीवन देश और देशवासियों के कल्याण के लिए समर्पित कर दिया उनकी वाणी से असाधारण शब्दों को सुनकर जनसामान्य उत्साहित होते रहे और उनके कार्यों से हिंदुस्तान का मस्तक ऊंचा हुआ ,को परमपिता परमेश्वर ने वह रुखियाई कभी नहीं दी जो शिखर पर बैठे लोगों में देखने को अक्सर मिलती है ।कड़वा सच तो यह है कि यही अद्भुत कला उनके जन जन का लोकप्रिय नेता होने की सबसे अहम वजह थी।

व्यक्तित्व के रोम- रोम में रची बसी ठेठ भारतीय संस्कृति भोजन से लेकर व्यवहार तक खालिस स्थान भारतीय संस्कार राजनीति की रपटीली राह पर सरपट चलते हुए भी साहित्य से गहरा नाता ,अनुभवों को पंक्तियों में ढाल लेने की कवित्व प्रतिभा यह सब अटल जी के ही व्यक्तित्व के आयाम थे ।इन्हीं गुणों ने उन्हें जमीनी नेता बनने में अहम भूमिका अदा की।

25 सितंबर 1924 को ग्वालियर के शिंदे की छावनी में कमल सिंह का बाग स्थित कृष्ण बिहारी वाजपेई के घर में जब अटल जी जन्मे उसे दिन क्रिसमस का दिन था। गिरजाघर की घंटियों के मध्य अटल जी के घर में थाली बजी थी । उनके पिता उत्तर प्रदेश के बटेश्वर से ग्वालियर रियासत में शिक्षक की नौकरी करने आए थे। मां कृष्णा की अटल सातवीं में संतान थे। धार्मिक और ज्योतिषी बाबा श्यामलाल वाजपेई के संस्कारों बटेश्वर मंदिर में देवी प्रार्थना और घुट्टी में मिली रामचरितमानस ने अटल जी को उतना ही धार्मिक बनाया जितना एक सामान्य भारतीय होता है ।घनाक्षरी व सवैया छंदों के महारथी पिता कृष्ण बिहारी वाजपेई ने अटल जी को जो संस्कार दिए वह बचपन से लेकर चाहे वह आपातकाल की जेल यात्रा हो या फिर राजनीतिक जीवन के उतार चढ़ाव हर जगह काम आते रहे।

मध्यवर्ग की शिक्षक के बेटे अटल को चरित्र का जो पाठ पढ़ाया गया था वहां उनकी अंतिम सांस तक साथ रहा ।पिता द्वारा पारिवारिक गुरु से अटल जी की पट्टी पुजाई और फिर प्रारंभ हुई शिक्षक पिता की अपने बेटे को दीक्षा। गोरखी स्कूल से मिडिल और ग्वालियर के विक्टोरिया कॉलेज से जो वर्तमान में एम एल बी कॉलेज कहलाता है से ग्रेजुएशन किया। कानपुर के डीएवी कॉलेज से राजनीति शास्त्र से ग्रेजुएशन किया।अटल जी ने कानून की तालीम अपने पिता के साथ की। दोनों एक साथ हॉस्टल में रहते थे और एक साथ ही कालेज में जाते थे । हालांकि बीच में उन्हें कानून की पढ़ाई छोड़ने पड़ी ।अटल जब क्लास में नहीं होते तो प्रोफेसर पूछ बैठे पंडित जी आपके साहबजादे कहां है। वह जवाब देते कमरे की कुंडली लगाकर आते ही होंगे।

15 साल की आयु में ही अटल जी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ गए थे। नारायण राव तरटे उस वक्त ग्वालियर में प्रचारक थे ।वाजपेई जी के जीवन में आए हुए सबसे महत्वपूर्ण लोगों में नारायण राव तराटे भी है ।संघ के संस्कारों में अटल जी ने बच्चन के चर्चित गीत मिट्टी का तन क्षण भर जीवन मेरा परिचय के आधार पर अपनी जग प्रसिद्ध कविता लिखी जो उन्होंने 1942 में लखनऊ के कालीचरण हाई स्कूल में लगे शिविर में पहली बार प्रस्तुत की थी। उक्त कविता थी ।हिन्दू तन मन हिन्दू जीवन रग रग हिन्दू मेरा परिचय।

अटल जी ने बी ए में हिंदी ,संस्कृत और अंग्रेजी तीनों साहित्य एक साथ पढे जो उन दिनों सिर्फ आगरा विश्वविद्यालय में ही पढ़ाई जाते थे ।अटल जी ने एम ए में विश्वविद्यालय में द्वितीय स्थान प्राप्त किया और अपनी वाक प्रतिभा और निखरी तथा उन्हें कानपुरिया तहजीब की ठसक के साथ कन्नौजी और बैसवारी भाषा के संस्कार मिले । किशोरवस्था में पहली बार रटकर भाषण देने की छूट होने के बावजूद अटल जी ने प्रत्युत्पन्नमति के आधार पर भाषण देने की जो गांठ बांधी थी वह फरवरी 2009 में ब्रेन स्ट्रोक होने के पूर्व तक उनके साथ रही । स्कूल से लेकर कॉलेज तक ओजस्वी और चुटीले भाषण व बाद विवाद प्रतियोगिता में निरंतर भागीदारी ने अटल जी के व्यक्तित्व के उस पहलू को सबसे ज्यादा निखारा जो उनकी लोकप्रियता का सबसे बड़ा आधार था। अटल जी की वक्तव्य शैली के कारण लाखों लोग उनके भाषणों को तन्मयता और तल्लीनता के साथ सुनते थे।

कृष्ण के आदर्श और भारतीय संस्कृति में उनका महत्व

योगेश कुमार गोयल

श्रीकृष्ण की लीलाओं में जीवन का संदेश...
भाद्रपक्ष कृष्णाष्टमी का दिन सम्पूर्ण भारतवर्ष में हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है। मान्यता है कि मथुरा के कारागार में वसुदेव की पत्नी देवकी ने इसी दिन अपने आठवें पुत्र रूप में भगवान श्रीकृष्ण को जन्म दिया था। यह पर्व भारतीय संस्कृति, धर्म, दर्शन और जीवन मूल्यों का जीवंत उत्सव है। जन्माष्टमी की तिथि को लेकर इस बार कुछ भ्रम उत्पन्न हुआ था। द्रिक पंचांग के अनुसार, 15 अगस्त की रात 11 बजकर 49 मिनट से भाद्रपद माह की कृष्णाष्टमी प्रारंभ हो रही थी, जो 16 अगस्त की रात 9 बजकर 24 मिनट तक रहेगी जबकि रोहिणी नक्षत्र 17 अगस्त की सुबह प्रारंभ होगा। विद्वानों का मत है कि जब अष्टमी तिथि और रोहिणी नक्षत्र का मिलन नहीं हो रहा हो, तब उदयातिथि को मान्यता देकर उत्सव मनाया जाए। इस दृष्टिकोण के अनुसार, इस वर्ष जन्माष्टमी 16 अगस्त को ही मनाई जाएगी।

भगवान श्रीकृष्ण का जन्म केवल एक ऐतिहासिक या धार्मिक घटना नहीं बल्कि मानव जीवन के लिए गहन संदेश और आदर्श जीवन का प्रारूप है। उनके बाल्यकाल से लेकर जीवन के प्रत्येक क्षण में लीलाओं का अद्भुत श्रृंगार दिखाई देता है। उन्होंने अपने बड़े भाई बलराम का घमंड तोड़ने के लिए हनुमान जी का आव्हान किया, जिन्होंने बलराम की वाटिका में जाकर उनका घमंड चूर कर दिया। श्रीकृष्ण ने नरकासुर नामक असुर के कारागार से 16,100 बंदी महिलाओं को मुक्त कराया, जिन्हें समाज ने बहिष्कृत कर दिया था। उन सभी महिलाओं को उन्होंने अपनी रानियों का दर्जा देकर सम्मानित किया। ये लीलाएं न केवल अद्भुत हैं बल्कि जीवन के नैतिक और सामाजिक संदेश भी देती हैं।

पौराणिक कथाओं के अनुसार, द्वापर युग के अंत में मथुरा में अग्रसेन नामक राजा का शासन था। उनके पुत्र कंस अत्यंत क्रूर और अत्याचारी थे। कंस बलपूर्वक अपने पिता का सिंहासन छीनकर स्वयं मथुरा का राजा बन गया। उसकी बहन देवकी का विवाह वसुदेव के साथ हुआ। विवाह के समय कंस को आकाशवाणी हुई कि देवकी का आठवां पुत्र उसका संहारक बनेगा। भयभीत कंस ने देवकी और वसुदेव को कारागार में डाल दिया। पहले सात पुत्रों को कंस ने मार डाला। जब आठवें गर्भ की सूचना मिली तो कंस ने कारागार की सुरक्षा और पहरे कड़े कर दिए। अंततः वह क्षण आया, जब देवकी ने श्रीकृष्ण को जन्म दिया। उस समय मथुरा में घोर अंधकार और मूसलाधार वर्षा हो रही थी। देवकी के गर्भ से जन्म लेते ही कोठरी में अलौकिक प्रकाश फैल गया और वसुदेव ने देखा कि उनके सामने शंख, चक्र, गदा और पद्मधारी चतुर्भुज भगवान खड़े हैं। उनके दिव्य रूप के दर्शन कर वसुदेव और देवकी उनके चरणों में गिर पड़े। भगवान ने वसुदेव से कहा कि वे बालक का रूप धारण करेंगे और तुरंत गोकुल में नंद के घर पहुंचा दें, जहां एक कन्या का जन्म हुआ है। उसी कन्या को कंस को सौंप दें। उनकी माया से कारागार के सभी ताले और पहरेदार सो रहे थे और यमुना ने मार्ग सुरक्षित कर दिया।

वसुदेव ने भगवान की आज्ञा का पालन किया और शिशु कृष्ण को सिर पर उठा लिया। यमुना में प्रवेश करते ही जल उनके चरणों के स्पर्श से हिलोरें लेने लगा और जलचर उनके चरणों के दर्शन के लिए उमड़ पड़े। गोकुल पहुंचकर वसुदेव ने नंद बाबा के घर सोई हुई कन्या को उठाया और उसकी जगह श्रीकृष्ण को लिटा दिया। कारागार में लौटकर वसुदेव ने देखा कि ताले अपने आप बंद हो गए और पहरेदार जाग गए। कंस को जैसे ही कन्या के जन्म का समाचार मिला, वह तुरंत कारागार पहुंचा। उसने कन्या को मारने का प्रयास किया लेकिन कन्या अचानक आकाश में उठ गई और कहा कि उसका संहारक गोकुल में सुरक्षित है। कंस ने भगवान को मारने के लिए कई राक्षस भेजे लेकिन भगवान श्रीकृष्ण ने प्रत्येक राक्षस का वध कर कंस का अंत किया। इसके बाद उन्होंने उग्रसेन को राजगद्दी पर बिठाया और अपने माता-पिता वसुदेव और देवकी को कारागार से मुक्त कराया। तभी से जन्माष्टमी का पर्व धूमधाम से मनाया जाने लगा।

भगवान श्रीकृष्ण का जीवन न केवल लीलाओं से भरा है बल्कि गहन जीवनदर्शन और मूल्य शिक्षा का स्रोत भी है। उनके बाल्यकाल की शरारतें, माखन चोरी, कालिया नाग का मर्दन, गोपियों के साथ रास लीला, इन सभी लीलाओं में प्रेम, साहस, न्याय और करुणा का संदेश निहित है। किशोरावस्था में उनका प्रेम और मित्रता का आदर्श और युवावस्था में उनका कूटनीति, नेतृत्व और धर्म की रक्षा का दृष्टांत हमें जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में मार्गदर्शन देता है। श्रीकृष्ण की लीलाओं में करुणा और न्याय का अद्भुत मिश्रण दिखाई देता है। पूतना राक्षसी के विष से भरे स्तन का दूध पीते समय भी श्रीकृष्ण ने उसे मां का सम्मान दिया जबकि उसकी दुष्टता के लिए उसका वध किया। नरकासुर वध और कारागार से 16,100 महिलाओं को मुक्त कर सम्मान देना इस बात का प्रमाण है कि उनका जीवन केवल व्यक्तिगत विजय का नहीं बल्कि समाज और धर्म की रक्षा का प्रतीक था।

द्वारका के राजा के रूप में उन्होंने 36 वर्षों तक शासन किया। उनके जीवन में धर्म, सत्य, न्याय, प्रेम, वीरता और करुणा का संतुलन स्पष्ट दिखाई देता है। भगवान श्रीकृष्ण केवल भक्तों को अपने प्रेम और माधुर्य के बंधन में नहीं बांधते बल्कि मोह-माया के बंधनों से भी मुक्त करते हैं। उनके व्यक्तित्व में कुशल नेतृत्व, योग, साहस, नीति और दैवीय गुणों का अद्भुत संगम है। जन्माष्टमी का पर्व हमें स्मरण कराता है कि जीवन में धर्म और न्याय के मार्ग पर चलना ही सर्वोपरि है। श्रीकृष्ण के आदर्श जीवन में हमें यह प्रेरणा मिलती है कि अन्याय और अधर्म के खिलाफ खड़ा होना हर युग का धर्म है। उनका व्यक्तित्व हमें सिखाता है कि प्रेम, मित्रता, भक्ति और करुणा के मार्ग पर चलना जीवन का सर्वोत्तम उद्देश्य है।

भारतीय संस्कृति में श्रीकृष्ण का स्थान केवल देवता का प्रतीक नहीं बल्कि आदर्श मानव और मार्गदर्शक के रूप में भी है। उनके बाल्यकाल, किशोरावस्था और युवावस्था की लीलाओं में जीवन के प्रत्येक आयाम का दर्शन मिलता है। माखन चोरी और गोवर्धन पर्वत उठाना हमें साहस और भक्ति की शिक्षा देता है। रास-लीला और गोपियों के साथ उनके संवाद मानवीय संबंधों और प्रेम की गहनता का प्रतीक हैं। युवावस्था में युद्धभूमि में उनका नेतृत्व और न्याय की स्थापना यह दशार्ता है कि धर्म और कर्त्तव्य के मार्ग पर चलना अनिवार्य है। उनकी शिक्षाओं का सार आज भी उतना ही प्रासंगिक है, जितना हजारों वर्ष पूर्व था। जीवन की कठिनाईयों में संतुलन बनाए रखना, मित्रता और करुणा का पालन करना, धर्म की रक्षा करना और आत्मा की उन्नति हेतु भक्ति का मार्ग अपनाना, यही श्रीकृष्ण का संदेश है। उनका जीवन हमें बताता है कि सच्ची भक्ति, अद्भुत नेतृत्व क्षमता और मानवता का संगम ही जीवन का सर्वोत्तम आदर्श है और अधर्म के खिलाफ खड़ा होना, धर्म की रक्षा करना तथा प्रेम, मित्रता और करुणा के मार्ग पर चलना प्रत्येक व्यक्ति का धर्म है। श्रीकृष्ण के आदर्शों को अपनाकर ही हम अपने जीवन और समाज को श्रेष्ठ बना सकते हैं। श्रीकृष्ण का व्यक्तित्व हमें याद दिलाता है कि जीवन का सार प्रेम, भक्ति, न्याय और धर्म में है। उनके आदर्श जीवन का मार्गदर्शन हैं और उनकी लीलाओं का स्मरण हमें अपने आचरण और जीवन निर्णयों में प्रेरित करता है। भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति और उनके आदर्श भारतीय जनमानस के हृदय में सदैव जीवित रहेंगे।

संक्षिप्त समाचार

चेक गणराज्य के राष्ट्रपति से चीन ने खत्म किए रिश्ते

बीजिंग, एजेंसी। चीन ने मंगलवार को चेक गणराज्य के राष्ट्रपति पेट्र पावेल के साथ सभी संबंध समाप्त करने की घोषणा की है। चीन ने यह फैसला राष्ट्रपति पावेल के दलाई लामा से मिलने के बाद लिया है। मुलाकात से बिलबिलाए चीनी विदेश मंत्रालय ने इस मुलाकात पर गहरा खेद और कड़ा विरोध जताते हुए चेक गणराज्य के सामने एक आधिकारिक विरोध भी दर्ज कराया है। चीन के मंत्रालय ने कहा कि पावेल ने चीन के बार-बार के विरोध और आपत्ति को नजरअंदाज करते हुए भारत में दलाई लामा से मुलाकात की। यह मुलाकात चीन की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाती है और यह राजनीतिक प्रतिबद्धता का उल्लंघन है। पेट्र पावेल ने 27 जुलाई को लद्दाख में दलाई लामा से मुलाकात की थी।

चीन के सरकारी व सैन्य सुरक्षा कार्यों में एनविडिया चिप के इस्तेमाल पर रोक

बीजिंग, एजेंसी। चीनी अधिकारियों ने स्थानीय कंपनियों से एनविडिया के एच-20 चिप का इस्तेमाल सरकारी व सुरक्षा कार्यों के लिए नहीं करने की अपील की है। एनविडिया ने कहा कि एच-20 सेना या सरकार के प्रयोग में आने वाला उत्पाद नहीं है। बयान के अनुसार, चीन के पास अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए घरेलू चिप्स की पर्याप्त आपूर्ति है। वह सरकारी कार्यों के लिए अमेरिकी चिप्स पर निर्भर नहीं रहेगा और न ही कभी रहा है। ठीक उसी तरह जैसे अमेरिकी सरकार चीन से आने वाले चिप्स पर निर्भर नहीं रहेगी। बता दें कि अमेरिका ने पिछले ही महीने चीन को एच-20 चिप बेचने पर लगा प्रतिबंध हटाया था।

पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की पैरवी को लेकर वरिष्ठ वकील की याचिका अदालत से खारिज

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की एक विशेष अदालत ने मंगलवार को वरिष्ठ वकील जेडआई खान पन्ना की याचिका को खारिज कर दिया। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की ओर से पैरवी करने की अनुमति मांगी थी। हसीना पर मानवता के खिलाफ अपराध के आरोप में अनुपस्थित रहते हुए मुकदमा चल रहा है। देश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी-बीडी) के अध्यक्ष गुलाम मुर्तजा मजूमदार ने कहा, राज्य ने शेख हसीना के लिए एक वकील नियुक्त कर दिया है, यह मामला खत्म हो चुका है। उन्होंने कहा कि यह तय करना न्यायाधिकरण का काम है कि कौन वकील नियुक्त होगा।

ट्रंप से मुलाकात से पहले पुतिन ने उत्तर कोरियाई नेता से की बात

मास्को, एजेंसी। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच फोन पर बात हुई। दोनों नेताओं की यह बातचीत ऐसे समय हुई, जब पुतिन 15 अगस्त को अलास्का में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप से मिलने वाले हैं। दोनों नेताओं के बीच यूक्रेन युद्ध पर बात होगी। पुतिन और किम के बीच हुई बातचीत में दोनों देशों के संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा हुई। कोरिया के सरकारी मीडिया के अनुसार, बातचीत में पुतिन ने उत्तर कोरियाई सैनिकों की बहादुरी और आत्म बलिदान की भावना की जमकर तारीफ की। गौरतलब है कि उत्तर कोरिया के कई सैनिकों ने रूस की तरफ से यूक्रेन युद्ध में लड़ाई लड़ी। बातचीत में पुतिन ने उत्तर कोरियाई नेता के साथ ट्रंप के साथ होने वाली बैठक को लेकर भी जानकारी साझा की। किम ने पुतिन से कहा कि प्योंगयांग भविष्य में भी रूसी नेतृत्व द्वारा उठाए जाने वाले सभी कदमों का पूरा समर्थन करेगा। उन्होंने पिछले साल शिखर सम्मेलन के दौरान हुई रणनीतिक साझेदारी के तहत सभी क्षेत्रों में संबंधों को आगे बढ़ाने पर भी चर्चा की।

भारत और पाकिस्तान दोनों के साथ संबंधों में कोई बदलाव नहीं हुआ है-टैमी ब्रूस

वाशिंगटन, एजेंसी। पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर के हालिया अमेरिका दौरे के दौरान दिए गए परमाणु युद्ध के धमकी भरे बयान के बाद अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि उसका भारत और पाकिस्तान दोनों के साथ संबंधों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने कहा कि अमेरिकी कूटनीतिक दल दोनों देशों के प्रति समान रूप से प्रतिबद्ध है।

जनरल मुनीर बीते दो महीनों में दूसरी बार अमेरिका पहुंचे थे। उसने वॉशिंगटन से बयान देते हुए भारत पर परमाणु हमला करने और आधी दुनिया को तबाह करने की धमकी दी थी। यह माना जा रहा है कि यह पहली बार है जब किसी तीसरे देश को अमेरिकी धरती से परमाणु हमले की खुली चेतावनी दी गई है। ब्रूस ने इस मौके पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस दावे को भी दोहराया, जिसमें उन्होंने हालिया भारत-पाकिस्तान सैन्य संघर्ष के बाद अमेरिका की सुलह में भूमिका को बहुत गर्व का पल बताया था। ब्रूस ने कहा, हमने तुरंत उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, राष्ट्रपति ट्रंप और विदेश मंत्री मार्को रुबियो के साथ मिलकर हमलों को रोकने और दोनों पक्षों को साथ लाने का काम किया। यह हमारे लिए गर्व का क्षण है।इस दौरान उनसे पूछा गया कि क्या ट्रंप और मुनीर की मुलाकात के बाद अमेरिका पाकिस्तान को अधिक सैन्य मदद और हथियार बिक्री करेगा। इस सवाल के जवाब में ब्रूस ने कहा, हमारा भारत और पाकिस्तान दोनों के साथ संबंध अच्छे हैं और अपरिवर्तित रहेंगे। हमारे राजनयिक दोनों देशों के प्रति प्रतिबद्ध हैं। ब्रूस ने मंगलवार को इस्लामाबाद में हुई अमेरिका-पाकिस्तान काउंटर-टेररिज्म डायलॉग का उल्लेख करते हुए बताया कि दोनों देशों ने हर प्रकार के आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में साझा प्रतिबद्धता दोहराई है।

जापान की आबादी में लगातार गिरावट

2024 में आबादी में 9 लाख से ज्यादा की गिरावट आ गई

टोक्यो, एजेंसी। दुनिया के ऐसे कई देश हैं, जहां आबादी का संकट गहरा रहा है। इनमें भारत का मित्र देश जापान प्रमुख है, जहां आबादी लगातार 16वें साल गिरी है। 2024 में जापान की आबादी में 9 लाख से ज्यादा की गिरावट आ गई। इसका अर्थ हुआ कि देश में पैदा होने वाले लोगों से कहीं ज्यादा संख्या मरने वालों की है। यदि ऐसी ही स्थिति जारी रही तो जापान आने वाले कुछ सालों में अस्तित्व के संकट से जूझ रहा होगा। जापान को स्वस्थ लोगों और दीर्घायु जीवन के लिए जाता है। लेकिन लगातार युवा आबादी कम होना और बुजुर्गों की संख्या में इजाफा होना वहां के स्वास्थ्य ढांचे पर भी बोझ बढ़ा रहा है।

ऐसे हालात को जापान के पीएम शिगेरू इशिबा ने साइलेंट इमरजेंसी करार दिया है। उनका कहना है कि देश में इंसानों की आबादी का संकट गहरा रहा है। उन्होंने कहा कि हम फैमिली फ्रेंडली पॉलिसीज पर और फोकस करेंगे, जैसे फ्री चाइल्डकेयर और वर्किंग आवर्स के मामले में लचीला रुख अपनाया जाएगा। अब भी जापान में ऐसी कई नीतियां हैं, लेकिन महिलाएं ज्यादा बच्चे पैदा करने के लिए राजी नहीं हैं। यही नहीं जापान में महिलाओं की ऐसी बड़ी संख्या है, जिन्होंने एक भी बच्चे को जन्म नहीं दिया है और ना ही देना चाहती हैं।

जापान में फिलहाल जन्मदर 1.2 है। डराने वाला आंकड़ा यह है कि वर्ष 2024 में जापान में सिर्फ 6,86,061 बच्चों का ही जन्म हुआ तो वहीं 1.6 मिलियन लोगों की मौत हो गई। इस तरह पैदा होने वालों की तुलना में 10 लाख ज्यादा लोगों की मौत हो गई। सीधे-सीधे कहें तो एक बच्चा पैदा हुआ तो दो लोग मर गए। फिलहाल जापान की आबादी 12 करोड़ है और यदि इसी तरह संख्या में कमी आती रही तो देश में मानव संसाधन का ही संकट पैदा हो जाएगा। इससे अर्थव्यवस्था से लेकर सामान्य मानवीय जीवन तक कठिन होगा। जापान में बीते 125 सालों के इतिहास में 2024 में सबसे कम बच्चे पैदा हुए हैं।

इसके अलावा यह लगातार 16वां साल है, जब जापान की आबादी में इतनी बड़ी गिरावट आई है। यह स्थिति तब है, जबकि जापान में बड़ी संख्या में विदेशी बस गए हैं। 1 जनवरी, 2025 के डेटा के अनुसार जापान की कुल आबादी में 3 फीसदी हिस्सेदारी बाहरी लोगों की है। बीते एक साल के अंदर ही जापान की कुल आबादी में 0.44 फीसदी की कमी आई है।

साउथ कोरिया की पूर्व फर्स्ट लेडी भ्रष्टाचार केस में गिरफ्तार

सियोल, एजेंसी। साउथ कोरिया की पूर्व फर्स्ट लेडी किम की-हुई को मंगलवार (12 अगस्त) को भ्रष्टाचार के आरोपों में गिरफ्तार कर लिया गया। अदालत में करीब पांच घंटे की सुनवाई के बाद कोर्ट ने उनकी गिरफ्तारी का वारंट जारी किया। अभियोजन पक्ष का कहना है कि किम ने भ्रष्टाचार मामले की जांच में हस्तक्षेप किया। उन पर स्टॉक फ्रॉड, रिश्वत लेने और गैरकानूनी दबाव डालने जैसे गंभीर आरोप हैं।

गिरफ्तारी के बाद अब किम अपने पति और पूर्व राष्ट्रपति यून सुक-योल के साथ जेल में होंगी। योल मार्शल लॉ लगाने के मामले में मुकदमे का सामना कर रहे हैं।किम एक पशु अधिकार कार्यकर्ता के रूप में भी जानी जाती हैं और उन्होंने अपने पति के राष्ट्रपति कार्यकाल में देश में कुत्ते के मांस की खपत खत्म करने का वादा किया था। मई 2024 में उन्हें पैरोल मिली थी। 2022 में स्पेन में हुए नाटो समिट में उनकी मौजूदगी के बाद उन्हें अंतरराष्ट्रीय मीडिया ने फैशन आइकन कहा था।

किम और यून की शादी 2012 में हुई थी। उनके कोई बच्चे नहीं हैं, लेकिन उनके पास करीब छह कुत्ते और पांच बिल्लियां हैं। 2022 में यून के

राष्ट्रपति चुने जाने के बाद किम ने खुद को फर्स्ट लेडी के बजाय राष्ट्रपति की पत्नी' कहलाना पसंद किया था। किम जब स्कूल में थीं तब उनके पिता का निधन हो गया था। उनकी मां, चोई यू-सन, पर बिना मेडिकल लाइसेंस के वृद्धाश्रम चलाने का आरोप लगा था, जिसमें वह बरी हो गईं, लेकिन एक रियल एस्टेट धोखाधड़ी मामले में उन्हें सजा हुई।

पहली बार ऐसा : विश्लेषकों का कहना है कि यह घटना दक्षिण कोरिया की राजनीति में भ्रष्टाचार विरोधी सख्ती का संकेत है। साउथ कोरिया में पहले भी कई पूर्व राष्ट्रपतियों पर मुकदमे हुए हैं, लेकिन पति-पत्नी दोनों का एक साथ सलाखों के पीछे जाना इतिहास में पहली बार है। यह देश की राजनीतिक संस्कृति, न्यायपालिका की स्वतंत्रता और सत्ता में बैठे लोगों की जवाबदेही पर गंभीर बहस छेड़ सकता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह मामला खासा सुर्खियां बटोर रहा है, क्योंकि साउथ कोरिया की छवि एक सख्त लोकतांत्रिक और पारदर्शी देश की रही है। वहीं, विपक्ष इसे सरकार का प्रतिशोध बता रहा है।

इससे पहले भी राष्ट्रपतगिए जेल : 2004 - रोह मू-ह्यून राष्ट्रपति रहते हुए महाभियोग का सामना किया। हालांकि बाद में बहाल हो गए। बाद में 2009 में भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच के बीच उन्होंने आत्महत्या कर ली।

2008 - ली म्युंग-बाक को 2018 में रिश्वतखोरी और गबन के आरोप में 15 साल की सजा सुनाई गई। 2022 में स्वास्थ्य आधार पर अस्थायी रिहाई मिली।

2017-पार्क ग्युन-हे को भ्रष्टाचार और सत्ता के दुरुपयोग के मामले में 25 साल की सजा। 2021 में राष्ट्रपति माफी के तहत रिहाई मिली।

2023 - मून जे-इन पर कार्यकाल खत्म होने के बाद भाई पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे, लेकिन खुद जांच से बचे।

मैक्सिको ने 26 ड्रग कार्टेल सरगनाओं को किया अमेरिका के हवाले; ट्रंप प्रशासन के भारी दबाव के बाद कार्रवाई

न्यूयॉर्क, एजेंसी। मैक्सिको ने एक बड़े सुरक्षा अभियान के तहत 26 कुख्यात ड्रग कार्टेल सरगना और अपराधियों को अमेरिका को सौंप दिया है। यह कदम ट्रंप प्रशासन के साथ हुए समझौते के तहत उठाया गया है। इन सभी पर मादक पदार्थों की तस्करी, हत्या और अन्य गंभीर अपराधों के आरोप हैं।

सूत्रों के मुताबिक, अमेरिका को सौंपे गए लोगों में अबीगेल गोंजालेज वेलेंसिया भी शामिल हैं, जो लॉस कुइनिस गैंग के नेता हैं। यह गैंग मैक्सिको के सबसे खतरनाक कार्टेल, जलिस्को न्यू जेनरेशन कार्टेल (सीजेएनजी) से जुड़ा हुआ है। एक अन्य आरोपी रोबर्टो सालाजार पर 2008 में लॉस एंजेलिस काउंटी के एक शेरिफ डिप्टी की हत्या का आरोप है। अमेरिकी न्याय विभाग ने आश्वासन दिया है कि इन मामलों में मृत्युदंड की मांग नहीं की जाएगी।

यह पहली बार नहीं है जब मैक्सिको ने इतने बड़े स्तर पर कार्टेल सरगना सौंपे हैं। इसी साल फरवरी में भी मैक्सिको ने 29 अपराधियों को अमेरिका को सौंपा था, जिनमें कुख्यात ड्रग माफिया राफेल कारो क्विंटेरो भी शामिल था। उस समय यह कार्रवाई ट्रंप प्रशासन के दबाव में हुई थी, जब मैक्सिकन आयात पर 25% टैरिफ लागू होने वाला था। हाल ही में ट्रंप और मैक्सिकन राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम के बीच हुई बातचीत के बाद 30% टैरिफ को 90 दिनों के लिए टाल दिया गया।

मैक्सिको का रुख : यह पहली बार नहीं है जब मैक्सिको ने इतने बड़े स्तर पर कार्टेल सरगना सौंपे हैं। इसी साल फरवरी में भी मैक्सिको ने 29 अपराधियों को अमेरिका को सौंपा था, जिनमें कुख्यात ड्रग माफिया राफेल कारो क्विंटेरो भी शामिल था। उस समय यह कार्रवाई ट्रंप प्रशासन के दबाव में हुई थी, जब मैक्सिकन आयात पर 25% टैरिफ लागू होने वाला था।

लॉस एंजिलिस में बुजुर्ग सिख व्यक्ति को बेरहमी से पीटा, पुलिस ने घृणा अपराध मानने से किया इनकार

लॉस एंजिलिस, एजेंसी। अमेरिका के लॉस एंजेलिस में एक बुजुर्ग सिख व्यक्ति को बेरहमी से पीटने का मामला सामने आया है। हमले में बुजुर्ग के सिर में फ्रैक्चर और संभावित मस्तिष्क आघात हुआ है। अधिकारियों ने बताया कि हमले के संदिग्ध आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने बताया कि घटना 4 अगस्त की है, जब 70 वर्षीय बुजुर्ग हरपाल सिंह लॉस एंजिलिस में सिख गुरुद्वारे के पास सैर कर रहे थे। उसी दौरान एक रिचर्ड विटाग्लियानो नामक व्यक्ति ने हरपाल सिंह पर हमला कर दिया। रिचर्ड बेघर है।

घृणा अपराध न मानने पर लोगों में नाराजगी : लॉस एंजिलिस पुलिस ने मंगलवार को बताया कि 44 वर्षीय विटाग्लियानो को हरपाल सिंह पर निर्मम हमले के लिए सोमवार को गिरफ्तार किया गया। विटाग्लियानो पर घातक हथियार से हमला करने का मामला दर्ज किया गया है और उसकी जमानत 11 लाख अमेरिकी डॉलर तय की गई है। वहीं सिख अधिकार समूह द सिख कोलिशन ने कहा कि सिंह पर हुए क्रूर हमले के लिए संदिग्ध हिरासत में है, लेकिन पुलिस इस मामले की घृणा अपराध के रूप में जांच नहीं कर रही है। संगठन और समुदाय के कई लोगों ने इसे घृणा अपराध न मानने पर नाराजगी जताई। हमले के दौरान हरपाल सिंह को बहुत गंभीर चोटें आई हैं और उनकी हालत गंभीर बनी हुई है।

संपत्ति का विवाद बताया जा रहा : पुलिस ने

बताया कि हरपाल सिंह और विटाग्लियानो के बीच मारपीट हुई थी।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि उन्होंने यह नहीं देखा कि मारपीट कैसे शुरू हुई। विटाग्लियानो, सिंह पर हमला कर रहा था और जब लोगों ने हस्तक्षेप किया तो आरोपी मौके से फरार हो गया। इसके बाद हरपाल सिंह को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। फिलहाल सिंह अस्पताल में ही भर्ती हैं। विटाग्लियानो पर नशीले पदार्थों, घातक हथियार से हमले और विभिन्न हथियारों से जुड़े आरोपों का एक लंबा आपराधिक रिकॉर्ड है। इस मामले में मिले सबूतों के आधार पर, पुलिस का मानना है कि यह हमला नफरत से प्रेरित अपराध नहीं था, बल्कि पीड़ित और आरोपी के बीच संपत्ति को लेकर हुए विवाद था।

वेनेजुएलाई राष्ट्रपति की ट्रम्प को चुनौती, गिरफ्तार करके दिखाओ

कहा- मैं इंतजार कर रहा, देर मत करना, अमेरिका ने 50 मिलियन डॉलर का इनाम रखा

काराकस, एजेंसी। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प को उन्हें गिरफ्तार करने की चुनौती दी है। मादुरो ने सोमवार को एक भाषण में कहा- मुझे गिरफ्तार करने आओ, मैं यहीं मिराफ्लोरेस (राष्ट्रपति भवन) में तुम्हारा इंतजार करूंगा। देर मत करना कायरों। अमेरिका ने मादुरो पर 7 जुलाई को 50 मिलियन डॉलर यानी करीब 420 करोड़ रुपए का इनाम रखा था। अमेरिका ने मादुरो से जुड़े 700 मिलियन डॉलर से अधिक की संपत्ति जब्त की है। इसमें दो प्राइवेट जेट भी शामिल हैं।

ट्रम्प प्रशासन का आरोप है कि मादुरो ड्रग तस्कर हैं और ड्रग कार्टेल के साथ मिलकर अमेरिका में फेंटानिल मिला कोकीन भेज रहे हैं। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि मादुरो को पास 7 टन कोकीन है, जिसे वे अमेरिका भेजने की तैयारी कर रहे हैं।

मादुरो बोले- अमेरिका को करारा जवाब मिलेगा : निकोलस मादुरो ने राजधानी काराकस में राजनीतिक नेताओं और सेना प्रमुखों की मौजूदगी में अमेरिका को ऐसा न करने की चेतावनी दी। उन्होंने अमेरिकी नेताओं से कहा कि वे ऐसा करने की कोशिश भी न करें क्योंकि तब उन्हें ऐसा जवाब मिलेगा

जिससे अमेरिकी साम्राज्य का अंत भी हो सकता है। सेना प्रमुख डोमिंगो हर्नांडेज लारेज ने मादुरो का समर्थन करते हुए कहा कि सेना उनके साथ हैं। उन्होंने कहा, अमेरिका हॉलीवुड की किसी वेस्टर्न फिल्म की तरह हमारे राष्ट्रपति के लिए इनाम का ऐलान करता है, यह हमारे लिए अपमानजनक है। वहीं, वेनेजुएला के विदेश मंत्री इवान गिल ने भी मादुरो पर दोगुना इनाम लगाने के फैसले पर नाराजगी जताई। उन्होंने इसे राजनीतिक दुष्प्रचार अभियान करार दिया।

मदुरो पर 2020 में नार्को टेररिज्म के आरोप लगे थे : मदुरो पर 2020 में मैनहैटन की संघीय अदालत में नार्को-टेररिज्म और कोकीन तस्करी की साजिश के आरोप तय किए गए थे। उस समय ट्रम्प प्रशासन ने उनकी गिरफ्तारी पर 1.5 करोड़ डॉलर का इनाम रखा था। इसे बाद में बाइडेन प्रशासन ने बढ़ाकर 2.5 करोड़ डॉलर कर दिया। इतना इनाम अमेरिका ने 9/11 हमलों के बाद ओसामा बिन लादेन की गिरफ्तारी पर रखा था। मदुरो 2013 से वेनेजुएला की सत्ता में बने हुए हैं। अमेरिका, यूरोपीय यूनियन और लैटिन अमेरिकी देश उन पर चुनावों में धोखाधड़ी का आरोप लगाते रहे हैं। 2024 में हुए राष्ट्रपति चुनाव में इन देशों ने मदुरो पर धांधली का आरोप लगाया था।

कोलंबिया ने वेनेजुएला राष्ट्रपति का समर्थन किया : इस बीच कोलंबिया भी वेनेजुएला के समर्थन में आ गया है। कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने चेतावनी दी है कि वेनेजुएला पर अमेरिकी हमला उनके देश पर हमला माना जाएगा।

सोशल मीडिया पर उन्होंने लिखा कि हालात चाहे जितने भी उथल-पुथल वाले हों, हम वेनेजुएला की संप्रभुता की रक्षा करेंगे। एक और संदेश में पेट्रो ने कहा कि कोलंबिया और वेनेजुएला एक ही लोग, एक ही झंडा और एक ही इतिहास साझा करते हैं। पेट्रो ने अमेरिका तथा वेनेजुएला दोनों से अपील की है कि वे राष्ट्रीय संप्रभुता से समझौता किए बिना मिलकर नशा तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करें। उन्होंने कहा कि नशा तस्करी और पूंजीवाद का लालच खत्म होना चाहिए।

आयरलैंड के राष्ट्रपति हिगिंस ने भारतीयों पर हमलों की निंदा की

डबलिन/लंदन, एजेंसी। आयरलैंड के राष्ट्रपति माइकल डी हिगिंस ने मंगलवार को भारतीयों पर हुए घृणित हमलों की निंदा की। वहां भारतीयों के योगदान का भी जिक्र किया। हिगिंस ने कहा कि ये हमले आयरलैंड के मूल्यों के बिल्कुल विपरीत हैं। उनका यह बयान डबलिन और अन्य शहरों में भारतीयों पर हुए हिंसक हमलों के बाद आया है। हिगिंस ने कहा, भारत के लोगों को हम प्रिय मानते हैं।

आयरलैंड में किसी भी व्यक्ति, खासकर किसी युवा को छल-कपट या उकसावे के जरिये इस तरह के व्यवहार में घसीटने की कड़ी निंदा होनी चाहिए। चाहे ऐसा उकसावा अज्ञानता से उपजा या दुर्भावना से, इससे होने वाले नुकसान को स्वीकार करना जरूरी है। ऐसे कृत्य हमे कमजोर करते हैं। राष्ट्रपति हिगिंस ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे भारतीय चिकित्सा, नर्सिंग, देखभाल संबंधी व्यवसायों, सांस्कृतिक जीवन, व्यापार और उद्यम जैसे कुछ क्षेत्रों में योगदान देते हैं। उन्होंने कहा कि भारतीयों की उपस्थिति, कार्य, संस्कृति हमारे जीवन के लिए समृद्धि और उदारता का स्रोत रही है। राष्ट्रपति ने कहा, आयरलैंड के भारत के साथ संबंध न तो नए हैं और न ही सतही।

आयरिश राष्ट्रपति ने इस वर्ष की शुरुआत में भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ अपनी मुलाकात का भी जिक्र किया, जहां उन्होंने साझा भारत-आयरिश इतिहास और स्वतंत्रता प्राप्ति के रास्तों के अनुभवों पर चर्चा की। हिगिंस ने कहा, आयरलैंड लंबे समय से बाहरी और आंतरिक दोनों तरह के प्रवासन से प्रभावित रहा है।

इजरायल की सेना ने फिलिस्तीनी कैदियों का किया यौन उत्पीड़न: यूएन

न्यूयॉर्क, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने इजरायल और रूस को सख्त चेतावनी दी है कि उनके सशस्त्र बल और सुरक्षा कर्मी युद्ध के क्षेत्रों में यौन हिंसा कर रहे हैं। दोनों देशों को आगाह करते हुए संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने कहा है कि ऐसी हरकतों के लिए दोनों ही देशों को विश्वसनीय रूप से संदिग्ध पक्षों की लिस्ट में शामिल किया जा सकता है। युद्ध क्षेत्र में यौन हिंसा पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को अपनी वार्षिक रिपोर्ट में गुटेरेस ने कहा कि इजरायल और रूस को अगले साल उस लिस्ट में शामिल किया जा सकता है जिन पर बलात्कार या अन्य प्रकार की यौन दुराचार और हिंसा करने या उसके लिए ज़िम्मेदार होने के विश्वसनीय संदेह है।

अल जज़ीरा की रिपोर्ट के अनुसार, इजरायल को अपनी चेतावनी में गुटेरेस ने कहा कि वह कई जेलों, एक हिरासत केंद्र और एक सैन्य अड्डे में फ़िलिस्तीनियों के ख़िलाफ इजरायली सशस्त्र और सुरक्षा बलों द्वारा उल्लंघनों की विश्वसनीय जानकारी को लेकर गंभीर रूप से चिंतित हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि गुटेरेस ने लिखा, संयुक्त राष्ट्र द्वारा दर्ज मामलों में यौन हिंसा के पैटर्न जैसे जननांगों पर चोट और हिंसा, लंबे समय तक जबरन नग्न करके रखना और बार-बार कपड़े उतरवाकर अपमानजनक तरीके से तलाशी लेने की बात सामने आई है।

यौन हिंसा रोकने के लिए तुरंत कदम उठाएं : यूएन चीफ ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि चूँकि इजरायल ने संयुक्त राष्ट्र के पर्यवेक्षकों को पहुँच देने से इनकार कर दिया है, इसलिए उसके बलों द्वारा यौन हिंसा के पैटर्न, ट्रेंड के बारे में निर्णय लेना चुनौतीपूर्ण रहा है। उन्होंने इजरायल सरकार से उसके सैनिकों द्वारा किए जा रहे यौन हिंसा के सभी कृत्यों को तत्काल रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाने और समयबद्ध तरीके से लागू करने का आग्रह किया है। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने कहा कि इनमें विश्वसनीय आरोपों की जाँच, सैन्य और सुरक्षा बलों के लिए यौन हिंसा को प्रतिबंधित करने वाले स्पष्ट आदेश और आचार

संहिताएँ, और संयुक्त राष्ट्र पर्यवेक्षकों के लिए निर्बाध पहुँच शामिल होनी चाहिए।

यौन, प्रजनन और अन्य लिंग-आधारित हिंसा के आरोप : मार्च में संयुक्त राष्ट्र समर्थित मानवाधिकार विशेषज्ञों ने इजरायल पर यौन, प्रजनन और अन्य लिंग-आधारित हिंसा का आरोप लगाया था। अल जज़ीरा की रिपोर्ट के अनुसार, पूर्वी यरुशलम समेत अधिकृत फ़िलिस्तीनी क्षेत्र और इजरायल पर स्वतंत्र अंतर्राष्ट्रीय जाँच आयोग ने कहा कि उसने फ़िलिस्तीनी महिलाओं, पुरुषों, लड़कियों और लड़कों के ख़िलाफ़ किए गए कई उल्लंघनों का दस्तावेजीकरण किया है, और इज़रायली बलों पर फ़िलिस्तीनी बंदियों के ख़िलाफ़ बलात्कार और यौन हिंसा के आरोप लगाए हैं।

यूएन में इजरायली दूत ने आरोपों को किया खारिज : दूसरी तरफ, संयुक्त राष्ट्र में इज़रायल के राजदूत डैनी डैनन ने मंगलवार को यूएन महासचिव की चिंताओं को निराधार आरोप बताकर खारिज कर दिया। डैनन, जिन्होंने गुटेरेस से प्राप्त एक पत्र और संयुक्त राष्ट्र प्रमुख को दिए गए अपने जवाब को प्रसारित करते हुए कहा कि ये आरोप पक्षपातपूर्ण हैं।

इज़रायली राजदूत ने कहा, संयुक्त राष्ट्र को हमास के चौंकाने वाले युद्ध अपराधों और यौन हिंसा और सभी बंधकों की रिहाई पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। डैनन ने जोर देकर कहा कि इजरायल अपने नागरिकों की सुरक्षा करने से पीछे नहीं हटेगा और अंतर्राष्ट्रीय कानून के अनुसार कार्य करना जारी रखेगा।

रूसी सैनिकों के दुर्व्यवहार पर भी चिंता : रूस के मामले में, गुटेरेस ने लिखा कि वह रूसी सशस्त्र और सुरक्षा बलों और संबद्ध सशस्त्र समूहों द्वारा उल्लंघनों की विश्वसनीय जानकारी को लेकर, मुख्य रूप से यूक्रेन और रूस में 50 आधिकारिक और 22 अनौपचारिक हिरासत केंद्रों में यूक्रेनी युद्धबंदियों के ख़िलाफ गंभीर रूप से चिंतित हैं। उन्होंने कहा, इन मामलों में जननांग हिंसा की कई घटनाएँ शामिल थीं, जिनमें बिजली का झटका देना, जननांगों पर हमला, उसे जलाना, जबरन कपड़े उतरवाना और लंबे समय तक नग्न करके रखना शामिल है। न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र में रूसी मिशन ने रिपोर्ट पर टिप्पणी के अनुरोध का तुरंत जवाब नहीं दिया। गुटेरेस ने कहा कि रूसी अधिकारियों ने इस मामले पर उनके विशेष दूत से कोई बातचीत नहीं की है।

मशरूम में छिपा है पोषण का खजाना

यदि सब्जियों की बात की जाए तो मशरूम काफी लोकप्रिय सब्जी है, जो बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, सभी की पसंदीदा है। इसमें और सब्जियों की तुलना में अधिक पोषक तत्व पाए जाते हैं। मशरूम में लाइसिन नामक अमीनो अम्ल अधिक मात्रा में होता है, जबकि गेहूं, चावल आदि अनाजों में इसकी मात्रा बहुत कम होती है। यह अमीनो अम्ल मानव के संतुलित भोजन के लिए आवश्यक होता है। मशरूम में मौजूद एंटी ऑक्सीडेंट हमें फ्री रेडिकल्स से बचाता है। यह एक प्राकृतिक एंटीबायोटिक है, जो माइक्रोबियल और अन्य फंगल संक्रमण को ठीक करता है।

- यह ब्लड प्रैशर जैसी बीमारी को भी नियंत्रित करने में मदद करता है, जो लोग इस बीमारी से परेशान हैं, उन्हें मशरूम का सेवन अवश्य करना चाहिए।
- कार्बोहाइड्रेट की पर्याप्त मात्रा होने के कारण यह कब्ज, अपचन, अति अम्लीयता सहित पेट के विभिन्न विकारों को दूर करता है, साथ ही शरीर में कोलेस्ट्रॉल एवं शर्करा के अवशोषण को कम करता है।
- मशरूम वह सब कुछ देगा, जो डायबिटीज रोगी को चाहिए। इसमें विटामिन, मिनरल और फाइबर होता है। इसमें फैट, कार्बोहाइड्रेट और शुगर भी नहीं होती, जो डायबिटीज रोगी के लिए जानलेवा है। यह शरीर में इंसुलिन का निर्माण करता है।
- इसमें लीन प्रोटीन होता है, जो वजन घटाने में बढ़ा कारगर होता है। मोटापा कम करने वालों को प्रोटीन डाइट पर रहने को बोला जाता है, जिसमें मशरूम खाना अच्छा माना जाता है।
- इसमें सोडियम सॉल्ट नहीं पाया जाता, जिस कारण मोटापे, गुर्दे तथा हृदयघात रोगियों के लिए आदर्श आहार है। हृदय रोगियों के लिए कोलेस्ट्रॉल, वसा एवं सोडियम सॉल्ट सबसे अधिक हानिकारक पदार्थ होते हैं।
- मशरूम में लौह तत्व यूं तो कम मात्रा में पाया जाता है, लेकिन मौजूद होने के कारण रक्त में हीमोग्लोबिन के स्तर को बनाए रखता है। इसमें बहुमूल्य फॉलिक एसिड की उपलब्धता होती है, जो केवल मांसाहारी खाद्य पदार्थों से प्राप्त होता है। लौह तत्व एवं फॉलिक एसिड के कारण यह रक्त की कमी की शिकार अधिकांश ग्रामीण महिलाओं एवं बच्चों के लिए सर्वोत्तम आहार है।

खूबियों का खजाना है प्याज

आयुर्वेदिक दृष्टिकोण से कई तरह के रोगों को दूर करने में उत्तम घरेलू औषधि होती है प्याज। प्याज का प्रयोग वैसे हर दिन हर घर में होता है। प्याज का छौंक लगी हुई दालों, सब्जियों के अलावा कई तरह के फास्ट फूड आदि में स्वाद बढ़ाता है प्याज। प्याज का हम सलाद के रूप में भी सेवन करते हैं। इसके अलावा आयुर्वेद में प्याज के कई औषधीय गुण बताए गए हैं, जो बहुत ही चमत्कारी हैं।

प्याज के गुण

आयुर्वेद में प्याज को पलांडू कहते हैं। प्याज में प्रोटीन 1.2 प्रतिशत, कार्बोहाइड्रेट 11.6 प्रतिशत तथा कैल्शियम, आयरन, विटामिन ए, विटामिन बी1, विटामिन सी पाए जाते हैं। आयुर्वेद के अनुसार, प्याज का प्रयोग शरीर पर बाहरी और आंतरिक दोनों ही रूपों में किया जा सकता है और इससे भरपूर लाभ प्राप्त किए जा सकते हैं।

ज्वरनाशक है प्याज

प्याज का उपयोग बुखार को ठीक करने के लिए किया जाता है। अगर किसी व्यक्ति को बुखार आ रहा हो तो ऐसा व्यक्ति प्याज के पत्तों को एक गिलास पानी में तब तक उबाले, जब तक वह आधा न हो जाए। फिर इसे ठंडा करके पीने से बुखार में तुरंत आराम मिलता है।

डायबिटीज दूर करे

जिन लोगों को डायबिटीज की बीमारी है, उन्हें प्याज, अजवाइन, कलौंजी और मेथी के बीजों को एक समान मात्रा में मिलाकर पीसकर एक-एक चम्मच नियमित रूप से सेवन करना चाहिए। इससे डायबिटीज की समस्या हमेशा नियंत्रित रहेगी।

कफ को निकाल बाहर करे

प्याज का सेवन करने से जमा हुआ कफ पतला होकर आसानी से बाहर निकल जाता है। इसके लिए प्याज को हल्का गर्म करके उसका रस निकालकर उसमें थोड़ी सी चीनी मिलाएं। कफ से पीड़ित बच्चे को यह रस एक चम्मच पिलाएं और बड़े को दो चम्मच।

अनेक रोगों में उपयोगी

अकसर गर्मियों के मौसम में गर्म हवाएं चलने के कारण लू लगने का खतरा बना रहता है। ऐसे में अगर खुद को लू लगने से बचाना है तो नियमित रूप से प्याज का सेवन करना चाहिए। जो लोग दिनभर धूप में बाहर रहते हैं, उनको अपनी जेब में एक प्याज रखनी चाहिए, ताकि लू न लगे।

गर्मी के कारण अकसर उल्टी, दस्त जैसी समस्या हो जाती है। जब कभी ये समस्या हो तो प्याज के रस के साथ पुदीना एवं काला नामक मिलाकर पीने से तरंत राहत मिलती है।

किस समस्या से बचने के लिए कितनी खुराक लें, इसकी जानकारी विशेषज्ञ से ले लें।

त्वचा रोगों से मिले छुटकारा

त्वचा से संबंधित किसी भी तरह की समस्या जैसे फोड़े-फुंसी, मुहांसे हो जाएं या फिर शरीर में किसी जगह गांठ निकल आए या त्वचा में खुजली की समस्या हो तो प्रभावित जगह पर प्याज का रस लगाएं, त्वचा संबंधी रोगों से छुटकारा मिलेगा।

किसी भी कारण से त्वचा जल जाए तो प्रभावित जगह पर तुरंत प्याज का रस लगा लेने से जलन कम होती है। त्वचा पर कहीं भी जलने के निशान हों तो। उस जगह प्याज का लेप लगाने से वह निशान धीरे-धीरे खत्म हो जाता है। इतना ही नहीं प्याज का उपयोग दांत दर्द दूर करने में भी अचूक साबित होता है।

दांत में कीड़ा लगने और मसूड़ों में सूजन आने पर प्याज और कलौंजी के बीजों को बराबर मात्रा में मिलाकर और उसे चिलम में भरकर उसका धुआं लेने से दोनों तकलीफों से आराम मिलता है।

जहरनाशक है प्याज

कुत्ते के काटने पर प्याज के रस में चूना मिलाकर प्रभावित जगह पर लगाने से कुत्ते का जहर खत्म हो जाता है। प्याज के बीजों को कलौंजी के बीजों के साथ मिलाकर इस्तेमाल करने से भी कुत्ते, बिच्छू, मधुमक्खी जैसे कई अन्य जहरीले कीड़ों के काटने का असर नहीं होता। इससे उनके काटने से हुई जलन भी काफी कम हो जाती है।

बालों के लिए चमत्कारी है प्याज

अगर किसी व्यक्ति के सिर के बीच के कुछ बाल संक्रमण के कारण उड़ जाते हैं या दाढ़ी के बाल उड़ जाते हैं, उनके लिए प्याज किसी चमत्कार से कम नहीं है। ऐसे में प्याज के रस में शहद मिलाकर प्रभावित स्थान पर लगाने से कुछ ही दिनों में बाल धीरे-धीरे वापस आ जाते हैं।

बालों में डैंड्रफ होने पर प्याज के पत्तों के रस और धतूरे के पत्तों के रस को एक साथ मिलाकर लगाएं, डैंड्रफ खत्म हो जाएगा। इसके अलावा बालों में चमक लाने के लिए प्याज के रस के साथ आंवले का रस, एलोवेरा का रस मिलाकर लगाएं, बाल चमक उठेंगे।

आंखों की रोशनी बढ़ाए

आंखों की रोशनी कम होने और आंखों से पानी आने पर प्याज के रस में बराबर मात्रा में गुलाब जल मिलाकर इसकी कुछ बूंदें आंखों में डालें। प्याज के पत्तों के रस को आंखों में डालने से रतौंधी रोग भी दूर हो सकता है।

रेसिपी

शाही मशरूम

सामग्री

- मशरूम: 200 ग्राम ▪ प्याज: 4
- टमाटर: 5 ▪ अदरक: 1 टुकड़ा
- हरी मिर्च: 2 ▪ नमक: स्वाद के अनुसार
- लाल मिर्च पाउडर: 1/2 चम्मच
- गरम मसाला पाउडर: 1/2 चम्मच
- चीनी: 1 चम्मच
- क्रीम: 1 कप ▪ काजू: 1 कप
- घी: 3 चम्मच

विधि

मशरूम को धोकर दो टुकड़ों में काट लें। प्याज और टमाटर को भी छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। कड़ाही में दो चम्मच घी गर्म करें और प्याज को सुनहरा होने तक भूनें। इसके बाद कड़ाही में टमाटर, अदरक और हरी मिर्च डालें, जब टमाटर मुलायम होने लगे तो गैस ऑफ करें और मिश्रण के ठंडा होने पर उसका पेस्ट बना लें। अब उसी कड़ाही में बचा हुआ घी डालें और गर्म करें। तैयार पेस्ट को घी में डालें अब कड़ाही में लाल मिर्च पाउडर, सभी मसाले, चीनी और काजू का पेस्ट डालें। चार से पांच मिनट तक धीमी आंच पर भूनें ग्रेवी के लिए आधा कप पानी डालें। जब ग्रेवी उबलने लगे तो कड़ाही में मशरूम डालकर धीमी आंच पर पांच से सात मिनट तक पकाएं। सबसे अंत में नमक और क्रीम डालकर मिलाएं। लगातार चलाते हुए पांच मिनट तक पकाएं और गैस बंद कर दें।

बेसन भुर्जी का स्नैक्स

सामग्री

- बेसन: 1 कप ▪ अलसी के बीज का पाउडर: 1 चम्मच ▪ दही: 2 चम्मच

सब्जियों के लिए-

- जीरा: 1 चम्मच ▪ बारीक कटा प्याज: 1
- बारीक कटी शिमला मिर्च: 1 ▪ कटा हुआ मशरूम: 1 कप ▪ बारीक कटी मिर्च: 2
- हल्दी पाउडर: 1/4 चम्मच ▪ लाल मिर्च पाउडर: 1 चम्मच ▪ जीरा पाउडर: 1 चम्मच ▪ नमक: स्वाद के अनुसार ▪ तेल: 2 चम्मच
- धनिया पत्ती: गार्निशिंग के लिए

विधि

एक बर्तन में बेसन, दही और अलसी का पाउडर डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। आवश्यकतानुसार पानी डालकर मिलाएं और बेसन का घोल तैयार कर लें। नॉनस्टिक पैन में तेल गर्म करें और उसमें जीरा डालें। जब जीरा चटकने लगे तो पैन में प्याज डालकर सुनहरा होने तक भूनें। मिर्च व अन्य सब्जियां डालकर मिलाएं। मसाले डालकर मिलाएं और पांच से छह मिनट तक भूनें। अब धीरे-धीरे बेसन वाला मिश्रण पैन में डालें। धीमी आंच पर लगभग पांच मिनट पकाएं। जब बेसन वाला मिश्रण किनारों से पकने लगे तो धीरे-धीरे सब्जी व बेसन के मिश्रण को मिलाना शुरू करें। ध्यान रहे कि सब्जियां पूरी तरह से गल न जाएं। जब भुर्जी का रंग सुनहरा होने लगे तो पैन में नमक व धनिया पत्ती डालकर मिलाएं। दो-तीन मिनट बाद गैस बंद कर दें। इस भुर्जी को ब्रेड टोस्ट के साथ नाश्ते में सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है।धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। शुभांक-4-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। यात्रा का योग हैं। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-5-7-9

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-7-8-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। शुभांक-4-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़े अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-4-5-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। खान-पान में सावधानी रखें। स्वास्थ्य लाभ में व्यय होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-7-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बने रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-3-6-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-3-6-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। स्वविवेक से कार्य करें। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। पूजा-पाठ आदि धार्मिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-2-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): किसी से कहा सुनी न हो यह ध्यान रहें। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म में रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-7-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभांक-5-7-8

काकुरो पहेली - 1807

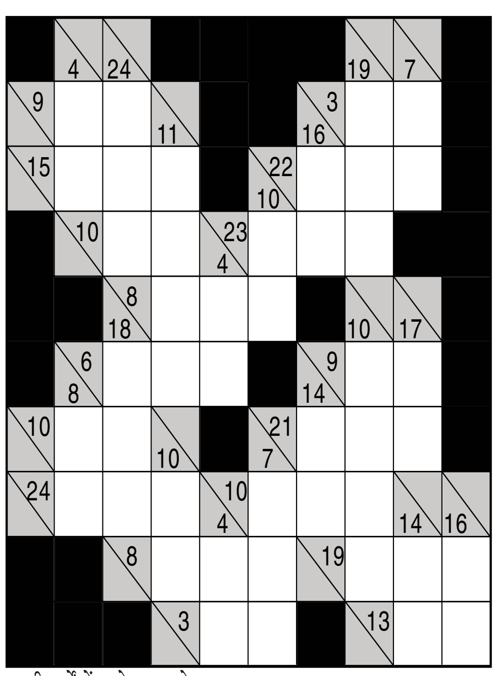

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

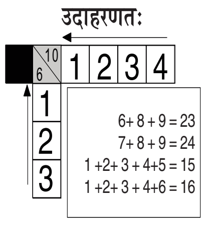

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 1806 का हल

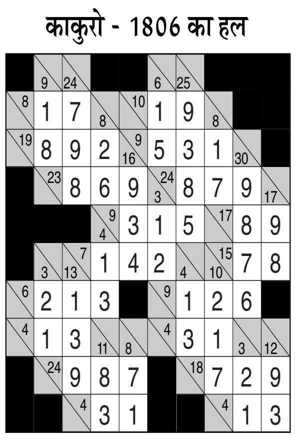

हंसी के फूव्वारें

एक बूढ़ा समाज सुधारक जेल में बंद युवक चोर को देखकर बोला- 'बेटे! तुम किसी बात की परवाह मत करो. जेल से बाहर निकलोगे तो मैं तुम्हारा पथ-प्रदर्शन करूंगा.'

'ठीक कहते हैं आप !' युवक चोर धीरे से बोला- 'दरअसल मुझसे भूल हो गई थी जो आप जैसे बुजुर्गों के पथ-प्रदर्शन के बिना ही इस रोजगार में लग गया.'

एक डाक्टर के पास एक वकील बैठा हुआ था. तभी एक औरत ने आकर डाक्टर से कोई सलाह ली और चली गई. उसके जाने के बाद डाक्टर ने वकील से पूछा- 'क्या मुझे इससे कुछ लेना चाहिये ?'

'क्यों नहीं !' वकील बोला- 'आखिर तुमने उसे अपनी व्यापारिक सेवाएं प्रदान की हैं.'

'मैं ऐसा ही करूंगा !' डाक्टर बोला.

वकील चला गया. फिर अगले दिन डाक्टर जैसे ही बिल बनाने के लिये मेज पर पहुँचा, उसकी नजर एक बिल पर पड़ी. लिखा था- 'कानूनी सेवाओं की फीस तीस रुपये.' नीचे वकील का नाम और पता लिखा हुआ था.

महिला- 'सुना है आप के सिर में गोबर भरा है.'

आदमी- 'जी हाँ पर क्यों ?'

महिला- 'जी मुझे गोबर गैस कनेक्शन लेना है.'

फिल्म वर्ग पहेली- 1807

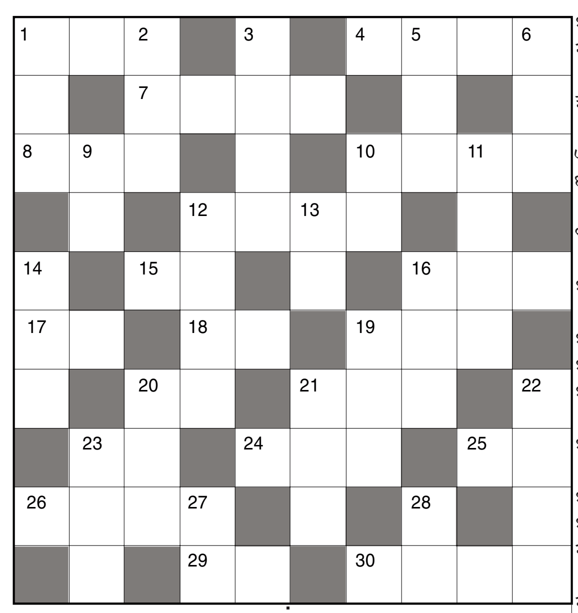

बायें से दायें:-

१. अनिल, अक्षय, मनोज, करीना, शमिता की फिल्म-३
४. 'भंवरे ने खिलाया फूल' गीत वाली ऋषिकपूर, पद्मिनी की फिल्म-४
७. फिरोजखान, संजय, मनीषा की 'आखिर तुम्हें आना है' गीत वाली फिल्म-४
८. अमिताभ, संजयदत्त, अक्षय, अमृता राव की फिल्म-३
१०. राजेंद्रकुमार, राखी की 'तुम मेरी हो मेरे सिवा किसी' गीत वाली फिल्म-२,२
१२. 'ऐ सनम इतना बता' गीत वाली जैकी, मिथुन, जूही, दिव्या की फिल्म-४
१५. नाना, शाहरूख, संजय कपूर, करिश्मा की 'इश्क कमीना' गीतवाली फिल्म-२
१६. 'एहसान तेरा होगा मुझ पर' गीत वाली शम्मी कपूर, सायरा बानो की फिल्म-३
१७. 'बागबान' में अमिताभ की पत्नी ?-२
१८. 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली देव आनंद, माला सिन्हा की फिल्म-२
१९. ऋषिकपूर, कमल हासन, डिम्पल की 'मारिया ओ मारिया' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'आते जाते हुए' गीत वाली अमिताभ, शशिकपूर, राखी, परवीन की फिल्म-२
२१. राजकुमार, धर्मेन्द्र, मीनाकुमारी की 'तोरा मन दर्पण' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'आज हमने दिल' गीत वाली नसीर, अतुलअग्निहोत्री, पूजाभट्ट की फिल्म-२
२४. राहुलराय, पूजा भट्ट की 'जो प्यार कर गये' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'साल के बारा महीने' गीत वाली कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
२६. संजीवकुमार, शर्मिला की १९७४ की कृष्णन पंजु निर्देशित एक फिल्म-४
२९. 'पति पत्नी और वो' में संजीवकुमार के साथ नायिका कौन थी-२
३०. 'क्या चीज है मुहब्बत' गीत वाली सुनील शेट्टी, दिव्या की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'जब ना माना दिल' गीत वाली फिल्म-३
२. कुलभूषण, जावेद, शबाना, नंदिता दास की एक फिल्म-३
३. 'नागिन सा रूप है तेरा' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा, रीना राय की फिल्म-४
५. अमिताभ, वहीदा, जीनत की एक फिल्म-३
६. 'एहसान मेरे दिल पे तुम्हारा' गीत वाली सुनीलदत्त, साधना की फिल्म-३
९. अर्जुन रामपाल, जायेदखान, अमीषा की 'उड़ उड़ उड़ उड़ जाये' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'वो कागज की कश्ती' गीत वाली कुमार गौरव, अनामिका पाल की फिल्म-२
११. 'छुपाना भी नहीं आता' गीत वाली फिल्म-४
१२. अजय देवगन, करिश्मा कपूर की फिल्म-४
१३. जीतेंद्र, कमल सदाना, आयशा, दिव्या की 'तेरी मुहब्बत नें दिल में' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'जिस दिल में बसा था प्यार तेरा' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
१६. 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
१९. संजयदत्त, सलमान, माधुरी की फिल्म-३
२०. राजकपूर मीनाकुमारी की 'ऐ चांद जहां वो जाये' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'जैक एण्ड जिल' गीत वाली अजय, उर्मिला की फिल्म-३
२२. 'मैंने प्यार किया' में नायक कौन था-४
२३. 'ऑखों में नींदें ना दिल में' गीत वाली संजयदत्त, मनीषा की फिल्म-३
२७. फिल्म 'नीलकमल' के संगीतकार कौन थे-२
२८. 'दिलवालों के दिल का करार लूटने' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 1806

सूडोकु -1807

				1			6	
					5			
2		3	9			8		
6							5	
			8		3			
	1							4
		7			1	3		9
			2					
	5			6				

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1806 का हल

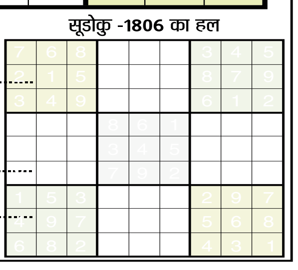

शब्द पहेली - 1807

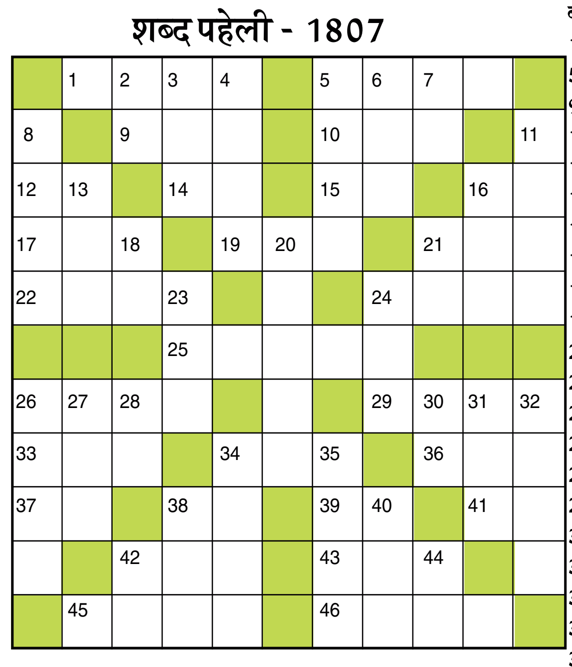

बाएँ से दाएँ

1.मूर्ख,बेवकूफ (उर्दू-4)
5.संपत्ति-4
9.कटि,पीठ -3
10.प्रणाम,नमस्कार-3
12.अधीन-2
14.पितामह-2
15.कार्य-2
16.पराजय-2
17.अच्छे कुल का-3
19.तरंग,हिलोर-3
21.एक प्रकार की दाल-3
22.ओस,रजनी जल(उर्दू-4)
24.गगन,आकाश-4
25.स्वच्छ करना-5
26.आश्चर्यजनक-4
29.जो लायक न हो-4
33.उल्टी,कै-3
34.रनिवास,जनवासा-3
36.पंक्ति,लाइन-3
37.सुर,लय,आलाप-2
38.दंड,शिक्षा-2
39.पराजय-2
41.झुका हुआ -2
42.कर्म,भाग्य-3
43.भार-3
45.भूल,गलती (उर्दू-4)
46.भाग्य,नसीब-4

ऊपर से नीचे

2.अधिकार-2
3.मां का दुलार-3
4.ताली की आवाज-4
5.अनुभवी-4
6.जुड़वा-3
7.दक्षिणा-2
8.राम के पुत्र-2,2
11.अभिलाषा,-4
13.क्रूस,सूली-3
16.पाचनशक्ति-3
18.ईसाई साध्वी-2
20.जीवनसाथी -5
21.गरबा,नृत्य-2
23.मालिश-3
24.दर्पण,शीशा-3
26.ईश्वर-4
27.बाग,गुलिस्तां-3
28.क्रिकेट में बनते हैं-2
30.दुलारा,पुत्र-2
31.भरोसा,विश्वास-3
32.करामात-4
34.शेविंग करना-4
35.हाथी साधने वाला-4
38.आसान,सीधा-3
40.कपड़े धोने वाला-3
42.बलगम-2
44.सरिता-2

शब्द पहेली - 1806 का हल

पश्चिम बंगाल में दुष्कर्म के आरोपित को सीबीआई ने गाजियाबाद से दबोचा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने पश्चिम बंगाल में 2021 में हुए विधानसभा चुनावों के बाद भड़की हिंसा के दौरान दुष्कर्म के फरार आरोपित को गाजियाबाद के इलायचीपुर इलाके की एक मस्जिद के पास से गिरफ्तार कर लिया। सीबीआई के मुताबिक, घटना 4 मई 2021 की है। गिरफ्तार आरोपित का नाम उस्मान अली उर्फ आरा उर्फ मीर उस्मान अली है। उस पर घर में घुसकर पीड़िता के साथ दुष्कर्म करने का आरोप है। इस मामले की जांच सीबीआई ने 30 अगस्त 2021 को अपने हाथ में ली थी। जांच पूरी करने के बाद सीबीआई ने 5 मई 2022 को तमलुक (पूर्व मेदिनीपुर) की अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया। हालांकि कलकत्ता हाई कोर्ट ने 25 सितंबर 2024 को आरोपित को जमानत दे दी। इसके बाद सीबीआई ने इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी और एक विशेष अनुमति याचिका दाखिल की, लेकिन कोर्ट का नोटिस मिलने के बावजूद न तो आरोपित और न ही उसका वकील कोर्ट में हाजिर हुए। विगत 2 अगस्त को आरोपित के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया गया था।

पंजाब पुलिस ने जालंधर से पकड़ी डेढ़ किलो हेरोइन, पांच तस्कर गिरफ्तार

चंडीगढ़। नशा तस्करी और अवैध हथियारों के कारोबार पर कार्रवाई करते हुए जालंधर कमिश्नरेट पुलिस ने एक बहुस्तरीय नशा-हथियार तस्करी नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस ऑपरेशन में पांच तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 1.5 किलो हेरोइन और सात अवैध हथियार बरामद किए हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार गुप्त सूचना के आधार पर विशेष टीमों का गठन किया गया था। लगातार निगरानी और सटीक कार्रवाई के बाद इन तस्करों को अलग-अलग स्थानों से दबोचा गया। शुरूआती जांच में पता चला है कि यह नेटवर्क पंजाब के साथ-साथ पड़ोसी राज्यों में भी सक्रिय था और इसके तार अंतरराष्ट्रीय नशा-हथियार तस्करी गिरोहों से जुड़े हो सकते हैं। पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने अपने एक्स हेंडल पर यह खुलासा करते हुए कहा कि ड्रग माफिया और हथियार तस्करों के खिलाफ कार्रवाई और तेज की जाएगी, ताकि प्रदेश को नशा मुक्त और सुरक्षित बनाया जा सके। गिरफ्तार तस्करों से पुलिस की पूछताछ जारी है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इस नेटवर्क के अन्य सदस्य कहां छिपे हैं और इसके विदेशी कनेक्शन किस हद तक फैले हुए हैं। जल्द ही और गिरफ्तारियां होने की संभावना है।

पुरी श्रीमंदिर आतंकवादी खतरे के मामले में एक व्यक्ति हिरासत में , जांच जारी

भुवनेश्वर। पुरी पुलिस की विशेष जांच दल ने विश्वप्रसिद्ध जगन्नाथ मंदिर (श्रीमंदिर) के नजदीक हेरिटेज कॉरिडोर की दीवारों पर धमकी भरा संदेश लिखने वाले संदिग्ध को पहचानकर उसे हिरासत में ले लिया है । सिंहद्वार पुलिस इस मामले की गहन जांच कर रही है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, गिरफ्तार व्यक्ति 65 वर्षीय मानसिक रूप से अस्वस्थ पाया गया है। उसने परिक्रमा प्रकल्प की दीवारों पर संदेश लिखने की अपनी गलती कबूल की है। पुलिस इस घटना के पीछे के कारणों की

जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि आरोपित के मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं और पारिवारिक तनाव रहा है और उसने पहले भी इसी प्रकार की गतिविधियों को अंजाम दिया था। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपित को हेरिटेज कॉरिडोर स्थित बुढ़ी माँ ठाकुरानी मंदिर में घटना स्थल का सीन रिक्रियेट कराया। जांच प्रक्रिया जारी है और अधिकारियों द्वारा मामले के सभी पहलुओं की पड़ताल की जा रही है।

भारतीय सेना: चार दिवसीय 'आइडियाज एंड इनोवेशन' प्रतियोगिता का आयोजन

गुवाहाटी। भारतीय सेना के स्पीयर कॉर्प्स के तत्वावधान में दाओ डिवीजन ने सफलतापूर्वक चार दिवसीय 'आइडियाज एंड इनोवेशन' प्रतियोगिता का आयोजन किया। इसमें भारतीय सेना के जवानों की रचनात्मकता, तकनीकी कौशल और समस्या-समाधान क्षमता को एक मंच मिला। इस आयोजन ने ऐसे अग्रणी समाधानों को प्रस्तुत करने का अवसर दिया, जिनका उद्देश्य परिचालन क्षमता, युद्धक्षेत्र की तैयारी और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ाना था। गुवाहाटी में रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ने बताया कि प्रतियोगिता में कुल 43 नवाचार प्रस्तुत किए गए, जो प्रतिभागियों की विविध और दूरदर्शी सोच को दर्शाते हैं। इनमें उन्नत आईटी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अनुप्रयोग, अत्याधुनिक हथियार संशोधन और निगरानी, टोही व परिचालन क्षमता बढ़ाने के लिए नवाचारी ड्रोन एकीकरण प्रमुख रहे। इस आयोजन ने न केवल सैनिकों की उभरती तकनीकों को सैन्य उपयोग में ढालने की क्षमता को उजागर किया, बल्कि सेना की जमीनी स्तर पर नवाचार को प्रोत्साहित करने की प्रतिबद्धता को भी रेखांकित किया।

माचल के कुल्लू में दो जगह बादल फटे

● खाली करवाए गांव, 323 सड़कें बंद, 19 अगस्त तक अलर्ट

एजेंसी

शिमला। हिमाचल प्रदेश में मॉनसून का प्रकोप एक बार फिर तेज हो गया है। कुल्लू जिला के बंजार व आनी-निरमंड उपमंडल में दो अलग-अलग जगह ऊंची पहाड़ियों पर बादल फटने की घटनाएं हुईं। पहली घटना बठाहड़ क्षेत्र में और दूसरी श्रीखंड महादेव भीम डवारी इलाके में दर्ज की गई। इनसे तीर्थन घाटी एवं आसपास के कई निचले ग्रामीण इलाकों में पानी और मलबा भर गया। प्रशासन ने सुरक्षा की दृष्टि से कई गांव खाली करवाए हैं। आनी के क़ुर्पण खड्ड में बाढ़ आने से पैदल पुल क्षतिग्रस्त हो गए। हालांकि राहत की बात है कि अभी तक किसी तरह के जानी नुकसान की सूचना नहीं है। डीसी कुल्लू तोरुल एस. रवीश ने बताया कि प्रभावित क्षेत्रों में टीमें भेज दी गई हैं और लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। उधर, कुल्लू की पहाड़ियों पर बादल फटने के बाद

सीमावर्ती रामपुर के नानंटी क्षेत्र में बाढ़ जैसे हालात बन गए। गानवी खड्ड उफान पर है। रामपुर उमण्डल के 15/20 इलाके के गानवी खड्ड में बाढ़ आने से गानवी में दो पुल बहे। गानवी पुलिस चौकी में भी मलबा भर गया है। गानवी बस स्टॉपेज एवं साथ की दुकाने भी बाढ़ की चपेट में आई हैं। हालांकि अभी तक की सूचना के अनुसार कोई जानी नुकसान नहीं हुआ है। बीते 24 घंटे में कुछ क्षेत्रों में बारिश से राहत जरूर मिली लेकिन खतरा टला नहीं है। इस दौरान मंडी के बलद्वारा में सर्वाधिक 31 मिमी, सोलन के कसौली में 23 मिमी, बिलासपुर के नैना देवी में 18 मिमी और शिमला के सराहन में 15 मिमी वर्षा दर्ज हुई। राजधानी शिमला में शाम के समय झमाझम वर्षा हुई। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला ने आज रात लाहौल स्पीति व किन्नौर को छोड़कर शेष सभी 10 जिलों में भारी वर्षा का ओरेंज अलर्ट जारी किया है। 14 अगस्त को चंबा, कांगड़ा और मंडी में भारी से बहुत भारी वर्षा का ऑरेंज अलर्ट और ऊना, बिलासपुर, हमीरपुर, कुल्लू, शिमला, सोलन व सिरमौर में येलो अलर्ट जारी किया है। 15 अगस्त को चंबा, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी, शिमला व सिरमौर में भारी वर्षा का येलो अलर्ट रहेगा। 16 अगस्त को चंबा, कांगड़ा, मंडी व शिमला में येलो अलर्ट और 17 अगस्त को ऊना, बिलासपुर, हमीरपुर, कांगड़ा, मंडी व शिमला में भारी वर्षा का येलो अलर्ट जारी रहेगा।

कुलगाम के वन क्षेत्र में छिपे आतंकवादियों की तलाश अपने अंतिम चरण में पहुंची: वीके बिरदी

एजेंसी

श्रीनगर। पुलिस के महानिरीक्षक वीके बिरदी ने अभियान के 13वें दिन कहा कि जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले के वन क्षेत्र में छिपे आतंकवादियों की तलाश अपने अंतिम चरण में पहुंच गई है। अखल वन क्षेत्र में एक अगस्त को शुरू हुए अभियान के बाद से अब तक दो सैन्यकर्मी शहीद हो चुके हैं और नौ घायल हुए हैं। मुठभेड़ में दो आतंकवादी भी मारे गए हैं। कश्मीर के पुलिस महानिरीक्षक बिरदी ने श्रीनगर के बख्शी स्टेडियम में स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए फुल ड्रेस रिहर्सल के मौके पर संवाददाताओं से कहा कि अखल

अभियान अपने अंतिम चरण में पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि अभियान का विवरण समय आने पर साझा किया जाएगा। यह हाल के वर्षों में कश्मीर घाटी में सबसे लंबा आतंकवाद विरोधी अभियान है। इस अभियान में मारे गए आतंकवादियों की पहचान और उनके समूह का अभी तक खुलासा नहीं हुआ है। अधिकारी ने बताया कि मुख्य कार्यक्रम श्रीनगर शहर में होगा,जहां वीवीआईपी सलामी देंगे। इसके लिए श्रीनगर पुलिस ने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के साथ मिलकर बहुस्तरीय व्यवस्था की है। ऊंची इमारतों पर भी सुरक्षाकर्मी तैनात हैं और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।

'उदयपुर फाइल्स' के निर्माता का ऐलान, कन्हैया लाल के परिवार को देंगे फिल्म के कलेक्शन का 25 प्रतिशत

एजेंसी

आगरा। राजस्थान के बहुचर्चित कन्हैया लाल हत्याकांड पर आधारित फिल्म 'उदयपुर फाइल्स' सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। मूवी के निर्माता अमित जानी इस बीच आगरा पहुंचे, जहां भारतीय जनता युवा मोर्चा के द्वारा सैकड़ों स्कूली छात्राओं को उदयपुर फाइल्स फिल्म निःशुल्क दिखाई गई।

यहां अमित जानी ने कहा कि कन्हैया लाल के लिए न्याय की लड़ाई जारी रहेगी।आगरा पहुंचे अमित जानी ने मीडिया से बात की। उन्होंने कहा, 'कन्हैया लाल की हत्या के पीछे मजहबी उन्मादी विचारधारा है। उन्हें बिना वजह मार दिया गया। इस्लामिक जिहाद के ऊपर फिल्म बनाई गई है, जिसको रोकने के लिए कपिल सिब्बल जैसे बड़े अधिवक्ता को सुप्रीम कोर्ट में खड़ा किया गया। कपिल सिब्बल की एक हियरिंग की फीस 30 लाख रुपए है।' उन्होंने आगे कहा, 'कपिल सिब्बल लगभग 20 बार इसकी सुनवाई में आए, तो बड़ा प्रश्न ये है कि उनकी फीस के 6 करोड़ रुपए किसने दिए। जवाब है, यह रुपए दिए दारुल देवबंद और इन जैसे कई इस्लामिक संस्थानों ने ताकि ये मूवी रिलीज ना हो पाए। उन्होंने यहां इसके साथ ही कहा कि कन्हैया लाल के परिवार की कानूनी

लड़ाई के लिए इस मूवी का 25 प्रतिशत हिस्सा दिया जाएगा। इसके अलावा, मुझे कई बार जान से मारने और बम से उड़ाने की धमकी भी दी गई है। केंद्र सरकार द्वारा मुझे वाई श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की गई है। जो लोग मुझे डराना चाहते हैं, वो ये समझ लें कि कन्हैया लाल की न्याय की लड़ाई जारी रहेगी। लंबे समय से विवादों और कानूनी अड़चनों का सामना करने के बाद इस फिल्म को अब दर्शकों तक पहुंचने का मौका मिला है। उदयपुर में जून 2022 में हुई कन्हैया लाल की निर्मम हत्या ने पूरे देश को झकझोर दिया था। इस सच्ची घटना पर आधारित फिल्म 'उदयपुर फाइल्स' दर्शकों के सामने उस दर्दनाक हकीकत को पेश करती है। फिल्म का निर्देशन भरत एस. श्रीनेत और जयंत सिन्हा ने किया है, जिसमें विजय राज कन्हैया लाल की भूमिका में हैं। फिल्म में प्रीति झंगियानी और मुश्ताक खान भी अहम किरदार में हैं।

बालासर की सरपंच जमनीबेन चौहान स्वतंत्रता दिवस समारोह में होंगी विशेष अतिथि

एजेंसी

कच्छ। गुजरात के सीमावर्ती जिलों के लिए 15 अगस्त 2025 एक ऐतिहासिक दिन साबित होने जा रहा है। केंद्र सरकार के जीवंत ग्राम कार्यक्रम (वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम) के तहत चुने गए 150 से अधिक ग्रामीण प्रतिनिधियों में से गुजरात के तीन सरपंचों को नई दिल्ली में आयोजित होने वाले स्वतंत्रता दिवस समारोह में विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। यह सम्मान उनके उत्कृष्ट नेतृत्व, ग्राम विकास में योगदान, महिला सशक्तिकरण और सीमा सुरक्षा में सक्रिय भूमिका का राष्ट्रीय स्तर पर मिला गौरव है।

केंद्र सरकार की ओर से वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम-2 (वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम-2) के तहत गुजरात के जिन तीन सरपंचों को आमंत्रित किया गया है, उनमें कच्छ के रापर तालुका में बेहतर कार्य करने वाली सरहदी बालासर गांव की महिला सरपंच जमनीबेन रामभाई चौहान भी शामिल हैं। उनको स्वतंत्रता दिवस समारोह में शामिल होने के लिए विशेष अतिथि के रूप में दिल्ली आने का आमंत्रण मिला है। कच्छ के बॉर्डर क्षेत्र की एकमात्र महिला सरपंच अपने पति रामभाई चौहान के साथ विमान द्वारा दिल्ली

जाएंगी। सरपंच जमनीबेन चौहान 4 दिनों तक दिल्ली में ठहरेंगी। उनके लिए संपर्क अधिकारी (लायजन ऑफिसर) के रूप में जिला परियोजना अधिकारी जितेंद्र रावल की नियुक्ति गुजरात सरकार द्वारा की गई है और वे बालासर की सरपंच के साथ दिल्ली जाएंगे। दरअसल, सरपंच जमनीबेन ने अपनी पंचायत में केंद्र सरकार की वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के तहत बेहतर कार्य किया है।सीमा विकास कार्यक्रम (बॉर्डर डेवलपमेंट प्रोग्राम) के अंतर्गत अपनी पंचायत में उन्होंने सड़क, बिजली, पानी की आपूर्ति, मोबाइल कनेक्टिविटी जैसी बुनियादी संरचना का विकास करवाया है। गांवों की विशेष आवश्यकताओं के आधार पर गांव-विशिष्ट और सीमा-विशिष्ट योजनाएं लागू की गई हैं। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 5 अप्रैल 2025 को वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के दूसरे चरण को मंजूरी दी थी। केंद्र सरकार का उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर अनुकूल माहौल सुनिश्चित करना है, साथ ही सीमा पार अपराधों को रोकना, सीमावर्ती क्षेत्रों की आंतरिक सुरक्षा को मजबूत करना, सीमावर्ती नागरिकों को राष्ट्र से जोड़ना और उन्हें सीमा सुरक्षा बल की आंख और कान के रूप में विकसित करना है। इसके अलावा युवाओं के लिए स्थानीय रोजगार और आजीविका के अवसर पैदा करना भी इस योजना का हिस्सा है।

कांग्रेस ने किया पश्चिम बंगाल प्रदेश इकाई का पुनर्गठन, कई कमेटियों समेत उपाध्यक्षों, महासिचवों और कई नए जिला अध्यक्ष नियुक्त

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव से पहले आज प्रदेश कांग्रेस कमेटी का पुनर्गठन कर दिया। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष की मंजूरी के बाद पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल ने एक विज्ञप्ति में नई टीम के नामों की घोषणा की। इसमें राजनीतिक मामलों की समिति, प्रदेश चुनाव समिति, कार्यकारी समिति के साथ पदाधिकारियों और जिलाध्यक्षों के नाम शामिल हैं। ये सभी नियुक्तियां तुरंत प्रभाव से लागू होंगी। राजनीतिक मामलों की समिति में गुलाम अहमद मीर, अधीर रंजन चौधरी, दीपा दास मुंशी, इशा खान चौधरी, अब्दुल मन्नान, नेपाल महतो, डीपी रॉय, सुनील तिर्के, फिरोजा बेगम, मुश्ताक आलम, प्रसंथा कुमार दत्ता, दिप्तिमान घोष, मनोरंजन हलदार, अभिजीत मुखर्जी, माया घोष, कृष्णा देबनाथ,

अमिताभ चक्रवर्ती, संतोष पाठक, तपस मजूमदार, राणा रॉय चौधरी, तरुण देब, मोहतर, पार्थ भौमिक सहित कुल 48 सदस्य होंगे। प्रदेश चुनाव समिति में गुलाम अहमद मीर, शुभांकर सरकार, अधीर रंजन चौधरी, दीपा दास मुंशी, मोहित सेनगुप्ता, सुप्रियो बोस, जगदीश दत्ता, रोहन मित्रा, सुमन राय चौधरी, कुणाल बनर्जी, सुजॉय घटक, तपन मंडल, पुन्नो घोष, गीता सरदार, पिया रॉय चौधरी समेत 67 सदस्य शामिल हैं। कार्यकारी समिति में मोत्ताकिन आलम, आसिफ महबूब, अरूप बनर्जी, रित्जु घोषाल, अभिजीत भट्टाचार्य, कुणाल बनर्जी, मोहित सेनगुप्ता, सौमेन मिश्रा, मनीक भोमिक, जहीरुल इस्लाम, बिप्रदास चक्रवर्ती, माया घोष, मुनीश तमांग, गीता सरदार सहित कुल 72 सदस्य रहेंगे।पार्टी ने दिप्तिमान घोष को कोषाध्यक्ष बनाया है। उपाध्यक्षों में प्रसंथा कुमार दत्ता, सुनील तिर्की, सुख बिलास बर्मा, माया घोष, कृष्णा देबनाथ, संतोष पाठक, मुस्ताक आलम, निर्मल घोष दस्तीदार, मनोरंजन हलदार, प्रीतम घोष, खाजा अहमद, जगदीश दत्ता, स्नेहेंदु चौधरी, अनंत राय, तपन अग्रवाल, मुनीश तमांग, सुरेंद्र पारेख, तरुण राय, सुजीत सरकार, अजीजुल हक, तुलसी मुखर्जी और मोहम्मद महफुगे आलम को जिम्मेदारी मिली है। इसके अलावा 33 जिलों के लिए जिला कांग्रेस अध्यक्षों की भी घोषणा की गई। इसमें कूचबिहार से बिस्वजीत सरकार, अलीपुरद्वार से मृन्मोय सरकार, जलपाईगुड़ी से अमित भट्टाचार्य, कालिम्पोंग से दिलीप प्रधान, दार्जिलिंग से सुबिन भौमिक, उत्तर दिनाजपुर से मोहित सेनगुप्ता, दक्षिण दिनाजपुर से गोपाल देब, मालदा से इशा खान चौधरी, मुर्शिदाबाद से मनोज चक्रवर्ती, नदिया उत्तर से हमीदुल रहमान, नदिया दक्षिण से नित्यगोपाल मंडल, कोलकाता, हावड़ा, हुगली, पुरुलिया, बांकुड़ा, मेदिनीपुर और अन्य जिलों से भी अध्यक्ष बनाए गए हैं।

अवैध सट्टेबाजी ऐप से जुड़े मनी लॉनड्रिंग मामले में क्रिकेटर सुरेश रैना ईडी के समक्ष पेश हुए

एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना कथित अवैध सट्टेबाजी ऐप से जुड़े मनी लॉनड्रिंग मामले में पूछताछ के लिए नई दिल्ली स्थित प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष पेश हुए। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय जांच एजेंसी एक 'अवैध' सट्टेबाजी ऐप से जुड़े जांच के सिलसिले में धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 (पीएमएलए) के तहत उनका बयान दर्ज करेगी। ऐसा माना जा रहा है कि पूर्व भारतीय क्रिकेटर कुछ विज्ञापनों के जरिए इस ऐप से जुड़े हुए हैं। ईडी इस ऐप से उनके संबंधों के बारे में पूछताछ करना चाहती है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने 38 वर्षीय सुरेश रैना को 13 अगस?त को 1×क्ष्ण्ह्ल नामक ऐप से जुड़े एक अवैध सट्टेबाजी मामले में पूछताछ के लिए समन जारी करके पूछताछ के लिए आज बुलाया था।

उच्च समिति पहुंची आपदाग्रस्त धराली, किया मूल्यांकन

एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जनपद के तहत आपदा प्रभावित क्षेत्र धराली में शासन की ओर से गठित उच्चस्तरीय समिति ने व्यापक निरीक्षण कर, पुनर्वास एवं आजीविका सुदृढ़ीकरण के लिए आवश्यक पहलुओं का मूल्यांकन किया। समिति के सदस्यों ने प्रभावित परिवारों, जन प्रतिनिधियों और जिला प्रशासन के अधिकारियों से विस्तृत विचार-विमर्श कर उनके सुझाव संकलित किए। प्रभावित ग्रामीणों ने जांगला, लंका एवं कोपांग में विस्थापन की मांग रखते हुए केदारनाथ धाम के पुनर्निर्माण की तर्ज पर धराली का पुनर्निर्माण करने का आग्रह किया।

इस अवसर पर आपदा पीड़ित कौशिक पंवार ने सेब उत्पादकों के लिए सड़क मार्ग के समीप सुरक्षित भंडारण के लिए शेड निर्माण कराए जाने की मांग रखी। जिलाधिकारी, (डीएम),उत्तरकाशी, प्रशांत आर्य ने आश्वासन देते हुए कहा कि सड़क मार्ग के बहाल होते ही शेड का निर्माण प्राथमिकता से कराया जाएगा। समिति अध्यक्ष डॉ.सुरेंद्र नारायण पांडेय ने कहा कि यह त्रासदी अत्यंत दुखद और पीड़ादायक है। केंद्र एवं राज्य सरकार शासन और प्रशासन इस कठिन समय में प्रभावित परिवारों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े

हैं। उन्होंने कहा कि प्रभावित क्षेत्र में तात्कालिक और दीर्घकालिक दोनों प्रकार के कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा किया जाएगा। क्षति की भरपाई के लिए एक व्यापक रोडमैप तैयार कर हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

डीएम श्री आर्य ने बताया कि आपदा में क्षतिग्रस्त फसलों एवं सेब के वृक्षों का सर्वेक्षण पूरा कर लिया गया है। सड़क मार्ग बहाली का कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है। प्रभावित परिवारों को राहत धनराशि वितरित की जा चुकी है तथा समुचित मात्रा में खाद्य सामग्री एवं आवश्यक वस्तुएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। साथ ही, सर्च एवं रेस्क्यू अभियान लगातार जारी है।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी, युकाडा, डॉ.आशीष चौहान और अपर सचिव हिमांशु खुराना ने कहा कि विस्थापन के लिए प्रभावित परिवारों को उपयुक्त विकल्प प्रदान किए जाएंगे। जिनके आधार पर, विस्थापन की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। क्षतिग्रस्त परिसंपत्तियों का संपूर्ण विवरण तैयार कर शासन को भेजा जाएगा।

झारखंड मुठभेड़ में मारा गया नक्सली निकला एरिया कमांडर

पश्चिमी सिंहभूम। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा) जिले में स्वतंत्रता दिवस से महज दो दिन पहले झारखंड पुलिस और कोबरा 209 बटालियन ने संयुक्त अभियान में प्रतिबंधित भाकपा(माओवादी) संगठन के एरिया कमांडर अरुण उर्फ वरुण उर्फ निलेश मदकम को मुठभेड़ में मार गिराया। मृतक की पहचान छत्तीसगढ़ राज्य के सुकमा जिले के कोन्टा थाना क्षेत्र के निवासी के रूप में हुई है। वह लंबे समय से कोल्हान के सारंडा क्षेत्र में पुलिस एवं सुरक्षा बलों को निशाना बनाने और राष्ट्रविरोधी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए सक्रिय था। एसपी राकेश रंजन ने सुरक्षा एजेंसियों को सूचना मिली थी कि भाकपा (माओवादी) के शीर्ष नेता मिसिर बेसरा, अनमोल, मोछु, अनल, असीम मंडल, अजय महतो, सागेन अंगरिया और अश्विन अपने दस्ता सदस्यों के साथ स्वतंत्रता दिवस पर किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं।

बॉम्बे हाई कोर्ट में तीन एडिशनल जजों की नियुक्ति

भाजपा की एक पूर्व प्रवक्ता भी हैं शामिल

एजेंसी

मुंबई। केंद्र सरकार ने बॉम्बे हाईकोर्ट में तीन वकीलों को अतिरिक्त जज के रूप में नियुक्त किया है। इनमें महाराष्ट्र भाजपा की पूर्व प्रवक्ता आरती अरुण साठे भी शामिल हैं। कानून मंत्रालय की तरफ से जारी जानकारी के अनुसार, जिन तीन वकीलों को यह जिम्मेदारी दी गई है, उनके नाम अजीत भगवान राव कडेठंकर, सुशील मनोहर घोडेस्वर, आरती अरुण साठे हैं। बता दें कि आरती साठे पहले महाराष्ट्र भाजपा की प्रवक्ता रह चुकी हैं। अब उन्हें न्यायपालिका की सेवा में नियुक्त किया गया है।

क्या नियुक्त होते हैं अतिरिक्त जज?

अतिरिक्त जजों की नियुक्ति आमतौर पर दो साल के लिए की जाती है। इस दौरान उनके काम और योग्यता का मूल्यांकन किया जाता है। इसके बाद, यदि सब कुछ ठीक रहता है, तो उन्हें स्थायी जज के रूप में भी पदोन्नत कर दिया जाता है। इन नियुक्तियों से बॉम्बे हाईकोर्ट में लंबित मामलों के निपटारे में तेजी

आने की उम्मीद है।

कौन हैं आरती अरुण साठे?

बॉम्बे हाईकोर्ट की अधिवक्ता रहीं आरती साठे को फरवरी 2023 में महाराष्ट्र भाजपा का प्रवक्ता नियुक्त किया गया था। इससे पहले वें मुंबई भाजपा की कानूनी सेल की प्रमुख भी थीं। हालांकि, जनवरी 2024 में उन्होंने निजी और पेशेवर कारणों का हवाला देते हुए प्रवक्ता पद और पार्टी की प्राथमिक सदस्यता दोनों से इस्तीफा दे दिया। उनकी इस नियुक्ति की सिफारिश सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने 28 जुलाई को की, जिसमें उनके साथ एडवोकेट अजीत भगवान राव कडेठंकर और सुशील मनोहर घोडेस्वर को भी बॉम्बे हाईकोर्ट का जज नियुक्त करने का प्रस्ताव शामिल था।

वहीं आरती अरुण साठे की नियुक्ति पर राज्य में विपक्ष दल के नेताओं ने सवाल उठाए थे। एनसीपी (एसपी) के विधायक रोहित पवार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक स्क्रीनशॉट साझा करते हुए कहा कि सत्तारूढ़ पार्टी की प्रवक्ता रही एक व्यक्ति की जज के रूप में नियुक्ति निष्पक्षता और लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर सवाल उठाती है।

नोएडा में फर्जी थाना खोलने वाले मास्टरमाइंड के खिलाफ सीबीआई-ईडी भी कर रही जांच

नोएडा। नोएडा में इंटरनेशनल पुलिस एंड क्राइम इन्वेस्टीगेशन ब्यूरो के नाम से ऑफिस खोलकर धोखाधड़ी करने वाले लोगों के तार पश्चिम बंगाल के एक आश्रम से जुड़े हैं। इनके खिलाफ पूर्व में ईडी और सीबीआई छापेमारी कर चुकी है। दोनों संस्थाओं की जांच अभी भी जारी है।नोएडा पुलिस के अधिकारियों के अनुसार जांच में पता चला है कि नकली पुलिस थाना चलाने के आरोप में गिरफ्तार किए गए छह आरोपितों के मास्टरमाइंड बिबास चंद्र अधिकारी पश्चिम बंगाल में कृष्णपुर में एक आश्रम संचालक से जुड़ा है। पश्चिम बंगाल में आरोपित एवं उससे जुड़े कुछ लोगों के ठिकानों पर वर्ष 2023 के अप्रैल माह में केंद्रीय जांच ब्यूरो ने छापेमारी की थी।

राहुल गांधी के पास जो डाटा है, उसे चुनाव आयोग को दे देना चाहिए : केंद्रीय मंत्री नाइक

एजेंसी

मुंबई। देशभर में एसआईआर का मुद्दा गरमाया हुआ है। लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर कथित तौर पर 'वोट चोरी' का आरोप लगाया, जिसका 'इंडिया' ब्लॉक के नेताओं ने समर्थन किया है। इस बीच केंद्रीय मंत्री श्रीपद नाइक ने कहा कि राहुल गांधी के पास जो डाटा है, उसे चुनाव आयोग को देना चाहिए। केंद्रीय मंत्री नाइक ने महाराष्ट्र के शिरडी में साईबाबा के मंदिर में दर्शन-पूजन किया। इस दौरान उन्होंने मीडिया से बात करते हुए एसआईआर मुद्दे पर राहुल गांधी के बयान पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के पास जिन लोगों की सूची है, उसे चुनाव आयोग को दे देना चाहिए, तभी आयोग उसका उत्तर दे पाएगा।

बिहार चुनाव से पहले चुनाव आयोग द्वारा 65 लाख फर्जी वोटर्स को मतदाता सूची से बाहर निकालने की प्रक्रिया पर उन्होंने कहा, 'जो फर्जी वोटर्स हैं, सिर्फ उनका नाम मतदाता सूची से बाहर निकाला जाएगा। जो सही वोटर्स हैं, उनका नाम सूची से बाहर नहीं होगा। एसआईआर कराने के पीछे का मुख्य मकसद ही यही है।' इससे पहले केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने एसआईआर मुद्दे पर आईएएनएस से बात करते हुए कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, 'कांग्रेस के पास कोई वास्तविक मुद्दा नहीं है। पहले उन्होंने कहा कि वे संसद में 'ऑपरेशन सिंदूर' पर चर्चा करेंगे, इसलिए 'ऑपरेशन सिंदूर' पर चर्चा हुई। फिर उन्होंने कहा कि वे 'एसआईआर' मुद्दा उठाएंगे। चुनाव आयोग जब कथित तौर पर 'वोट चोरी' के आरोप को लेकर विपक्ष से मिलने को तैयार हुआ और उनके सांसदों की सूची मांगी, लेकिन वे लोगों की सूची नहीं दे पाए और आरोप लगा रहे हैं कि चुनाव आयोग ने हमें मिलने नहीं दिया। बता दें कि बिहार में इस साल चुनाव होना है। चुनावी साल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के मामले पर विपक्ष सरकार पर हमलावर है। लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने आयोग और सरकार पर कथित तौर पर 'वोट चोरी' का आरोप लगाया है।

शुभमन गिल या यशस्वी जायसवाल: एशिया कप टीम में किसे मिलेगी जगह

नई दिल्ली (एजेंसी)। नवनियुक्त टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने इंग्लैंड दौरे के दौरान 754 रन बनाकर बल्लेबाजी रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज करा लिया। इस दौर में उन्होंने 5 मैचों में चार शतक लगाए और %प्लेयर ऑफ द सीरीज% का खिताब जीता। वनडे में पहले से ही एक मजबूत खिलाड़ी गिल ने 55 वनडे मैचों में 2,775 रन और 22 अर्धशतक जड़े। शुभमन गिल को 9 सितंबर से शुरू होने वाले आगामी टी20 एशिया कप में खिलाने का प्रलोभन दिया जा रहा है।

भारत अपने अभियान की शुरुआत 10 सितंबर को यूएई के खिलाफ मैच से करेगा। मीडिया में ऐसी खबरें हैं कि गिल टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में वापसी कर सकते हैं, और संभवतः उप-कप्तान संभाल सकते हैं। मौजूदा कप्तान रोहित शर्मा के संन्यास लेने के बाद, उन्हें वनडे टीम की कमान मिल सकती है। सवाल यह है कि क्या गिल भारत की टी20आई योजनाओं में फिट बैठते हैं? उनका सबसे हालिया टी20 मैच इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में था, जहां उन्होंने लगभग 156 के स्ट्राइक रेट से 15 मैचों में छह अर्द्धशतकों के साथ 650 रन बनाए और चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी के रूप में उभरे। उन्हें उन चेहरों में से एक के रूप में भी पहचाना जाता है जो आने वाले दशक में भारत के लिए सभी प्रारूपों में क्रिकेट पर हावी हो सकते हैं।

चयन प्रक्रिया अभी भी जटिल है, क्योंकि पिछली बार जब भारत ने एक पूर्ण टी20आई टीम खेली थी, तब रोहित शर्मा और विराट कोहली टी20 विश्व कप 2024 में अभी भी मौजूद थे और गिल मुख्य 15 खिलाड़ियों के अलावा एक यात्रा रिजर्व के रूप में थे। तब से शेड्यूलिंग और चोटों ने टी20आई में भारत के चयन को प्रभावित किया है। उन्होंने वर्ष 2024 का अंत आठ टी20आई में 38.00 की औसत, 133 की स्ट्राइक रेट और जिम्बाब्वे श्रृंखला में दो अर्द्धशतकों के साथ 266 रन बनाकर किया, जिससे उनके कुल आंकड़े 21 मैचों और पारियों में 30.42 की औसत से 578 रन हो गए जिसमें 139 से अधिक की स्ट्राइक रेट, एक शतक और तीन अर्द्धशतक शामिल हैं, जबकि उनके टी20आई करियर की शुरुआत में स्कोर की एक असंगत श्रृंखला थी।

गिल को जुलाई में टी20आई श्रृंखला के लिए सूर्यकुमार यादव के उप-कप्तान के रूप में नियुक्त किया गया था और चूंकि टेस्ट क्रिकेट को प्राथमिकता दी गई, इसलिए गिल को टी20आई के लिए नहीं चुना गया। संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा और तिलक वर्मा भारत के नए शीर्ष तीन के रूप में उभरे। गिल अक्टूबर में बांग्लादेश के खिलाफ टी20आई, नवंबर में दक्षिण अफ्रीका में टी20आई और इस साल जनवरी में इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू टी20आई से चूक गए। जनवरी में होने वाले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के निराशाजनक प्रदर्शन के तुरंत बाद आयोजित किए गए थे और मार्च में होने वाली आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी इस युवा खिलाड़ी के लिए प्राथमिकता थी क्योंकि उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए चुना गया था और ऑलराउंडर अक्षर पटेल को इस पूरे टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज के लिए उप-कप्तान बनाया गया था।

कार्यक्रम अभी भी बेहद कठिन है क्योंकि 28 सितंबर को एशिया कप फाइनल के बाद वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज 2 अक्टूबर से शुरू होगी। चयनकर्ताओं को अगले साल घरेलू और श्रीलंका में होने वाले टी20 विश्व कप को बरकरार रखने के इरादे से एशिया कप के लिए अपनी सर्वश्रेष्ठ टीम चुननी होगी। टी20 विश्व कप जीत के बाद से भारत द्विपक्षीय सीरीज में शानदार प्रदर्शन कर रहा है और उसने ऐसी 20 में से 17 सीरीज जीती हैं।

गिल की अनुपस्थिति में अभिषेक ने इंग्लैंड के खिलाफ 279 रनों की सीरीज (220 के औसत से) खेलकर अपनी जगह पक्की कर ली, जिसमें वानखेड़े में 54 गेंदों में 135 रनों की तूफानी पारी भी शामिल है। हालांकि संजू के स्कोर कम रहे, लेकिन उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू और दक्षिण अफ्रीका में हुई सीरीज की 5 पारियों में तीन शतक जड़े थे। पिछला टी20 विश्व कप जीत के बाद से सभी शीर्ष क्रम विकल्पों में, अभिषेक अपने स्ट्राइक्रेट और स्ट्राइक रेट को देखते हुए शीर्ष स्कोरर और सबसे आकर्षक खिलाड़ी रहे हैं। भारत/आईपीएल/घरेलू मुकाबलों में 42 मैचों में उन्होंने 40 पारियों में 34.94 की औसत से 1,363 रन बनाए हैं, जिसमें 198 से ज्यादा का स्ट्राइक रेट, 4 शतक और छह अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 141 है।

पिछले टी20 विश्व कप के बाद से तिलक ने 36 मैचों और 32 पारियों में 50.00 की औसत से 1,200 रन बनाए हैं जिसमें 153.84 का स्ट्राइक रेट, तीन शतक और 5 अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 151 है। इनमें से दो शतक पिछले साल दक्षिण अफ्रीका दौरे के दौरान आए थे। सैमसन ने भी अच्छा प्रदर्शन किया और अभिषेक के साथ भारतीय टीम के लिए सलामी बल्लेबाज के रूप में नया जीवन पाया। पिछले टी20 विश्व कप के बाद से उन्होंने 31 टी20 मैचों और 30 पारियों में 33.62 की औसत और 157.09 के स्ट्राइक रेट से 908 रन बनाए हैं, जिसमें तीन शतक और तीन अर्द्धशतक शामिल हैं।

कप्तान सूर्यकुमार यादव ने सभी टी20 मैचों में 36.90 की औसत और 161.13 के स्ट्राइक रेट और 8 अर्द्धशतकों के साथ 1,107 रन बनाए हैं। टी20 विश्व कप जीत के बाद उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 75 रन है। हालांकि उनके अंतरराष्ट्रीय फॉर्म में भारी गिरावट देखी गई। पिछले साल के टी20 विश्व कप के बाद से गिल ने 22 मैचों में 47.00 की औसत और 147 से अधिक के स्ट्राइक रेट और आठ अर्द्धशतकों के साथ 893 रन बनाए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 93* है।

विश्व कप पर नजरें, ग्लेन मैक्सवेल अपनी गेंदबाजी में कर रहे सुधार

केर्न्स (ऑस्ट्रेलिया) (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के करिश्माई ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल अगले साल भारतीय उपमहाद्वीप में होने वाले टी20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए पावरप्ले के ओवरों में अधिक प्रभाव छोड़ने के लिए अपने स्पिन गेंदबाजी कौशल को निखार रहे हैं।

टी20 विश्व कप 2026 में भारत और श्रीलंका में आयोजित किया जाएगा और अगर मैक्सवेल फिट रहते हैं तो उनका ऑस्ट्रेलिया की टीम में जगह बनाना तय है। वह नियमित रूप से इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेलते रहे हैं और भारतीय उपमहाद्वीप की परिस्थितियों से अच्छी तरह वाकिफ हैं।

मैक्सवेल ने अपनी गेंदबाजी क्षमता के बावजूद 2022 के टी20 विश्व कप और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चल रही घरेलू श्रृंखला के बीच सबसे छोटे प्रारूप में पावर प्ले में कुल मिलाकर 5 ओवर फेंके हैं। लेकिन इस 36 वर्षीय खिलाड़ी का मानना है कि वह टी20 विश्व कप के दौरान पावरप्ले ओवरों में उपयोगी साबित हो सकते हैं, क्योंकि नई गेंद उपमहाद्वीप के विकेटों पर बेहतर पकड़ बनाती है।

मैक्सवेल ने कहा, 'मुझे लगता है कि उपमहाद्वीप में आप शुरुआत में स्पिनर के तौर पर विकेट से थोड़ा अधिक लाभ उठा सकते हैं।' उन्होंने कहा, 'मुझे विकेट लेना बहुत पसंद है। जब भी मैं किसी को आउट करता हूं तो मुझे हैरानी होती है। मैं पावरप्ले में अपनी भूमिका निभाना चाहता हूं और इसमें अधिक बेहतर तरीके से गेंदबाजी करने की कोशिश कर रहा हूं।'

सीएसके के लिए सैमसन को शामिल करना इसलिए हो रहा मुश्किल : उथप्पा

नई दिल्ली । राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन के आईपीएल टीम बदलने को लेकर चर्चाएं जारी हैं। कहा जा रहा है कि सैमसन अगले सत्र में चेन्नई सुपर किंग्स खेल सकते हैं। सीएसके ने हालांकि अभी तक कुछ नहीं कहा है। वहीं राजस्थान रॉयल्स ने भी इस मामले में चुप्पी साध रखी है। इस मामले में पूर्व क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा का माना है कि सैमसन अब रॉयल्स में फिट नहीं हो पा रहे हैं, इसी कारण वह उसे छोड़ना चाहते हैं। सीएसके को लग रहा है कि सैमसन आते हैं तो उसे एक अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज और कप्तान मिल जाएगा जो महेंद्र सिंह धोनी की जगह ले सके।

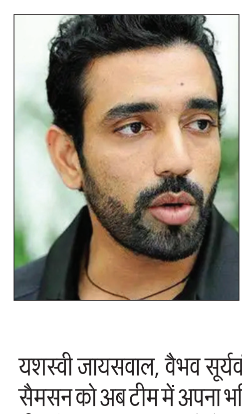

इसके लिए वह राजस्थान रॉयल्स से सौदेबाजी की कोशिश में लगी है। वहीं कहा जा रहा है कि रॉयल्स बदले में सीएसके के दो खिलाड़ी चाहती है। उथप्पा ने यह भी कहा कि सीएसके को आर अश्विन और विजय शंकर को देकर रॉयल्स से सैमसन को लेना चाहिये। सैमसन की कीमत अभी 18 करोड़ रुपये है, इसलिए भी उनके लिए करार करना कठिन हो रहा है। उथप्पा ने कहा कि रॉयल्स युवाओं को आगे बढ़ाती रही है। उसके पास पहले से ही बल्लेबाजी में यशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी और रियान पराग जैसी प्रतिभाएं हैं। इसी कारण सैमसन को अब टीम में अपना भविष्य नजर नहीं आता है। इसी वजह से वह किसी अन्य टीम के साथ जुड़ना चाहते हैं। उथप्पा ने कहा कि जायसवाल, सूर्यवंशी और रियान पराग के रहते हुए सैमसन को चौथे नंबर पर ही बल्लेबाजी के लिए उतरना पड़ेगा। वह नहीं चाहते कि बल्लेबाजी क्रम में वह नीचे खिसके क्योंकि वह भारतीय टीम के लिए टी20 में बल्लेबाजी करते हैं।

वेस्टइंडीज के खिलाफ पाकिस्तान 92 रन पर ऑल आउट, शोएब अख्तर ने हेड कोच को लिया आड़े हाथ

स्पोर्ट्स डेस्क। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज हारने के बाद पाकिस्तान क्रिकेट टीम और नवनियुक्त हेड कोच माइक हेसन पर तीखा हमला बोला। हालांकि पाकिस्तान पहला वनडे जीतने में कामयाब रहा और दूसरा मैच भी अच्छा रहा, लेकिन तीसरे वनडे में टीम पूरी तरह से बिखर गई। 295 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान की पूरी टीम 92 रनों पर ढेर हो गई। अख्तर ने कहा कि गेंदबाजी के अनुकूल परिस्थितियों में पाकिस्तानी बल्लेबाज अच्छा खेलने के लिए तैयार नहीं हैं। क्रिकेट पाकिस्तान के हवाले से अख्तर ने मैच के बाद कहा, %माइक हेसन एक अच्छे टी20 कोच हैं, लेकिन मुझे नहीं पता कि उनमें वनडे के लिए क्या गुण हैं। इस प्रारूप में अगर आप अच्छे खिलाड़ी नहीं खिलाएंगे, तो यही होगा।' उन्होंने आगे कहा, 'जब तक आप स्थापित ऑलराउंडर, बल्लेबाज, गेंदबाज और स्पिनर नहीं उतारेंगे, आपको पूरे 50 ओवर नहीं मिलेंगे। इस प्रारूप में आप मुश्किल से जीत हासिल नहीं कर सकते।' उन्होंने कहा, 'यह खिलाड़ियों की गलती नहीं, बल्कि गलत नीतियों का नतीजा है। सीमिंग पिचों पर आपके खिलाड़ी हमेशा उजागर होते रहेंगे। अब इस पुनर्निर्माण प्रक्रिया को एक नया नाम दिया गया है, एक संयोजन बनाना। शुक्र करो कि पैट कमिंस और मिशेल स्टार्क यहां नहीं थे। जहां भी ऐसे हालात होंगे, हमारे खिलाड़ी उजागर होंगे।'

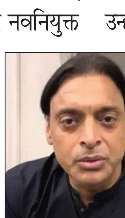

विराट ने अभ्यास सत्र का वीडियो जारी किया, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज से वापसी करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के जहां एकदिवसीय क्रिकेट से संन्यास लेने की अटकलें लगायी जा रही हैं और कहा जा रहा है कि उन्हें 2027 विश्वकप के लिए जगह नहीं मिलेगी। वहीं लगता है कि कि विराट अभी संन्यास लेने के मूड में नहीं हैं। हाल ही में विराट ने नेट अभ्यास की तस्वीरें जारी की हैं। जिससे संकेत मिलते हैं कि वह एकदिवसीय प्रारुप पर ध्यान दे रहे हैं। अगस्त में बांग्लादेश के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के स्थगित होने के बाद अब विराट अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में खेलते दिखेंगे। ये सीरीज विराट के करियर के लिए काफी अहम मानी जा रही है।

कोहली ने इनडोर नेट सत्र की एक तस्वीर जारी की है, जिससे पता चलता है कि चैंपियंस ट्रॉफी में अपने अंतिम मैच के बाद से ही वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी के लिए तैयार हैं। साझा की गई एक तस्वीर में कोहली गुजरात टाइटंस के सहायक कोच नईम अमीन के साथ अभयास करते हुए दिखाई दे रहे थे। उन्होंने लिखा, 'हिट में सहायता करने के लिए धन्यवाद, भाई आपको देखकर हमेशा अच्छा लगता है।' बाद में एक प्रशंसक ने इस तस्वीर को दोबारा जारी किया। इसमें कोहली एकदिवसीय सीरीज की तैयारी करते हुए दिखे।

विराट के साथ-साथ ही कप्तान रोहित शर्मा के लिए भी ऑस्ट्रेलिया सीरीज अहम रहेगी। अगर वह इसमें अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये तो उनका भी एकदिवसीय करियर समाप्त होना तय है। टी20 और टेस्ट मैच से संन्यास के कारण अब रोहित एकदिवसीय प्रारुप में ही खेलते हैं। इस बीच ही दिग्गजों की बढ़ती उम्र को देखते हुए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) भविष्य की योजनाओं को देखते हुए इनकी जगह पर युवाओं को अवसर देने के पक्ष में है।

सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर की सानिया चंडोक से सगाई हुई

मुम्बई। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर की सानिया चंडोक से सगाई हुई है। सानिया एक नामी कारोबारी घई परिवार से संबंध रखती हैं और अर्जुन की बचपन की दोस्त हैं। घई परिवार आतिथ्य और खाद्य उद्योग में एक बड़ा नाम है। जो इंटरकॉन्टिनेंटल होटल और लोकप्रिय आइसक्रीम ब्रांड ब्रुकलिन क्रीमरी के मालिक हैं। वहीं सानिया चंडोक मुंबई स्थित मिस्टर पॉज पेट स्पा एंड स्टोर एलएलपी में एक नामित पार्टनर और निदेशक हैं। वह दिग्गज कारोबारी रवि घई की पोती हैं। सानिया और अर्जुन बचपन के दोस्त हैं। उनकी सगाई में दोनों के परिवारों के सदस्य और उनके कुछ करीबी रिश्तेदार और दोस्त भी शामिल थे। इससे पहले अर्जुन और सानिया कई बार एकसाथ नजर आये पर उनके अफेयर की जानकारी सार्वजनिक नहीं हुई थी। अर्जुन तेंदुलकर बांए हाथ के तेज गेंदबाज और बल्लेबाज हैं। अर्जुन घरेलू क्रिकेट में गोवा की ओर से खेलते हैं। उन्होंने आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लिए खेला है। उन्होंने अपने घरेलू करियर की शुरुआत मुंबई के साथ साल 2020 और 21 सत्र में की थी, जब उन्होंने हरियाणा के खिलाफ एक टी20 मैच में डेब्यू किया था। इससे पहले, उन्होंने जूनियर स्तर पर मुंबई की ओर से खेला था। इसके बाद वह गोवा चले गये थे। वहां उन्होंने फर्स्ट-क्लास और लिस्ट ए क्रिकेट में डेब्यू किया।

'सपना साकार हुआ', तिलक वर्मा ने काउंटी क्रिकेट खेलने के लिए हैम्पशायर का धन्यवाद किया

स्पोर्ट्स डेस्क। भारत के बाएं हाथ के बल्लेबाज तिलक वर्मा ने कहा कि हैम्पशायर के लिए काउंटी क्रिकेट खेलने के उनके छोटे से कार्यकाल ने उन्हें ऐसे सबक सिखाए हैं जिन्हें वह 'जीवन भर साथ रखेंगे'। वर्मा का सफर शून्य पर आउट होने के साथ समाप्त हुआ, जब हैम्पशायर को वन-डे कप के ग्रुप ए में वॉर्सेस्टरशायर से 5 विकेट से हार का सामना करना पड़ा।

वर्मा ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'बचपन में मैंने काउंटी क्रिकेट खेलने का सपना देखा था। इस साल हैम्पशायर के साथ वह सपना साकार हुआ, यहां मेरे पहले लाल गेंद के अनुभव और एकदिवसीय मैचों ने मुझे ऐसे सबक सिखाए जो मैं जीवन भर साथ रखूंगा, न केवल एक क्रिकेटर के रूप में, बल्कि एक व्यक्ति के रूप में भी। धन्यवाद, हैम्पशायर।'

भारत के लिए दोनों सफेद गेंद प्रारूपों में 29 मैच खेल चुके हैं 22 वर्षीय वर्मा पिछले महीने चार मैचों के काउंटी चैंपियनशिप के लिए हैम्पशायर में शामिल हुए थे। उन्होंने हैम्पशायर के लिए सभी प्रारूपों में 7 मैच खेले, जिनमें 2 शतकों और दो अर्द्धशतकों की मदद से 412 रन बनाए और उनका सर्वोच्च स्कोर 112 रहा। उन्होंने अपने तीन लिस्ट ए मैचों में एक विकेट भी लिया। हैम्पशायर ने उसी पोस्ट में यह भी कहा कि वर्मा ने क्लब को उनकी कल्पना से कहीं ज़्यादा दिया। उन्होंने कहा, 'अपने पहले लाल गेंद के शतक से लेकर हैम्पशायर की जर्सी में उन शानदार पारियों तक, उन्होंने दिखा दिया है कि वह क्रिकेट की सबसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों में से एक क्यों हैं। आंकड़ों से परे तिलक के व्यक्तित्व और गर्मजोशी ने यूटिलिटा बाउल में सभी को सचमुच प्रभावित किया है। उन्होंने हैम्पशायर क्रिकेट को खुले दिल से अपनाया है। इस जादू के लिए शुक्रिया, तिलक। एक बार हैम्पशायर का खिलाड़ी, हमेशा परिवार का हिस्सा।' वर्मा 28 अगस्त से बेंगलुरु में शुरू होने वाली 2025/26 दलीप ट्रॉफी में दक्षिण क्षेत्र का नेतृत्व करेंगे। यह क्षेत्रीय टूर्नामेंट भारत में घरेलू सत्र की शुरुआत का प्रतीक होगा। लेकिन वर्मा को यदि 9 से 28 सितंबर तक संयुक्त अरब अमीरात में खेले जाने वाले पुरुष टी-20 एशिया कप के लिए भारतीय टीम में चुना जाता है तो वह प्रतियोगिता से बाहर हो सकते हैं।

भारतीय पैरा-एथलीट खिलाड़ी का मुंह आवारा कुत्ते ने नोचा, रेबीज का इंजेक्शन भी नहीं आया काम, हुई मौत

स्पोर्ट्स डेस्क । भुवनेश्वर में एक पागल कुत्ते के काटने के कारण 33 वर्षीय राष्ट्रीय स्तर के पैरा-एथलीट और एक अन्य व्यक्ति की रेबीज से मौत हो गई। एथलीट जोगेंद्र छत्रिया, 48 वर्षीय किसान ऋषिकेश राणा और स्कूली बच्चों सहित छह लोगों को 23 जुलाई को कुत्ते ने काटा था। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि कुत्ते ने बिना किसी उकसावे के हमला किया। छत्रिया के चेहरे पर गंभीर चोटें आईं। घायलों में से चार ठीक हो गए, लेकिन छत्रिया और राणा की हालत बिगड़ती गई और उनकी मृत्यु हो गई। अधिकारियों ने बताया कि दोनों को कुत्ते के काटने के बाद टीके लगाए गए थे, लेकिन छत्रिया के घावों की गंभीरता और स्थान के कारण संक्रमण तेजी से बढ़ा। भीमा भोई मेडिकल कॉलेज के अधीक्षक ने एक बयान में कहा, 'सभी घायलों को भर्ती होने के बाद टीका लगाया गया था।' जोगेंद्र छत्रिया को 23 जुलाई को पहला टीका लगा। लेकिन कुत्ते ने उनके चेहरे पर काटा था, इसलिए संक्रमण तेजी से फैला। अपनी मृत्यु से पहले दोनों पीड़ितों में रेबीज़ के पूरे लक्षण दिखाई दिए। छत्रिया राष्ट्रीय फ्लोरबॉल प्रतियोगिताओं में भारत का प्रतिनिधित्व करने और पैरा-एथलेटिक्स में अपनी उपलब्धियों के लिए जाने जाते थे।

आईसीसी नॉकआउट मैचों में रनों के मामले में पहले दो स्थानों पर हैं विराट और रोहित

नई दिल्ली । भारतीय एकदिवसीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली का आईसीसी के नॉकआउट मैचों में काफी अच्छा रिकार्ड रहा है हालांकि इसके बाद भी इन दोनो को अगले एकदिवसीय विश्वकप में अवसर मिलने की काफी कम संभावनाएं हैं। विश्व कप 2027 की टीम में भले ही इन दोनो को भले ही जगह न मिले पर इनके योगदान को कम आंकना भूल होगा। नॉकआउट मैचों में रनों की बात करें तो इन दोनो की बराबरी कोई अन्य बल्लेबाज नहीं कर पाया है। विराट और रोहित ने कई बड़े स्कोर आईसीसी के नॉकआउट मुकाबलों में बनाये हैं। रोहित ने दो जबकि विराट कोहली ने एक शतक इस दौरान लगाया है। विराट ने तीन जबकि रोहित ने दो अर्धशतक लगाये हैं। विराट के आईसीसी नॉकआउट मैचों में रनों की संख्या 939 है और रोहित शर्मा ने 780 रन बनाए हैं। कोई भारतीय खिलाड़ी इन दोनो के करीब भी नहीं हैं। नॉकआउट मैचों में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में सचिन तेंदुलकर तीसरे भारतीय खिलाड़ी हैं। वहीं आईसीसी नॉकआउट मैचों में सर्वाधिक रन बनाने के मामले में विराट 939 और रोहित 780 रनों के बाद तीसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग हैं। उन्होंने 731 रन बनाए हैं, जबकि चौथे नंबर पर सचिन तेंदुलकर ने 657 रन बनाए हैं। श्रीलंका के पूर्व कप्तान कुमार संगकारा ने 595 रन आईसीसी के नॉकआउट मैचों में लगाये हैं। विराट कोहली के नाम एक वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड दर्ज है, जबकि रोहित शर्मा ने एक वर्ल्ड कप में 5 शतक जड़ने का विश्व रिकॉर्ड बनाया हुआ है।

दलीप ट्रॉफी में आकाश दीप की जगह मुख्तार हुसैन शामिल

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज आकाश दीप फिट नहीं होने के कारण इसी माह 28 अगस्त से शुरु होने जा रहे दलीप ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट में नहीं खेलेंगे। ऐसे में आकाशदीप की जगह पर मुख्तार हुसैन को शामिल किया गया है। आकाश दीप घरेलू क्रिकेट में बंगाल की ओर से खेलते हैं। वह हाल ही में हुए इंग्लैंड दौरे में चोटिल हो गये थे और अभी तक फिट नहीं हुए हैं। आकाश दीप ने इंग्लैंड में भारत की ओर से तीन टेस्ट में 13 विकेट लिए हैं। उन्हें पूर्वी क्षेत्र की टीम में शामिल किया गया था पर अब उनकी जगह पर असम के तेज गेंदबाज मुख्तार को टीम में जगह मिली है। मुख्तार ने अब तक 40 प्रथम श्रेणी मैचों में 132 विकेट लिए हैं। साथ ही 61 पारियों में मुख्तार ने 580 रन भी बनाए हैं। मुख्तार 140 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी करते हैं। वह असम से खेलते हैं। मुख्तार हुसैन असम के लिए तीनों प्रारुपों में खेलते हैं। आकाश के नहीं होने से अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी गेंदबाजी आक्रमण की कमान संभालेंगे। वहीं तेज गेंदबाज मुकेश कुमार उनका साथ देंगे। वहीं एक रिपोर्ट में कहा गया है कि आकाश दीप ने पूरी तरह से फिट नहीं होने के कारण दलीप ट्रॉफी से बाहर होने का फैसला लिया है। आकाश दीप ने भारतीय टीम की ओर से इंग्लैंड के खिलाफ 23 फरवरी, 2024 को रांची में टेस्ट डेब्यू किया था। उन्होंने पहली पारी में तीन विकेट लिए थे. उन्होंने अब तक कुल 10 टेस्ट मैच खेले हैं और 28 बल्लेबाजों को आउट किया है। उनके 28 विकेटों में से 10 अकेले एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के दूसरे टेस्ट में आए। इसमें उन्होंने पहली पारी में 4 विकेट और दूसरी पारी में छह विकेट लिए।

दलीप ट्रॉफी 2025 के लिए पूर्वी क्षेत्र की टीम- ईशान किशन (कप्तान), अभिमन्यु ईश्वरन (उपकप्तान), संदीप पटनायक, विराट सिंह, डेनिश दास, श्रीराम पॉल, शरनदीप सिंह, कुमार कुशाग्र, रियान पराग, उत्कर्ष सिंह, मनीषी, सूरज सिंधु जायसवाल, मुकेश कुमार, मुख्तार हुसैन, मोहम्मद शमी।

स्टैंडबाय- आशीर्वाद स्वैन, वैभव सूर्यवंशी, स्वस्तिक समल, सुदीप के घरामी, और राहुल सिंह।

ओलंपिक हॉकी कांस्य पदक विजेता और खेल जगत के दिग्गज वेस पेस का निधन

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोलकाता - म्यूनिख में 1972 में खेले गए ओलंपिक खेलों के कांस्य पदक विजेता भारतीय हॉकी टीम के सदस्य और दिग्गज टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस के पिता डॉ. वेस पेस का उम्र संबंधी बीमारियों के कारण गुरुवार सुबह यहां निधन हो गया। वह 80 वर्ष के थे। वेस पेस पार्किंसन रोग से पीड़ित थे। उन्हें मंगलवार सुबह यहां वुडलैंड्स अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

वेस पेस का अंतिम संस्कार सोमवार या मंगलवार को किया जाएगा, क्योंकि परिवार उनकी बेटियों के आने का इंतजार करेगा, जो दोनों विदेश में बस गई हैं। वेस पेस का विवाह जेनिफर से हुआ था। वह भारतीय बास्केटबॉल खिलाड़ी थीं और राष्ट्रीय टीम की कप्तान भी रह चुकी थीं। बहुमुखी प्रतिभा के धनी वेस पेस विभिन्न भूमिकाओं में लंबे समय तक भारतीय खेलों से जुड़े रहे। वह भारतीय हॉकी टीम में मिडफील्डर थे। उन्होंने फुटबॉल, क्रिकेट और रग्बी जैसे कई खेल भी खेले और 1996 से 2002 तक भारतीय रग्बी फुटबॉल संघ के अध्यक्ष भी रहे।

अप्रैल 1945 में गोवा में जन्मे पेस खेल और शिक्षा दोनों में असाधारण थे और हॉकी में सफल होने के बाद वे खेल चिकित्सा के चिकित्सक बन गए। उन्होंने एशियाई क्रिकेट परिषद, भारतीय क्रिकेट बोर्ड और भारतीय डेविस कप टीम सहित कई खेल निकायों के साथ सलाहकार के रूप में काम किया। वेस पेस उस भारतीय हॉकी टीम के भी सदस्य थे जिसने 1971 में बार्सिलोना में विश्व कप में कांस्य पदक जीता था, लेकिन उसके एक साल बाद मिला ओलंपिक पदक उनके करियर का सबसे महत्वपूर्ण पल था।

ओलंपिक खेल 1972 को फिलिस्तीन के एक उग्रवादी समूह द्वारा 11 इजरायली खिलाड़ियों की हत्या के लिए भी दुखद रूप से याद किया जाता है, जिसके कारण इस खेल को चार दिनों के लिए बंद करना पड़ा था। हॉकी करियर को अलविदा कहने के बाद वेस पेस एक दशक तक भारतीय डेविस कप टीम के टीम डॉक्टर और लिएंडर पेस के मैनेजर भी रहे। लिएंडर पेस ने अपने पिता के कहने पर ही टेनिस में कदम रखा था।

लिएंडर ने भारतीय खेलों को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया और 18 ग्रैंड स्लैम खिताब जीतकर देश के इतिहास में सबसे सफल टेनिस खिलाड़ी बने। लिएंडर के 18 ग्रैंड स्लैम खिताब में आठ पुरुष युगल और 10 मिश्रित युगल खिताब शामिल हैं। लिएंडर ने 1996 के अटलांटा ओलंपिक में पुरुष एकल का कांस्य पदक भी जीता। इस प्रकार उन्होंने हर चार साल में होने वाले इन खेलों में पदक जीतने की पारिवारिक परंपरा को जीवित रखा।

लिएंडर अंतरराष्ट्रीय टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल होने वाले पहले एशियाई पुरुष टेनिस खिलाड़ी भी हैं। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष और पूर्व डिफेंडर दिलीप टिर्की ने कहा कि पेस सीनियर के निधन से देश में खेल का एक युग समाप्त हो गया है। उन्होंने कहा, 'हॉकी इंडिया के लिए यह एक दुखद दिन है। डॉ. पेस के निधन से हॉकी के एक युग का अंत हो गया है। म्यूनिख में जीता गया ओलंपिक पदक उनके धैर्य और दृढ़ संकल्प का प्रमाण है।'

टिर्की ने कहा, 'मुझे उनसे कई बार मिलने का सौभाग्य मिला और मैं हमेशा खेलों के प्रति उनके जुनून से प्रेरित रहा। वे देश में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के प्रबल समर्थक थे। हॉकी इंडिया की तरफ से हम उनकी पत्नी जेनिफर, बेटे लिएंडर और उनके पूरे परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं। हम इस दुःखद घड़ी में उनके साथ हैं।'

वेस पेस 70 और 80 के दशक में कोलकाता की फुटबॉल दिग्गज मोहन बागान और मोहम्मडन स्पोर्टिंग की हॉकी टीमों के लिए भी खेले। उन्होंने ईस्ट बंगाल के तत्कालीन कोच सुभाष भौमिक के आग्रह पर ईस्ट बंगाल फुटबॉल टीम और बाईचुंग भूटिया जैसे खिलाड़ियों के साथ भी काम किया।

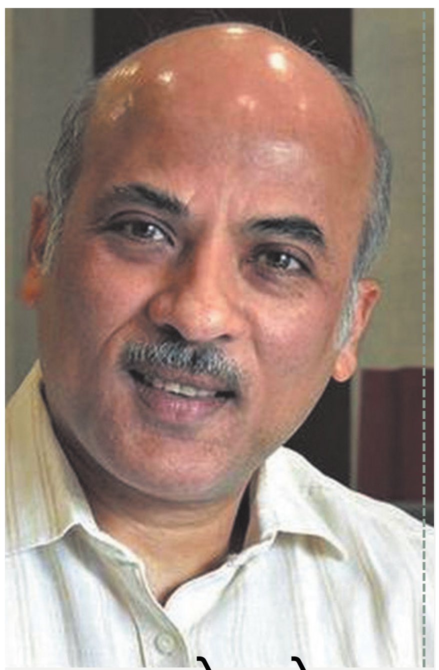

सलमान से पहले आयुष्मान की फिल्म, सूरज बोले- चाहता हूं प्रेम लौटे तो दर्शकों के दिल तक पहुंचे

अपने नए शो 'मनपसंद की शादी' पर चर्चा करते हुए सूरज बड़जात्या कहते हैं, 'काफी वक्त से मेरे दिमाग में एक सोच थी। एक ऐसी कहानी बनाना चाहता था, जिसमें आज के दौर बच्चों और शादी को लेकर उनका नजरिया पेश किया जाए। चैनल वाले मेरे पास एक साल की रिसर्च लेकर आए थे, जिसमें छोटे शहरों के लड़के-लड़कियों से पूछा गया था कि वे कैसी शादी चाहते हैं? वहीं से 'मनपसंद की शादी' का कॉन्सेप्ट बना।' बड़जात्या ने आगे बताया, 'आज के बच्चे कहते हैं- हम अपने लिए साथी खुद चुनेंगे, लेकिन भागकर शादी नहीं करना चाहते। लिस्ट बनाएंगे, परखेंगे, फिर पेरेंट्स से मिलवाएंगे और जिम्मेदारी भी निभाएंगे। यही सोच इस शो की नींव है।'

शादियों की अहमियत कायम है

बड़जात्या मानते हैं कि समय के साथ परिवार का ढांचा बदला है, लेकिन उसकी अहमियत नहीं। उन्होंने कहा, 'आज अगर मैं सोचूं कि 15-20 लोग एक ही घर में रहते हैं तो शायद कई लोगों के लिए यह बड़ी बात होगी। आज परिवार भले ही छोटे हो गए हैं, पर उनकी अपनी अहमियत है। शादियों की भी अपनी अहमियत होती है। बदला कुछ नहीं है।'

टीआरपी के लिए दिखावा नहीं, अच्छा कंटेंट चाहिए

टीवी पर टीआरपी को लेकर होने वाले दबाव के बारे में सूरज ने कहा, 'टीआरपी का दबाव आपके काम का हिस्सा है, पर सिर्फ टीआरपी बढ़ाने के लिए नकली ड्रामा करना, लंबे समय तक नहीं चलता। कहानी अच्छे से पेश की जाए तो वह अपनी टीआरपी खुद लाती है।'

सलमान की फैमिली फिल्म में वक्त लगेगा

यह पूछे जाने पर कि क्या सलमान खान के साथ फिर काम करेंगे? सूरज बड़जात्या ने कहा, 'हम पूरी कोशिश कर रहे हैं कि सलमान हमारी आने वाली फिल्म का हिस्सा बनें। कहानी पर भी काम चल रहा है। हालांकि, सच्चाई ये भी है कि सलमान भाई के लिए एक्शन करना आसान है, लेकिन अगर उनको फैमिली फिल्म में लाना है तो उनकी उम्र और इमेज के हिसाब से कहानी होना जरूरी है। हम चाहते हैं कि जब 'प्रेम' लौटे तो वो सही मायनों में ऑडियंस के दिल तक पहुंचे इसलिए कहानी पर बारीकी से काम हो रहा है और इसमें थोड़ा वक्त लग रहा है।'

पति, पत्नी और वो 2 में हुई रकुल प्रीत सिंह की एंट्री

आयुष्मान खुराना जल्द ही फिल्म पति, पत्नी और और वो 2 में दिखाई देंगे। मुदस्सर अजीज इस फिल्म को डायरेक्ट करेंगे। अब इस फिल्म को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। रिपोर्ट्स के अनुसार... पति, पत्नी और वो 2 में आयुष्मान के साथ एक नहीं, बल्कि 3 एक्ट्रेस नजर आएंगी। सारा अली खान और वामिका गब्बी पहले ही इस फिल्म की स्टार कास्ट में शामिल हो गई हैं। अब फिल्म में रकुल प्रीत सिंह की एंट्री हो गई है। मेकर्स ने उन्हें इस फिल्म के लिए साइन कर लिया है।

इसके साथ रकुल को फिल्म की स्क्रिप्ट भी काफी पसंद आई है। फिल्म में उनका क्या किरदार रहेगा इस बारे में फिलहाल जानकारी सामने नहीं आई है। मेकर्स जल्द ही इसकी अनाउंसमेंट करेंगे। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि पति, पत्नी और वो 2 की शूटिंग इस साल सितंबर में शुरू हो जाएगी, वहीं यह फिल्म 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है। इस फिल्म की कहानी लिखकर तैयार है। फिल्म 2026 में रिलीज होगी, इसकी कहानी भी लिखकर तैयार है।

कैंसर ट्रीटमेंट के दौरान किसी ने नहीं दिया काम, अब मैं ऑडिशन के लिए तैयार हूं

हिना खान टीवी की जानी-मानी एक्ट्रेस हैं। साथ ही फिल्मों में भी लीड रोल कर चुकी हैं। पिछले साल उन्हें ब्रेस्ट कैंसर का पता चला। इसी बीमार से वह डटकर लड़ी और इलाज के बाद ठीक हो गईं। कैंसर ट्रीटमेंट के दौरान भी हिना खान एक्टिव रहीं लेकिन किसी सीरियल या फिल्म में नजर नहीं आईं। जबकि वह तो काम करना चाहती थी। अब हिना खान ने बताया कि किसी ने उन्हें पिछले एक साल में कोई काम ऑफर नहीं किया है।

काम देने से हिचकिचा रहे हैं लोग

एक इंटरव्यू में हिना खान कहती हैं, 'बीमारी का पता लगने, इलाज हो जाने के बाद 'पति पत्नी और पंगा' मेरा पहला प्रोजेक्ट है। मैं काम करना चाहती हूं। किसी ने मुझसे सीधे तौर पर यह नहीं कहा कि तुम अभी भी पूरी तरह से ठीक नहीं हुई हो। लेकिन मुझे लगता है कि शायद लोग काम देने से हिचकिचा रहे हैं। हो सकता है शो बनाने वाले ऐसा करें, मैं उनकी स्थिति भी समझती हूं। अगर मैं उनकी जगह होती, तो हजार बार सोचती।'

ऑडिशन देने के लिए तैयार हैं हिना खान

हिना खान आगे कहती हैं, 'लेकिन मैं ऑडिशन के लिए तैयार हूं, मैं कहां रुकी थी? पिछले एक साल से मुझे किसी ने नहीं बुलाया। मैं हर चीज के लिए तैयार हूं, मुझे कॉल करें।' हाल ही में हिना खान अपने पति रॉकी जायसवाल के साथ शो 'पति पत्नी और पंगा' का हिस्सा बनी हैं।

'पति पत्नी और पंगा' में कई टीवी सेलिब्रिटी कपल शामिल हुए

हिना और रॉकी के अलावा 'पति पत्नी और पंगा' में कई टीवी सेलिब्रिटी कपल भी शामिल हुए हैं। इस लिस्ट में देबिना बोनर्जी और गुरमीत चौधरी, रूबीना दिलैक और अभिनव शुक्ला, अविका गौर और मिलिंद चंदवानी, स्वरा भास्कर और फहद अहमद, गीता फोगट और पवन कुमार, सुदेश लहरी और ममता लहरी शामिल हैं।

जॉन अब्राहम ने की मलयालम सिनेमा की तारीफ, सबसे ज्यादा इन अभिनेताओं का पसंद आया काम

मलयालम फिल्में असली और सच्ची कहानियों के लिए मशहूर हैं। मलयालम फिल्ममेकर किसी मशहूर स्टार के बजाए कहानी पर जोर देते हैं। बॉलीवुड कलाकार जॉन अब्राहम पहले से ही इस तरह की चीजों को पसंद करते रहे हैं। हाल ही में उन्होंने कहा है कि वह मलयालम सिनेमा की तरह फिल्में बनाना पसंद करते हैं। वह मलयालम कलाकार मोहनलाल और ममूटी के फैन हैं।

मलयालम फिल्में बनाना चाहते हैं जॉन

जॉन अब्राहम ने आगे कहा मैं सोच रहा हूं कि मैं मलयालम सिनेमा से कुछ विचार उधार ले सकूं। इसलिए मैंने केरल में एक लेखक रूम बनवाया। ताकि वहां से विचार लें और ऐसी फिल्में देखें जो राष्ट्रीय स्तर पर या सिर्फ मलयालम में बनाई जा सकें। मैं मलयालम फिल्में बनाना चाहता हूं क्योंकि यही सही समय है। हालांकि मैं दूसरी फिल्में भी बनाना चाहता हूं।

जॉन ने की मलयालम फिल्म इंडस्ट्री की तारीफ

इंडियन एक्सप्रेस के साथ बातचीत में जॉन अब्राहम ने मलयालम सिनेमा की इस बात के लिए तारीफ की है कि मलयालम सिनेमा उन कहानियों पर फिल्में बनाता है जिन्हें दूसरे लोग मुश्किल से छूते हैं। उन्होंने कहा मलयालम इंडस्ट्री बहुत बहादुर है। मुझे लगता है कि देश में मलयालम फिल्म इंडस्ट्री से सबसे अच्छी फिल्में आ रही हैं। अगर आप मुझसे पूछेंगे कि सबसे अच्छा अभिनेता कौन है तो मैं कहूंगा मोहनलाल।

जॉन ने की अभिनेता ममूटी की तारीफ

जॉन अब्राहम ने फिल्म कैथल- द कोर के अभिनेता ममूटी की तारीफ की। उन्होंने कहा आप ममूटी को देखिए। उन्होंने फिल्म में एक पॉलिटिशियन का किरदार निभाया है। आप देखेंगे कि उन्होंने फिल्म में समलैंगिक का रोल किया है। मेरा मतलब है कि यह बहुत बहादुरी वाला किरदार है, जो उन्होंने फिल्म में निभाया है।

जॉन अब्राहम का वर्क फ्रंट

जॉन अब्राहम हाल ही में फिल्म द डिप्लोमैट में नजर आए थे। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास नहीं कर पाई थी। वह अपकमिंग फिल्म तेहरान में भी नजर आने वाले हैं। यह फिल्म 14 अगस्त को रिलीज होने वाली है।

मदरहुड जर्नी को एंज्वॉय कर रही हैं कियारा

कियारा आडवाणी का घर और जिंदगी इस वक्त खुशियों से भरी हुई है। 15 जुलाई को कियारा और सिद्धार्थ मल्होत्रा एक बेटी के माता-पिता बने। बेटी के जन्म पर कियारा और सिद्धार्थ ने एक सोशल मीडिया पोस्ट की थी, जिसमें लिखा था, 'हमारी दुनिया हमेशा के लिए बदल गई है। हमें बेटी हुई।' हाल ही में कियारा ने अपनी मदरहुड जर्नी को लेकर भी एक सोशल मीडिया पोस्ट की है।

कियारा ने पोस्ट में लिखे अपने इमोशन

कियारा आडवाणी ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, 'मैं तुम्हारे डायपर बदलती हूं, तुम मेरी दुनिया बदलो। यह एक फेयर ट्रेड (अह्लइस्रद्द)है।' इस पोस्ट के जरिए कियारा अपनी मदरहुड जर्नी को फैंस के साथ शेयर कर रही हैं। इस मदरहुड जर्नी में पति सिद्धार्थ मल्होत्रा भी कियारा का साथ दे रहे हैं। वायरल वीडियो में अक्सर नजर आता है कि वह कियारा का बहुत ज्यादा ध्यान रखते हैं।

'वॉर 2' में नजर आएंगी कियारा

कियारा आडवाणी इन दिनों ब्रेक पर हैं, वह बेटी की परवरिश में समय दे रही हैं। लेकिन जल्द ही वह फिल्म 'वॉर 2' में ऋतिक रोशन के अपोजिट नजर आएंगी। इस फिल्म की शूटिंग कियारा पहले कर चुकी थीं। फिल्म 'वॉर 2' 14 अगस्त को रिलीज हो रही है। इस साउथ सुपरस्टार जूनियर एनटीआर भी नजर आएंगे। केजीएफ फेम साउथ एक्टर यश की फिल्म 'टॉक्सिक' में भी अगले साल कियारा नजर आएंगी। यह एक मेगा बजट एक्शन ड्रामा फिल्म होने वाली है। अगले साल मार्च महीने में यह फिल्म रिलीज हो सकती है।

गांधी बनकर खुद को साबित करने का मुझे एक और मौका मिला है...

प्रतीक गांधी फुले के बाद अब गांधी की बायोपिक सीरीज में दिखेंगे। यह इसाने टाइटल रोल में हैं। इसका वर्ल्ड प्रीमियर 50वें टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में भी होगा। उन्होंने इस किरदार के लिए अपनी तैयारी, इसे निभाने की चुनौतियों समेत करियर पर बातचीत की...

गांधी के लिए बेन किंग्सले जैसा जज्बा दिखाएंगे क्या?

जज्बे की बात जहां तक है तो मेरे जीवन का ये सबसे अहम किरदार है। मैं सालों से स्टेज पर यह किरदार प्ले कर रहा हूं। गांधी का मोनोलॉग भी मैं करता हूं। 12-13 वर्षों से स्टेज पर इस किरदार को परफॉर्म किया है। तो कहीं न कहीं अनजाने में मैं इसके लिए तैयारी ही कर रहा था। मुझे नहीं पता था जब मैंने नाटक शुरू किया था कि पास में कभी ऐसी सीरीज भी आएगी। उस तरह से मुझे उस तैयारी ने काफी मदद की है। इसलिए इस किरदार को निभाना बहुत मुश्किल नहीं लगा।

टोरंटो फेस्टिवल में सीरीज के जाने की कैसी खुशी है?

यह इस टोरंटो फेस्टिवल की प्राइमटाइम कैटेगरी में शामिल होने वाली पहली भारतीय सीरीज है। मुझे खुशी है कि ऐसे बड़े प्रतिष्ठित इवेंट में वर्ल्ड हमारी सीरीज को प्रीमियर मिला है। यह मेरे और मेकर्स दोनों के लिए गर्व की बात है। इस सीरीज में भामिनी ओझा कस्तूरबा गांधी की भूमिका निभा रही हैं। इसका म्यूजिक ए आर रहमान ने दिया है। यह कहानी लेखक रामचंद्र गुहा की दो फेमस बुक्स गांधी बिफोर इंडिया और गांधी: द इयर्स दैट चेंज्ड द वर्ल्ड पर आधारित है।

इस किरदार के लिए खुद को कैसे ट्रांसफॉर्म किया है?

ट्रांसफॉर्मेशन का तो ऐसा है कि थोड़ा मसल्स लॉस किया है। चूंकि गांधी जी जरा दुबले-पतले थे। मुझे उस एज ग्रुप को भी प्ले करना था तो उस हिसाब से बदलाव तो करना ही पड़ा।

गांधी जी की उम्र के किन फेज तक जाएगी सीरीज ?

इस सीरीज में गांधी जी की लाइफ के यंग फेज को हम दिखाएंगे। हमने इसमें उनको एक अलग तरह से दिखाने का प्रयास किया है। जब वह साउथ अफ्रीका में पढ़ाई करते थे। सूट-बूट वाले महात्मा गांधी को हम दिखाएंगे। बाकी अपनी गलतियों से सीखकर जो निर्णय उन्होंने जीवन में लिए उसकी वजह से वो महात्मा तक का सफर तय कर पाए थे।

स्कैम... के बाद करियर में क्या बदलाव पाया है?

स्कैम 1992 के बाद बहुत बड़ा बदलाव आया है। राइटर्स-डायरेक्टर्स, मेकर्स के अंदर मुझे लेकर विश्वास बढ़ा है। उन्हें लगने लगा है कि इस पर भी बड़ा दांव लगा सकते हैं। बड़े लंबे अरसे तक हमारी लड़ाई और जर्नी यही रही है कि हम सिर्फ किसी का भरोसा जीत पाएं। स्कैम 1992 के बाद ये हुआ कि लोगों ने बहुत ही भरोसा दिखाया। इसी के चलते मुझ तक अच्छी कहानियां पहुंचना शुरू हुई हैं। अब कई राइटर्स कहते हैं कि आपको ही सोचकर ये कहानी तैयार की है। यह बात मुझे सुकून देती है।

वंदे मातरम की अमर गाथा, एक गीत जो पवित्र ऋचा बन गया

वन्दे मातरम!
सुजलाम, सुफलाम मलयज-शीतलाम
शस्यश्यामलाम मातरम
वन्दे मातरम
शुभ्र ज्योत्स्ना पुलकितयामिनीम
फुल्लकुसुमित द्रुमदल शोभिनीम
सुहासिनीम सुमधुरभाषिणीम
सुखदाम, वरदाम, मातरम!
वन्दे मातरम वन्दे मातरम

ब्रिटिश शासन के दौरान देशवासियों के दिलों में गुलामी के खिलाफ आग भड़काने वाले सिर्फ दो शब्द थे- 'वंदे मातरम'। आइए बताते हैं इस क्रांतिकारी, राष्ट्रभक्ति के अजर-अमर गीत के जन्म की कहानी
बंगाल के महान साहित्यकार श्री बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय के ख्यात उपन्यास 'आनंदमठ' में वंदे मातरम्‌ का समावेश किया गया था। लेकिन इस गीत का जन्म 'आनंदमठ' उपन्यास लिखने के पहले ही हो चुका था। अपने देश को मातृभूमि मानने की भावना को प्रज्वलित करने वाले कई गीतों में यह गीत सबसे पहला है। 'वंदे मातरम' के दो शब्दों ने देशवासियों में देशभक्ति के प्राण फूँक दिए थे और आज भी इसी भावना से 'वंदे मातरम्' गाया जाता है। हम यों भी कह सकते हैं कि देश के लिए सर्वोच्च त्याग करने की प्रेरणा देशभक्तों को इस गीत से ही मिली। पीढ़ियाँ बीत गई पर 'वंदे मातरम्' का प्रभाव अब भी अक्षुण्ण है। 'आनंदमठ' उपन्यास के माध्यम से यह गीत प्रचलित हुआ। उन दिनों बंगाल में 'बंग-भंग' का आंदोलन उफान पर था। दूसरी ओर महात्मा गाँधी के असहयोग आंदोलन ने लोकभावना को जाग्रत कर दिया था। बंग भंग आंदोलन और असहयोग आंदोलन दोनों में 'वंदे मातरम' ने प्रभावी भूमिका निभाई। स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के लिए यह गीत पवित्र मंत्र बन गया था।
बंकिम बाबू ने 'आनंदमठ' उपन्यास 1880 में लिखा। कलकत्ता की 'बंग दर्शन' मासिक पत्रिका में उसे क्रमशः प्रकाशित किया गया। अनुमान है कि 'आनंदमंठ' लिखने के करीब पाँच वर्ष पहले बंकिम बाबू ने 'वंदे मातरम' को लिख दिया था। गीत लिखने के बाद यह यों ही पड़ा रहा। पर 'आनंदमठ' उपन्यास प्रकाशित होने के बाद लोगों को उसका पता चला। इस संबंध में एक दिलचस्प किस्सा है। बंकिम बाबू 'बंग दर्शन' के संपादक थे। एक बार पत्रिका का साहित्य कम्पोज हो रहा था। तब कुछ साहित्य कम पड़ गया, इसलिए बंकिम बाबू के सहायक संपादक श्री रामचंद्र बंदोपाध्याय बंकिम बाबू के घर पर गए और उनकी निगाह 'वंदे मातरम्' लिखे हुए कागज पर गई। कागज उठाकर श्री बंदोपाध्याय ने कहा, फिलहाल तो मैं इससे ही काम चला लेता हूँ। पर बंकिम बाबू तब गीत प्रकाशित करने को तैयार नहीं थे। यह बात 1872 से 1876 के बीच की होगी। बंकिम बाबू ने बंदोपाध्याय से कहा कि आज इस गीत का मतलब लोग समझ नहीं सकेंगे। पर एक दिन ऐसा आएगा कि यह गीत सुनकर सम्पूर्ण देश निद्रा से जाग उठेगा। इस संबंध में एक किस्सा और भी प्रचलित है। बंकिम बाबू दोपहर को सो रहे थे। तब बंदोपाध्याय उनके घर गए। बंकिम बाबू ने उन्हें 'वंदे मातरम' पढ़ने को दिया। गीत पढ़कर बंदोपाध्याय ने कहा, 'गीत तो अच्छा है, पर अधिक संस्कृतनिष्ठ होने के कारण लोगों की जुबान पर आसानी से चढ़ नहीं सकेगा।' सुनकर बंकिम बाबू हँस दिए। वे बोले, 'यह गीत सदियों तक गाया जाता रहेगा।' 1876 के बाद बंकिम बाबू ने बंग दर्शन की संपादकी छोड़ दी। 1875 में बंकिम बाबू ने एक उपन्यास 'कमलाकांतेर दफ्तर' प्रकाशित किया। इस उपन्यास में 'आभार दुर्गोत्सव' नामक एक कविता है। 'आनंदमठ' में संत-गणों को संकल्प करते हुए बताया गया है। उसकी ही आवृत्ति 'कमलाकांतेर दफ्तर' के कमलकंात की भूमिका निभाने वाले चरित्र के व्यवहार में दिखाई देती है। धीर-गंभीर देशप्रेम और मातृभूमि की माता के रूप में कल्पना करते हुए बंकिम बाबू गंभीर हो गए और अचानक उनके मुँह से 'वंदे मातरम्' शब्द निकले। यही इस अमर गीत की कथा है।
1896 में कलकत्ता में काँग्रेस का राष्ट्रीय अधिवेशन हुआ। उस अधिवेशन की शुरुआत इसी गीत से हुई और गायक कौन थे पता है आपको? गायक और कोई नहीं, महान साहित्यकार स्वयं गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर थे। कितना भाग्यशाली गीत है यह, जिसे सबसे पहले गुरुदेव टैगोर ने गाया। यह भी माना जाता है कि बंकिम बाबू एक कीर्तनकार द्वारा गाए गए एक कीर्तन गीत 'एसो एसो बंधु माघ आँचरे बसो' को सुनकर बेहद प्रभावित हुए। गीत सुनकर गुलामी की पीड़ा का उन्होंने तीव्र रूप से अनुभव किया। इस एक गीत ने भारतीय युवकों को एक नई दिशा-प्रेरणा दी, स्वतंत्रता संग्राम का महान उद्देश्य दिया। मातृभूमि को सुजलाम्-सुफलाम बनाने के लिए प्रेरित किया। 'वंदे मातरम।' इन दो शब्दों ने देश को आत्मसम्मान दिया और देशप्रेम की सीख दी। हजारों वर्षों से सुप्त पड़ा यह देश इस एक गीत से निद्रा से जाग उठा। तो ऐसी दिलचस्प कहानी है वंदे मातरम गीत की।

भारत का स्वतंत्रता दिवस

आजादी यह एक ऐसा शब्द है जो प्रत्येक भारतवासी की रगों में खून बनकर दौड़ता है। स्वतंत्रता हर मनुष्य का जन्मसिद्ध अधिकार है। तुलसीदास जी ने कहा है 'पराधीन सपनेहुं सुखनाहीं' अर्थात पराधीनता में तो स्वप्न में भी सुख नहीं है। पराधीनता तो किसी के लिए भी अभिशाप है। जब हमारा देश परतंत्र था उस समय विश्व में न हमारा राष्ट्रीय ध्वज था, न हमारा कोई संविधान था।
आज हम पूर्ण स्वतंत्र हैं तथा पूरे विश्व में भारत की एक पहचान हैं। हमारा संविधान आज पूरे विश्व में एक मिसाल है। जिसमें समस्त देशवासियों को समानता का अधिकार है। हमारा राष्ट्रीय ध्वज भी प्रेम, भाईचारे व एकता का प्रतीक है। भारत वर्ष के महान संविधान रचयिता बाबा साहेब डॉ.भीमराव आंबेडकर ने संविधान में विशेष रूप से भारत के प्रत्येक नागरिक को आजादी का अहसास कराया है अथवा विशेष अधिकार दिए हैं। जब से हमारा भारत आजाद हुआ है तभी से आर्थिक व तकनीकी रूप से हमारा देश सम्पन्नता की ऊंचाइयों तक पहुंचा है।
आज पूरे विश्व में भारत आशा की किरण बनकर सूर्य की भांति आकाश में चमक रहा है, यह सब आजाद भारत में ही संभव हुआ है। हमें ये आजादी आसानी से नहीं मिली है, इसके लिए देश के शूरवीरों व आजादी के मतवालों ने अपना बलिदान देकर दिलाई है, हमें उनका सदैव आभार मानना चाहिए। आज हम आजादी की खुली हवा में सांस ले रहे हैं, वह सब भारत माता के उन सपूतों की याद दिलाता है, जिन्होंने अपना सर्वस्व देश के नाम कर दिया था। भारत के प्रसिद्ध विद्वानों, कवियों, इतिहासकारों अथवा लेखकों ने भारत का सामाजिक रूप से सुधार करके भारत की आजादी में चार चांद लगाए।
आज भारत पूर्व विश्व में अतुल्य है। सामाजिक कुप्रथाओं का अंत हुआ, गरीबों का आर्थिक शोषण समाप्त हुआ तथा गांवों की दयनीय स्थिति में तेजी से सुधार हुआ। आज भारत सहित पूरा विश्व आतंकवाद से जूझ रहा है, जो आजादी के नाम पर एक सबसे बड़ा कलंक है। यह तो हम सभी जानते हैं कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता। कुछ लोग आतंकवाद का चोला पहन लेते हैं तथा निर्दोष लोगों की हत्या करते हैं, देशवासियों में भय का माहौल पैदा करते हैं। जिसके परिणामस्वरूप जनता में सरकारी नीतियों व देश के रक्षातंत्र के प्रति भ्रम उत्पन्न होता है। हम सभी भारतीय को चाहिए कि आतंकवाद के खिलाफ एकमत तथा एकजुट होकर सरकार को सहयोग करें।
यह हमारा सौभाग्य है कि हमने भारत की पुण्यभूमि पर जन्म लिया और आजादी के सुंदर वातावरण में सांस ली। देशप्रेम एक पवित्र भाव है जो हर नागरिक में होना अनिवार्य है। कुछ लोग अपने स्वार्थपूर्ति के लिए हमारे पवित्र देश को भ्रष्टाचार की चादर में समेट रहे हैं और देश की भोलीभाली जनता को गुमराह कर रहे हैं। हमें एकजुट होकर ऐसे भ्रष्ट लोगों से सावधान रहने की आवश्यकता है तथा भ्रष्टाचार रूपी रावण का अतिशीघ्र दहन करना चाहिए।
भारत वर्ष को पहले की भांति सोने की चिड़िया बनाना है तथा आजादी का सही अर्थ समझना है, प्रत्येक भारतीय को अपने अधिकारों से ज्यादा अपने कर्तव्यों का पालन करना होगा, तभी हमारा देश पूरे विश्व में एक महाशक्ति बनकर सामने आएगा। यही हमारा मुख्य ध्येय है। इस आंदोलन में हमारे भारतवासियों ने कई सत्याग्रह आंदोलन किए, लाठियां भी खाईं, कई बार जेल भी गए, और फिर अंग्रेजों को हमारा देश छोड़कर जाने पर मजबूर कर दिया। इस तरह 15 अगस्त 1947 का दिन हमारे लिए स्वर्णिम दिन, इंडिपेंडेंस डे बना। हम, हमारा देश स्वतंत्र हो गए। इसीलिए यह दिन 1947 से लेकर आज तक सभी बड़े उत्साह और प्रसन्नता के साथ मनाते हैं।

भारत माता की जय, हम सब एक हैं, वंदे मातरम।

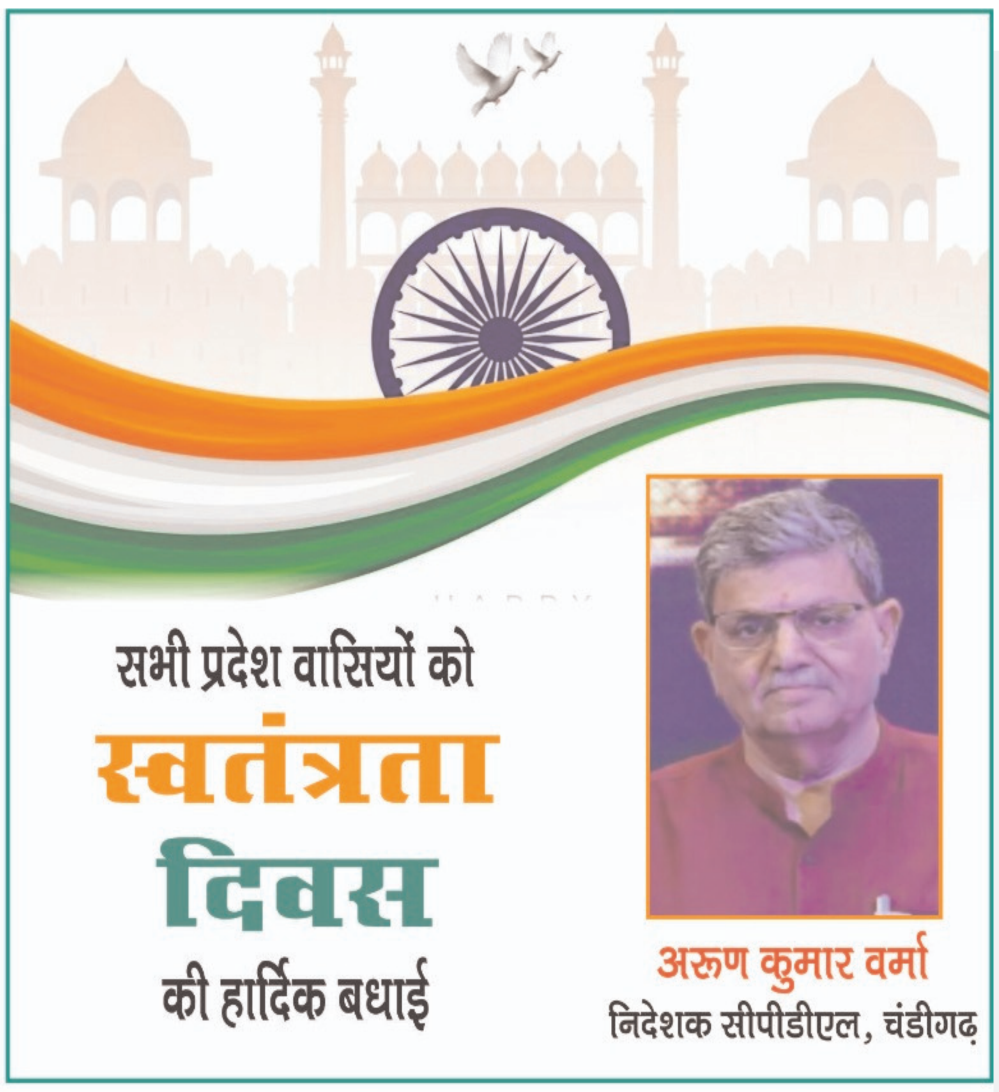

स्वतंत्रता और गणतंत्र दिवस में क्या अंतर होता है? कैसे फहराया जाता है झंडा

भारत में हर साल दो राष्ट्रीय पर्व का जश्न मनाया जाता है 26 जनवरी और 15 अगस्त। अधिकतर लोग इन दोनों दिवस को एक ही समझते है या इन दोनों का महत्व उन्हें एक ही लगता है। भारत इस साल 77वां स्वतंत्रता दिवस मनाने जा रहा है। चलिए जानते हैं इन दोनों में क्या प्रमुख अंतर होता है....

स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त

200 साल की ब्रिटिश गुलामी के बाद भारत 15 अगस्त 1947 को आज़ाद हुआ था। देश की आज़ादी के रूप में हम हर साल 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस मनाते है। प्रति वर्ष इस दिवस की थीम भी निर्धारित होती है।

गणतंत्र दिवस 26 जनवरी

15 अगस्त 1947 में आजादी के बाद भारत के पास अपना कानून नहीं था। भारत के नियम-कानून ब्रिटिश कानून के अनुसार थे। इसलिए आजादी के बाद संबिधान बनाने की प्रक्रिया शुरू हुई और 26 जनवरी 1950 को संविधान लागू किया गया।

26 जनवरी या 15 अगस्त किस दिन होती है परेड आयोजित

15 अगस्त के दिन परेड का आयोजन नहीं होता है। बल्कि 26 जनवरी पर सैनिकों, अर्धसैनिक बलों परेड होती है। इस परेड में अलग-अलग सेवा के सैनिक सुंदर प्रस्तुति करते दिखते हैं। साथ ही आप इस दिन विभिन्न राज्य की सुंदर झांकियां भी देखते हैं।

स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस पर झंडा फहराने में क्या अंतर है?

पहला अंतर: 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर झंडे को नीचे से रस्सी द्वारा खींचकर ऊपर ले जाया जाता है, फिर खोलकर फहराया जाता है, जिसे ध्वजारोहण कहा जाता है, क्योंकि यह 15 अगस्त 1947 की ऐतिहासिक घटना को सम्मान देने हेतु किया जाता है, उस समय प्रधानमंत्री जी ने ऐसा किया था। संविधान में इसे अंग्रेजी में Flag Hoisting (ध्वजारोहण) कहा जाता है।
जबकि 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के अवसर पर झंडा ऊपर ही बंधा रहता है, जिसे खोलकर फहराया जाता है, संविधान में इसे Flag Unfurling (झंडा फहराना) कहा जाता है।
दूसरा अंतर: 15 अगस्त के दिन प्रधानमंत्री जो कि केंद्र सरकार के प्रमुख होते हैं, वे ध्वजारोहण करते हैं क्योंकि स्वतंत्रता के दिन भारत का संविधान लागू नहीं हुआ था और राष्ट्रपति जो कि राष्ट्र के संवैधानिक प्रमुख होते हैं, उन्होंने पदभार ग्रहण नहीं किया था। इस दिन शाम को राष्ट्रपति अपना संदेश राष्ट्र के नाम देते हैं। जबकि 26 जनवरी जो कि देश में संविधान लागू होने के उपलक्ष्य में मनाया जाता है, इस दिन संवैधानिक प्रमुख राष्ट्रपति झंडा फहराते हैं।
तीसरा अंतर: स्वतंत्रता दिवस के दिन लालकिले से ध्वजारोहण किया जाता है। जबकि गणतंत्र दिवस के दिन राजपथ पर झंडा फहराया जाता है।
चौथा अंतर: पूरे भारत में गणतंत्र दिवस ज्यादा धूमधाम से मनाया जाता है। जबकि गणतंत्र दिवस के मुकाबले स्वतंत्रता दिवस पर ऐसा कुछ नहीं होता।
पांचवां अंतर: गणतंत्र दिवस पर देश अपनी सैन्य ताकत और सांस्कृतिक विलक्षणता को दिखाता है।
जबकि स्वतंत्रता दिवस के दिन ऐसा कुछ नहीं होता।
छठा अंतर: 26 जनवरी यानी गणतंत्र दिवस के दिन समारोह में मुख्य अतिथि आते हैं। जबकि स्वतंत्रता दिवस पर ऐसा नहीं होता है।
सातवां अंतर: 26 जनवरी और 15 अगस्त दोनों ही राष्ट्रीय पर्व हैं। 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस कहा जाता है और 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस कहा जाता है।